धनबाद
बुधवार 12.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-30 अंक-349 पृष्ठ- 12
माघ शुक्ल पक्ष-14
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

जोगता थाना क्षेत्र के 22/12 में चल रहे अवैध कोल माइनिंग पर आखिर छापा कौन मारेगा?

सुधाकर ने अवैध कोल माइंस चलाने का पार्सिंग दिलवाकर रिंकू, शंभु, सुनील और मुखिया को मालामाल कर दिया

धनबाद (कासं) : *जिले के जोगता थाना क्षेत्र के २२/१२ नमक फैक्ट्री के पीछे बड़े पैमाने पर अवैध माइनिंग चलाया जा रहा है और खनन विभाग न्यूज चैनलों और अखबारों में खबर देखने के बाद भी अनदेखा क्यों कर रहा है यह चर्चा का विषय पूरे कोयलांचल में जोरो पर है। हद तो यह हो गया है कि बीसीसीएल के सुधाकर भी इस अवैध कोल माइनिंग में पार्टनर की भूमिका निभा रहा है। चर्चा है कि सुधाकर ने ही अवैध कोयला खान बिना भारत सरकार और राज्य सरकार से लाइसेंस लिए बिना ही अवैध ढंग से चला रहा है। करोड़ों का घूस पार्सिंग के नाम पर आखिर किन-किन लोगों और किन-किन विभागों को बांटा गया है।*

जोगता थाना क्षेत्र के चर्चित नमक फैक्ट्री के पीछे शंभु के जमीन में मुखिया और रिंकू एवं सुनील के देखरेख में यह अवैध कोयला खान दिन-रात चलाया जा रहा है और सैकड़ों टन कोयला अवैध ढंग से गजदूरों द्वारा काटे जाने की वीडियो भी बिहार आंब्जर्वर अखबार को स्थानीय लोगों ने भेजा है और अपील किया है कि केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय संपत्ति कोयला के लूट को रोकवाने के लिए सरकार और जनता को चल रहे इस बड़े माइनिंग के अवैध धंधे की ओर केन्द्र और राज्य सरकार का ध्यान केन्द्रित कर अवैध कोल माइनिंग को बंद करवाया जाय।

आईजी विपुल शुक्ला के जाते ही सीआईएसएफ के जवान अवैध माइनिंग और कोल तस्करी पर हो गए मौन

सीआईएसएफ के डीआईजी आनंद सक्सेना और बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता से भी स्थानीय सिजुआ एरिया-५ के २२/१२ बस्ती के लोगों ने अविलंब इस अवैध कोल माइनिंग को बंद करवाने की मांग करते हुए कहा है कि सीएमडी श्री दत्ता डीआईजी सक्सेना को छापामारी करने और खोले गए अवैध कोल खनन के मुहाने को डोजरिंग करवाने की भी मांग की है। चर्चा है कि स्थानीय लोगों ने सिजुआ जीएम से इसकी शिकायत की थी लेकिन जीएम ने कोई कार्रवाई अवैध माइनिंग के विरूद्ध नहीं की। जिससे जीएम सीआईएसएफ के स्थानीय अधिकारियों की बदनामी हो रही है। कोयला का अवैध माइनिंग और कोयला चोरी रोकने के लिए गृह मंत्रालय ने सीआईएसएफ को बीसीसीएल में पदस्थापित किया है। हाल में ही सीआईएसएफ के आई.जी. विपुल शुक्ला ने लोदना एरिया में सीआईएसएफ और बीसीसीएल के अधिकारियों को कोयला के अवैध माइनिंग और चोरी के विरूद्ध सख्त कार्रवाई का आदेश दिया था। उनके जाते ही सिजुआ एरिया में पदस्थापित सीआईएसएफ के अधिकारी और जवान उनके निर्देशों को अनदेखा कर अवैध कोल माइंस चलाने वालों की ओर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं, कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं।

यह प्रश्न जनता उठा रही है। यही नहीं अवैध माइनिंग से आसपास के बस्तियों के भू-धसान का खतरा भी उत्पन्न हो गया है। चर्चा है कि पुलिस और मीडिया के भी कुछ लोगों से सेटिंग-गेटिंग कर कोयले का अवैध माइनिंग चलाकर कोयला लूटा जा रहा है।

ईवीएम का डाटा डिलीट न करें, सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के बाद ईवीएम का डाटा डिलीट न करने का आदेश दिया और चुनाव आयोग से ईवीएम पर जानकारी मांगी। कोर्ट ने कहा कि अगर हारने वाले उम्मीदवार को शक हो, तो इंजीनियर से जांच कराई जा सकती है कि ईवीएम में कोई छेड़छाड़ तो नहीं की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि चुनाव के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का डाटा डिलीट न किया जाए। शीर्ष कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि चुनावों के बाद ईवीएम का डाटा कैसे सुरक्षित रखा जाता है और प्रक्रिया क्या होती है। कोर्ट ने आदेश दिया कि फिलहाल ईवीएम से कोई भी डाटा डिलीट न किया जाए और न ही इसमें कोई नया डाटा डाला जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगी जानकारी

चीफ जस्टिस (सीजेआई) संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग से पूछा कि चुनावों के बाद ईवीएम की मेमोरी और माइक्रो कंट्रोलर को बर्न करने की प्रक्रिया क्या है। सीजेआई ने कहा, इसमें किसी तरह का विवाद नहीं है। अगर चुनाव हारने वाले उम्मीदवार को शंका हो कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हो सकती है, तो इंजीनियर से स्पष्ट किया जा सकता है कि ईवीएम में छेड़छाड़ की गई है या नहीं।

एडीआर और कांग्रेस नेताओं द्वारा दीं याचिकाएं

शीर्ष कोर्ट एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), हरियाणा और कांग्रेस नेताओं के एक समूह की ओर से दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग ईवीएम के बर्न किए गए माइक्रो कंट्रोलर मेमोरी की जांच करवाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि ईवीएम में किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं हुई। मामले पर अगली सुनवाई तीन मार्च से शुरू होगी।

एलओसी के नजदीक एलईडी ब्लास्ट 2 जवान शहीद, 1 गंभीर घायल

जम्मू (ईएमएस): जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास लालोली इलाके में एलईडी ब्लास्ट होने से भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। सेना के प्रवक्ता के मुताबिक, यह धमाका मंगलवार दिन के करीब ३:३० बजे भट्टल इलाके में हुआ, जबकि सेना की एक टीम गश्त पर थी

ब्लास्ट के तुरंत बाद सेना ने पूरे इलाके को घेर लिया और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब ३:३० बजे जम्मू जिले के खौर थाने के अंतर्गत केरी बट्टल क्षेत्र में एलओसी के नजदीक आईईडी ब्लास्ट हुआ। इसमें ३ जवान घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से २ जवानों की इलाज के दौरान मौत हो गई, वहीं एक अन्य जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है। शहीद व गंभीर रुप से घायल जवानों के नामों की आधिकारिक ▶▶ 8

इंडियाज गॉट लेटेंट' के सभी एपिसोड होंगे डिलीट समय रैना समेत 30 लोगों पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी): 'इंडिया गॉट लेटेंट' विवाद मामला थमता नजर नहीं आ रहा है. इस मामले को लेकर महाराष्ट्र सायबर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है. ये मामला समय रैना, बलराज घाई और अन्य के खिलाफ दर्ज किया गया है. सूत्रों ने बताया है कि इस शो के पब्लिश हिस्से को देखने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की गई है.

'इंडिया गॉट लेटेंट' कंट्रोवर्सी में ३० लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है. उनके खिलाफ खड की धारा ६७ और संबंधित इछद की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. शो के पहले एपिसोड से लेकर एपिसोड ६ तक जितने भी लोग इसमें शामिल थे, उन सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

एफआईआर में जिन लोगों के नाम हैं, उन सभी को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. सभी को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया जाएगा. महाराष्ट्र सायबर पुलिस ने यूट्यूब को पत्र लिखकर इस शो के सभी एपिसोड डिलीट करने कहा है. बता दें कि इस मामले को लेकर ऑल इंडिया सिने वर्क एसोसिएशन ने भी सख्त कदम उठाया है. -खजय- ने इंडियाज गॉट लेटेंट से जुड़े सभी लोगों के भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में काम करने पर बैन लगा दिया है. कोई भी बॉलीवुड या रीजनल फिल्म प्रोडक्शन हाउस उनके साथ काम नहीं करेगा.

एनसीडब्ल्यू ने भी एक प्रेस रिलीज जारी की है. इसमें कहा गया है कि एनसीडब्ल्यू ने अपमानजनक टिप्पणियों पर रणवीर अल्लाहबादिया, समय रैना और अन्य को समन भेजा है और इसकी सुनवाई १७ फरवरी को होनी है.

बता दें कि इंडियाज गॉट लेटेंट एक कॉमेडी शो है जो यूट्यूब पर ब्रॉडकास्ट किया जाता है. इसके एक एपिसोड में यूट्यूहर रणवीर इलाहाबादिया भी पहुंचे थे. इस दौरान रणवीर ने पेरेंट्स की इंटीमेट लाइफ से जुड़ा एक सवाल किया ▶▶ 8

एआई शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी राष्ट्रपति मैक्रों के साथ होगी द्विपक्षीय वार्ता

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार रात फ्रांस पहुंच गए हैं। यहां पीएम मोदी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ 'एआई एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता करेंगे और उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति मैक्रों के साथ आज 'एआई एक्शन समिट' की सह-अध्यक्षता करेंगे।

मोदी ने फ्रांस के लिए रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा, मैं एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हूं, जो विश्व के नेताओं और ग्लोबल टेक सीईओ का सम्मेलन है, जहां हम समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से इनोवेशन और व्यापक सार्वजनिक कल्याण के लिए एआई टेक्नोलॉजी के प्रति सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर विचार साझा करेंगे। मोदी और मैक्रों प्रतिनिधिमंडल स्तर पर भी बातचीत करेंगे तथा भारत-फ्रांस सीईओ मंच को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेरिस में एआई शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता किए जाने से पहले आयोजित स्वागत रात्रिभोज में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गले लगाकर उनका स्वागत किया।

मोदी ने सोमवार को 'एक्स' पर लिखा, पेरिस में अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों से मिलकर प्रसन्नता हुई। रात्रिभोज में प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस से भी मुलाकात की। वेंस भी एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस में हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत की।

बुधवार को, दोनों नेता प्रथम विश्व युद्ध में बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए मजारगुएज युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे। वह मार्सिले में भारत के नये महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करेंगे। मोदी और मैक्रों वैडरेचे का दौरा करेंगे, जो एक उच्च-विज्ञान परियोजना, अंतरराष्ट्रीय थर्मोन्यू क्लियर प्रायोगिक रिएक्टर का स्थल है।

मणिपुर विधानसभा का प्रस्तावित सत्र रद्द होने पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर विधानसभा का प्रस्तावित सत्र रद्द कर दिया गया क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नया मुख्यमंत्री तय नहीं कर सकी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि राज्यपाल अजय कुमार भल्ला विधानसभा का सत्र नहीं बुलाकर अनुच्छेद १७४ (१) का उल्लंघन क्यों कर रहे हैं? जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मणिपुर विधानसभा के सत्र की संवैधानिक रूप से अनिवार्य बैठक का आज आखिरी दिन है। भारत के संविधान के अनुच्छेद १७४ (१) में प्रावधान है ▶▶ 8

फ्रांसीसी विदेश मंत्री से मिले जयशंकर एआई और इनोवेशन पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पेरिस में अपने फ्रांसीसी समकक्ष जीन-नोएल बैरोट से मुलाकात की। जयशंकर ने बैठक का ब्यौरा साझा करते हुए कहा, पेरिस में विदेश मंत्री जीन-नोएल बरोट से मिलकर खुशी हुई। एआई और इनोवेशन, कनेक्टिविटी और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमारे व्यापक सहयोग पर चर्चा हुई। फ्रांसीसी विदेश मंत्री ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, भारत के साथ, एआई हमारी रणनीतिक साझेदारी का नया क्षेत्र है। २०२६ में, हम मिलकर इनोवेशन का एक फ्रेंको-भारतीय वर्ष लिखने वाले है।

यह बैठक एआई शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत रात्रिभोज के दौरान हुई। ▶▶ 8

सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ी, ऐसा करने वाला जी-20 का पहला देश : पीएम

भारत 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा का लक्ष्य तय किया

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस यात्रा के दौरान मंगलवार को वर्चुअली 'इंडिया एनर्जी वीक २०२५' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि २१वीं सदी भारत की सदी है और ऊर्जा क्षेत्र इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत २०३० तक ५०० गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ने, भारतीय रेलवे को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाने और हर साल ५० लाख मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता ३२ गुना बढ़ी है और यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है। गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता तीन गुना बढ़ी है, इससे भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला जी-२० देश बन गया है।

इतनी ही नहीं भारत में १९ प्रतिशत इथेनॉल सम्मिश्रण हो रहा है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत, किसानों की आय में वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है। मोदी सरकार ने 'ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी' बनाई है, जिससे हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज ▶▶ 8

आपराधी ठहराए जाने के बाद संसद में कैसे लौट सकता है कोई

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए किया सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): देश में कई सांसद और विधायक हैं जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कोई व्यक्ति संसद में कैसे लौट सकता है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये सवाल किया है, जिसमें मांग की गई कि देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के अलावा दोषी नेताओं पर आजीवन बैन लगाने का अनुरोध किया है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने इसलिए मुद्दे पर भारत के अटॉर्नी जनरल से मदद मांगी है। चुनौती देने पर केंद्र और भारत के निर्वाचन आयोग से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि एक बार जब उन्हें दोषी ठहराया जाता है और दोषसिद्धि बरकरार रखी जाती है तो लोग संसद और विधानमंडल में कैसे वापस आ सकते हैं? इसका उन्हें जवाब देना होगा। इसमें हितों का टकराव भी स्पष्ट है। वे कानूनों की पड़ताल करेंगे। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कानूनों की समीक्षा करेगा।

पीठ ने आगे कहा कि हमें जनप्रतिनिधित्व के बारे में जानकारी होनी चाहिए। यदि कोई सरकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार या राज्य के प्रति निष्ठाहीनता का दोषी पाया जाता है ▶▶ 8

तकनीकी कारणों का हवाला देकर सीओ आवेदन रिजेक्ट करेंगे तो होगी कार्रवाई : दीपक बिरुआ

रांची (प्रसे): भू राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि अंचलों में तकनीकी कारणों का हवाला देकर रैयतों के आवेदनों को बेवजह रिजेक्ट करने पर, चिन्हित उज पर अब कार्रवाई होगी। साथ ही अंचलों में दाखिल खारिज संबंधित मामलों पर आवेदनों की अस्वीकृत या आपत्ति के कारणों को उज को पचास शब्दों में ठोस बातें लिखकर स्पष्ट कारण बताना अनिवार्य है। मंत्री दीपक बिरुआ मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में भू राजस्व, भूमि सुधार विभाग की समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। बिरुआ ने कहा कि कई बार तकनीकी कारणों से झारभूमि साइट नहीं खुलने की बातें लिखकर, अंचल अधिकारी आवेदनों को जिस तरह रिजेक्ट करने का बहाना बनाते हैं। अब ऐसा नहीं चलेगा। जमीन मामले में अंचलों में कई गड़बड़ियां हैं। जिसका भुगतान सरकार को उठाना पड़ता है। इसलिए सभी अंचल अधिकारी पदाधिकारी सचेत होकर ईमानदारी से अपने कार्य दायित्व का निर्वहन करें।

खतियान निकालने में न हो रैयतों को परेशानी

मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि कई मॉडर्न रिकॉर्ड रूम से खतियान निकालने पर सही छपाई नहीं होती। खतियान फोटो कॉपी नहीं दिखता है। ऐसी विसंगतियों को दुरुस्त किया जाएं। स्पष्ट स्कैनिंग नहीं होने पर रैयतों को अपने जमीन की सही जानकारी नहीं मिलती। खतियान निकालने के बाद भी रैयतों को परेशानी नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मॉडर्न रुम में कैथी और बंगला भाषा में लिखी खतियान को ट्रांसलेट करने सुविधा देने की आवश्यकता है।

एनएचएआई कार्य परियोजना को लेकर मंत्री ने दो टूक कहा कि जहां तहां आरओबी बनाने के चक्कर में ग्रामीण सड़कों को छोड़ दिया जाता है, जो गलत है। आरओबी ऊपर में बनने और नीचे जगह छूटने से आमजनों को परेशानियां होती है। उन्होंने लैंड एक्वीजेशन को लेकर समय पर मुआवजा दिलाने की बात कही। कहा कि एनएचएआई की जिम्मेवारी है कि पदाधिकारी लैंड एक्यूजेशन संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान करें। विभागीय सचिव चंद्रशेखर ने कहा कि राजस्व संग्रहण का वार्षिक लक्ष्य के तहत कार्य किया जाए। कमजोर प्रदर्शन करनेवाले अंचलों की समीक्षा कर सुधारात्मक रणनीति अपनाई जाएगी। उन्होंने एलआरडीसी और एसी को अंचलों में लगनेवाले कैंप की विशेष निगरानी करने का खास निर्देश दिया।

मौके पर भू राजस्व विभाग के निदेशक भोर सिंह यादव ने दाखिल खारिज करने के अनुचित कारणों और इसके अद्यतन स्थिति, बेब पीएन की सुविधा दिलाने, जिलों में भू-लगान के निर्धारण एवं ऑनलाइन भुगतान करने, भूमि सीमांकन के लंबित मामलों की स्थिति समेत अन्य विभागीय कार्यों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मी समय सभी कार्यों के निष्पादन के लिए समन्वय स्थापित कर काम करें। बैठक मंत्री दीपक बिरुआ के अलावे सचिव चंद्रशेखर, विशेष सचिव शशि प्रकाश झा, भूमि निदेशक भोर सिंह यादव समेत जिलेभर से आए एलआरडीसी, एडिशनल कलेक्टर समेत अन्य अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

अनजान लोगों के साथ रकम की लेनदेन नहीं करें : डीसी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय के सभागार में सेफ इंटरनेट डे पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मौके पर उपायुक्त ने कहा कि इंटरनेट ने हमारी लाइफस्टाइल आसान बना दी है, परंतु हमें सावधान और सतर्क रहकर इंटरनेट का उपयोग करना चाहिए। शॉर्टकट से पैसे कमाने और विभिन्न तरह की लालच में पड़कर लोगों की गाढ़ी कमाई मिनटों में चली जाती है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी नए-नए तरीके अपना कर लोगों को ठगने की कोशिश करते हैं। जिसमें डिजिटल अरेस्ट, अधिक रिटर्न का लालच देकर निवेश करना, विभिन्न तरह के ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म इत्यादि शामिल है।

उपायुक्त ने कहा कि साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सुरक्षित तरीके से पैसे का ट्रांजैक्शन करें, सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल चार्जिंग, सार्वजनिक वाईफाई का इस्तेमाल करने से बचें, बिना जाने समझें अनजान लोगों के साथ रकम की लेनदेन नहीं करें, अनजान नंबर से आने वाले व्हाट्सएप कॉल एवं व्हाट्सएप वीडियो कॉल तथा इंटरनेशनल कॉल को रिसीव करने से बचें, स्वयं जागरूक बने एवं अपने परिवार को भी जागरूक करें।

कार्यशाला में साइबर थाना प्रभारी अक्षय कुमार राम ने कहा कि कभी भी डिजिटल अरेस्ट की बात सुनकर भयभीत नहीं होना है। पैसा इन्वेस्ट कर अधिक रिटर्न देने वालों की जाल में नहीं फंसना है।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी लोगों की अज्ञानता का फायदा उठाकर साइबर फ्रॉड करते हैं। साइबर फ्रॉड होने से १९३० नंबर पर कॉल करके तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शीघ्र शिकायत दर्ज कराएं और ट्रांजेक्शन ब्लॉक कराएं। इसमें देरी करने से गोल्डन आवर खत्म हो जाता है।

कार्यशाला के दौरान अनजान लोगों के साथ ओटीपी, आधार कार्ड, पैन कार्ड या बैंक की अन्य जानकारी साझा नहीं करने, अनजान नंबरों से आने वाली लिंक पर क्लिक नहीं करने, अनजान लोगों से पेमेंट पाने के लिए क्यूआर कोड स्कैन नहीं करने व ओटीपी या पिन साझा नहीं करने, बैंक ट्रांजैक्शन करते समय सार्वजनिक वाईफाई का इस्तेमाल नहीं करने सहित आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, सोशल मीडिया, साइबर थ्रेटस, ऑनलाइन फ्रॉड, डीप फेक, व्हाट्सएप्प सिक्योरिटी, डिजिटल अरेस्ट सहित अन्य मुद्दे पर चर्चा की गई।

कार्यशाला में उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, साइबर थाना प्रभारी अक्षय कुमार राम, विकास कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जेएसएलपीएस के डीपीएम शैलेश रंजन, डीआईओ सुनीता तुलस्यान, सीएससी मैनेजर अंजार हुसैन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मारपीट मामले में केस दर्ज, पिस्टल बरामद, एक को जेल

धनसार (ससे) : धनसार थाना क्षेत्र हल्दी पट्टी में दो गुटों के बीच हुई मारपीट व फायरिंग मामले में धनसार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर हल्दी पट्टी स्थित एक स्कूल के समीप छुपाए गए पिस्टल बरामद किया है।

पिस्टल चमका रहे आकाश को भी पुलिस ने जेल भेज दिया है। एक पक्ष के सुशीला देवी का आरोप है कि छोटू ओझा, राजु यादव, सूरज कुमार यादव, विपिन यादव व कुंदन यादव मेरे घर पर आए और मेरे घर मे घूसकर मारपीट करने लगे। छोटू ओझा ने पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी। इसी बीच राजू यादव ने मेरी छोटी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया। वहीं दूसरे पक्ष के पिंकी कुमारी का आरोप है कि आकाश साव, विकास साव, नितिश व राहुल साव मेरे घर के पास आए और हमलोगों के साथ मारपीट की। इसी बीच आकाश ने पिस्टल चमकाने लगा। बता दे कि सोमवार को अवैध धंधे मे वर्चस्व को लेकर आकाश साव और छोटू ओझा के बीच मारपीट हुई थी। इस दौरान फायरिंग भी हुई थी।जहां धनसार पुलिस ने पिस्टल चमकाने वाले आकाश को हिरासत में लिया था। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ फायरिंग करने की शिकायत धनसार थाना मे की थी। इस घटना के बाद मंगलवार को धनसार पुलिस व सीआईएसएफ ने चांदमारी रोड में छापेमारी कर ३० टन कोयला बरामद किया है। सभी कोयला हाइवा से उतारकर सड़क किनारे जमा करके रखा था। इस छापेमारी से कोयला चोरों के बीच हड़कंप मच गई। जब्त कोयला को पुलिस ने बस्ताकोला प्रबंधन को सौंप दिया है।

न्यू एंजेल्स स्कूल में 127 बच्चे हुए सम्मानित

जोड़ापोखर (ससे) : मंगलवार को डिगवाडीह स्थित न्यू एंजेल्स होम स्कूल में कक्षा दसवीं के बच्चों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। निदेशक मोहम्मद परवेज अख्तर ने सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दिए।

प्राचार्य मोहम्मद आफताब आलम ने सभी बच्चों को परीक्षा के अंतिम समय में संयम रखकर सिलेबस को रिवाइज करने की सलाह देते हुए कहा जिस तरह माली एक छोटे पौधे की देखभाल अपने बच्चे की तरह करता है और उसे बढ़ाते हुए देखता है, शिक्षक भी अपने बच्चों का भरण पोषण उसी प्रकार करता है और अब उनके फलने फूलने का समय आ गया है, अब यह बच्चे अपने काबिलियत की खुशबू पूरे जाग में बिखेरने के लिए तैयार हैं। समारोह मे कुल १२७ बच्चों को सम्मानित किया गया।

छोटेछोटे बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजीव जैनब, सगिर साइमा, उत्तम, इफ्तेखार, संजय कावेरी, सोनू, विकाश, सुमित और समस्त शिक्षकगण की अहम भूमिका रही।

दिव्यांगों के बीच बैशाखी व व्हीलचेयर का वितरण

धनबाद (कासं) : मायुम धनबाद कोयलांचल शाखा ने अपने दो दिवसीय द्वितीय निःशुल्क दिव्यांग शिविर श्री भगवती जागरण कमिटी शक्तिमंदिर धनबाद के संयुक्त तत्वावधान में श्री भगवान् महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से पंजीकरण के हिसाब से दिव्यंगों की भीड़ एवं जरुरत को देखते हुए शाखा ने शिविर को लगातार तीसरे दिन भी जारी रखने का निर्णय लिया। जिसके तहत ९, १० एवं ११ फ़रवरी को शक्ति मंदिर जोड़ाफाटक, धनबाद में शिविर लगाया गया। जिसमे दूर-दूर से आये दिव्यंगों को हाँथ, पैर, कैंलीपर्स, कान की मशीन, बैशाखी, व्हीलचेयर इत्यादि पुर्णतः निःशुल्क बांटा गया। इस शिविर का उद्घाटन ९ फरवरी को मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र भट्टर, अरुण गुप्ता, अजय तायल, विकाश पटवारी, धनबाद कोयलांचल शाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, शक्ति मंदिर कमिटी अध्यक्ष एसपी सौंधी व अन्य सभी अतिथियों द्वारा लाभार्थियों को सुरेन्द्र भट्टर व अन्य अतिथियों के हाथो व्हीलचेयर, वैशाखी, कान की मशीने बंटवाई गयी और साथ ही हाँथपैर के दिव्यांगों को उनके हाँथपैर की नापी लेकर उन्हें १० एवं ११ फ़रवरी को लगवाया गया।

शिविर को सफल बनाने हेतु मायुम राष्ट्र अध्यक्ष सुरेन्द्र भट्टर, झारखण्ड प्रान्त अध्यक्ष अरुण गुप्ता, महामंत्री सार्थक अग्रवाल, उपाध्यक्ष अजय तायल, सहायक मंत्री विकास पटवारी, प्रांतीय संयोजक सुभाष लिखमानिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीन गोयल, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल, विवेक लिल्हा, धनबाद कोयलांचल शाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक शुभम मित्तल, अंकित कथूरिया, उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी अधिवक्ता, संजय अग्रवाल, सचिव सुनीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राधा कथूरिया व अन्य मंच सदस्य, शक्ति मंदिर कमिटी अध्यक्ष एस पी सौंधी, अरुण कुमार भंडारी, सुरेन्द्र पाल अरोड़ा व अन्य सदस्य, भगवान् महावीर विकलांग सहायता समिति के सदस्य प्रभाष कुमार अग्रवाल, रितेश पटवारी व अन्य सभी सहयोगीगण एवं समाजबंधू उपस्थित रहें।

30 ग्रामीणों के बीच साड़ी शॉल व खाद्य सामग्री वितरित

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल वाशरी डिवीजन में मंगलवार को दीक्षा महिला मंडल के अंतर्गत संचालित आशाकिरण महिला समिति द्वारा एक

सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुगियाडीह गांव के ३० जरूरतमंद लाभार्थियों को साड़ी, शॉल और खाद्य सामग्री का पैकेट वितरित किया गया। इस पहल से स्थानीय लोगों में हर्ष का माहौल है।

इसके अतिरिक्त, वाशरी डिवीजन में एक नवीनीकृत सामुदायिक भवन का भी उद्घाटन किया गया। उद्घाटन दीक्षा महिला मण्डल, बीसीसीएल की अध्यक्षा मिली दत्ता के कर कमलों से उपाध्यक्ष पूर्बिता रमैया एवं अर्चना अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। यह भवन आस-पास के ग्रामीणों के साथसाथ कर्मचारियों के कल्याण के लिए भी उपयोग में लाया जाएगा। इस सामुदायिक भवन के निर्माण से क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर अंजुम नाज, अध्यक्षा, आशा किरण महिला मण्डल, वाशरी डिवीज़न ने बीसीसीएल के सामाजिक दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही।

प्रधान लिपिक के निधन पर शोक की लहर

धनबाद (कासं) : समाहरणालय के पारनयन (ट्रांजिट) शाखा के प्रधान लिपिक स्व. कृष्णेंदु चौधरी के निधन पर मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए २ मिनट का मौन रखकर ईश्वर से शोक संतप्त परिवार के लिए प्रार्थना की गई।

स्व. कृष्णेंदु चौधरी को श्रद्धांजलि देते हुए उपायुक्त ने कहा कि वह एक कर्मठ, अनुशासन प्रिय एवं व्यवहार कुशल व्यक्ति थे। सभी पदाधिकारी एवं सहकर्मियों के साथ उनका संबंध बहुत ही अच्छा था।

शोक सभा में एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, एनडीसी दीपक कुमार दुबे, कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम, रविन्द्र कुमार ठाकुर, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक के अलावा सभी कार्यालय के प्रधान लिपिक व कर्मचारी उपस्थित थे।

उदय प्रताप व दिलीप ने की बाबूलाल मरांडी से मुलाकात

धनबाद (कासं) : मंगलवार को धनबाद विधायक राज सिन्हा, समाजसेवी उदय प्रताप सिंह व युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक दिलीप सिंह ने भाजपा के पूर्व एवं प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से औपचारिक मुलाकात की तथा उन्हें पुष्प गुच्छ देकर व अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। साथ ही झारखंड की वर्तमान राजनीति पर चर्चा किया गया। भाजपा को झारखंड में और मजबूत बनाने की रणनीति तय की गई। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मराण्डी के साथ मुलाकात में हर्ष सिंह, सरोज सिंह, शिव शंकर सिंह, सरवन राय, ऋषि हेलीवाल, राजा तिवारी, अजय पांडे आदि साथ में थे।

मजार पर कब्जा करने की शिकायत

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी।

इसमें धनबाद रेलवे स्टेशन रोड स्थित हिल कॉलोनी के मजार की देखरेख करने वाली कमेटी के सचिव ने मजार पर दबंगों द्वारा जबरन कब्जा करने की शिकायत की। उन्होंने उपायुक्त को बताया कि उपरोक्त संपत्ति वक्फ बोर्ड की है। वक्फ बोर्ड ने इसकी देखरेख के लिए वर्ष २०१७ में एक कमेटी गठित की है। कमिटी द्वारा देखभाल कर वहां विकास कार्य भी किया जा रहा है। परंतु कुछ दबंगों द्वारा कमिटी को दरकिनार कर वहां जबरन कब्जा कर मनमानी की जाती है।

वहीं चरक कला से आई शहीद बीएसएफ जवान की धर्मपत्नी ने अनुकंपा के आधार पर नियोजन देने का आवेदन दिया। निरसा के ग्राम पंचायत उरमा से आए व्यक्ति ने बीमारी का इलाज कराने के लिए सहायता राशि देने, मधुबनी२ से आई महिला ने अबुआ आवास की पहली किस्त नहीं मिलने, परघाबाद सुदामडीह से आए व्यक्ति ने दबंगों द्वारा सरकारी भूमि पर जबरन कब्जा करने, बस्ताकोला से आई महिला ने पेंशन की रुकी राशि जारी करने, बरवाअड्डा, लोहारबरवा से आए व्यक्तियों ने नाली निर्माण करने का आवेदन दिया। उपायुक्त ने सभी आवेदनों का निष्पादन करने के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता अभियान

बलियापुर (ससे) : धनबाद जिला जनसंपर्क विभाग के निर्देश पर कला जत्था की एक टीम ने मंगलवार को क्षेत्र के कई गांवों में बाल श्रम एवं मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान बलियापुर मस्जिद टोला, बलियापुर पूर्वी पंचायत भवन, डांगेपाड़ा समेत कई स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम बाल श्रम एवं मानव तस्करी को गैर कानूनी बताते हुए इसके विरुद्ध लोगों को सचेत रहने की जरूरत बताया। कला जत्था की टीम में सबीना परवीन, रुखसाना परवीन, दमयंती किस्कू, हेमा देवी, किरण पांडेय, मोहम्मद जाहिद, पंकज पंडित, मंटू गुप्ता आदि थे।

BEFORE THE EXECUTIVE MAGISTRATE, DHANBAD

AFFIDAVIT

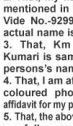

I, KM PRITI, W/o.- Amit Kumar Singh, Aged about-23 Years, by faith-Hindu, by occupation-Housewife, Resident of. Vill.- Karmatand, Hind Nagar, P.O.-Govindpur, P.S.-Govindpur, Dist-Dhanbad, Jharkhand-828109, Aadhar Card Vide No.-9299 8374 3932. do hereby solemnly affirm as under:-

1. That, as per my 10th Secondary Certificate, Roll No.-2730512 and all other's Educational Certificate and some other's documents my name appeared as Km Priti.
2. That, my name Priti Kumari mentioned in my Aadhar Card Vide No.-9299 8374 3932. my actual name is Km Priti.
3. That, Km Priti and Priti Kumari is same, one and only persons's name i.e. myself.
4. That, I am affixing my recent coloured photograph in this affidavit for my proper identification.
5. That, the above given statement are fully correct and genuine to the best of my knowledge and belief.
6. That, I am swearing this affidavit to file for correction of my name Km Priti in place of Priti Kumari in above said Aadhar Card from Concerned authority for needful purpose.

Sl. No 2520 Date. 16/1/25

बीसीसीएल में सीएसआर द रोड अहेड पर कार्यशाला

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल के कोयला नगर स्थित अन्नपूर्णा सभागार में सीएसआर द रोड अहेड विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश के जाने माने विषय विशेषज्ञों को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। विशेष रूप भारत में सीएसआर के जनक के रुप में प्रसिद्ध डॉ. भास्कर चटर्जी इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही विशेष वक्ता के रूप में प्रोफेसर रोहन शर्मा को आमंत्रित किया गया था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया ने की और इस दौरान निदेशक (वित्त) राकेश कुमार सहाय, निदेशक (तकनीकी) योजना एवं परियोजना मनोज कुमार अग्रवाल एवं मुख्य

सतर्कता अधिकारी अमन राज भी मौजूद रहे।

दीप प्रज्ज्वलन और राष्ट्रगान तथा कोल इंडिया कॉरपोरेट गीत के साथ आरंभ कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में स्वागत संबोधन एवं बीज वक्तव्य के रूप में बोलते हुए निदेशक कार्मिक मुरलीकृष्ण रमैया ने बीसीसीएल द्वारा सीएसआर के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास एवं सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतर योगदान दे रहा है, जिससे स्थानीय समुदायों को सीधा लाभ मिल रहा है।

कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में भारत में सीएसआर डॉ. भास्कर चटर्जी ने सीएसआर के संवैधानिक पहलुओं, भारत में अब तक कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की यात्रा एवं सीएसआर अनुपालन के विभिन्न पहलुओं पर गहन प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) आज केवल एक कानूनी अनिवार्यता न होकर कंपनियों की दीर्घकालिक स्थिरता एवं सामाजिक विकास का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है।

द्वितीय तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर रोहन शर्मा ने भविष्य के सीएसआर परिदृश्य एवं प्रभाव आकलन (इम्पैक्ट असेसमेंट) के महत्व पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि सीएसआर की प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए उसके दीर्घकालिक प्रभावों का मूल्यांकन आवश्यक है, जिससे समाज पर सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य को पूर्ण किया जा सके। अंत में प्रतिभागियों की जिज्ञाशाओं और प्रश्नों के समाधान के लिए प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया।

इस अवसर पर सीएसआर विभाग द्वारा कंपनी द्वारा किये जा रहे सीएसआर कार्यों पर एक प्रस्तुति भी दी गयी और सीएसआर विभाग द्वारा सीएसआर नियमों, कानूनों एवं दिशानिर्देशों की संकलन पुस्तिका का भी विमोचन किया गया। प्रतिभागियों के रूप में सभी क्षेत्रों और कोयला भवन मुख्यालय के महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्षों के साथ ही क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन सीएसआर विभाग के विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक (कार्मिक) कुमार मनोज ने किया। संचालन प्रबंधक राजभाषा दिलीप कुमार सिंह, अभिजीत मित्रा एवं समरेज अली ने किया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलजोडर

धनबाद (कासं) : शहर में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने एक बार

फिर कड़ी कार्रवाई की। मंगलवार सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के हटिया मोड़ से विवेकानंद चौक तक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया, जिसमें अस्थाई दुकानों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें हटा दिया गया।

इस बार निगम ने दुकानदारों को कोई पूर्व सूचना नहीं दी थी। जब दुकानदार अपनी दुकानें खोलने पहुंचे, तो उन्होंने वहां बुलडोजर की कार्रवाई होते देखी। मौके पर पहुंचे व्यापारियों ने अपने सामान समेटने की कोशिश की, लेकिन तब तक कई अस्थाई दुकानों को हटा दिया गया था।

इस पूरे अभियान पर जानकारी देते हुए इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि बारबार चेतावनी देने के बावजूद लोग फिर से अतिक्रमण कर रहे थे, जिससे सड़क जाम की समस्या बनी हुई थी। निगम ने शहर में सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया है। यह पहली बार नहीं है जब इस इलाके में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। इससे पहले भी कई बार अवैध दुकानों को हटाया गया, लेकिन हर बार लोग दोबारा दुकानें लगा लेते हैं। अब नगर निगम ने इस जगह पर स्थायी दुकानें बनाकर आवंटित करने की योजना बनाई है, ताकि सरकारी राजस्व में वृद्धि हो और व्यापारियों को अधिकृत दुकानें मिल सके।

निगम की इस अचानक हुई कार्रवाई से स्थानीय व्यापारियों में नाराजगी है। उनका कहना है कि बिना सूचना के की गई कार्रवाई से उन्हें भारी नुकसान हुआ है। वहीं, प्रशासन का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शहर को जाम मुक्त करने के लिए यह अभियान जारी रहेगा।

तिलका माँझी की मनाई गई जयंती

राजगंज (ससे) : कांको मोड़ में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा धनबाद जिला समिति द्वारा आहूत व वरीय नेता रतिलाल टुडू की अगुवाई में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी अमर बलिदानी बाबा तिलका माँझी के २७५ वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आज एक श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता शिबू मांझी ने व संचालन प्रफुल्ल मंडल ने किया। वहीं जिला संयोजक मण्डली के सदस्यों व आगन्तुक सभी अतिथियों ने कांको मोड़ पर अवस्थित बाबा तिलका मांझी के आदम कद प्रतिमा पर पुष्प माला पहनाकर कर उनको नमन किया। वक्ताओं ने कहा बाबा तिलका मांझी संथाल समुदाय के पहले आदिवासी नेता थे। इन्हें इतिहास के पन्नों में वो सम्मान नहीं मिला जो दूसरे स्वतंत्रता सेनानियों को मिला। जिसे लेकर संथाली समाज के लोग आज भी अपने आप को छला हुआ महसूस करते हैं। इस सभा मे प्रमुख रूप से लखी सोरेन, मन्नू आलम, डॉ नीलम मिश्रा,रमेश टुडू, अल्लाउद्दीन अंसारी, जम्मू महतो, मीणा हेम्ब्रम, रंजीत महतो, मंटू चौहान, अमित महतो, शिवप्रसाद महतो, प्रफुल मंडल, अमीर खान, बिरजू सोरेन, उमेश, राजेन्द्र प्रसाद राजा, मानस टुडू, प्रवीण लाला, अनिल टुडू, बसंत महतो, सनातन सोरेन, कंचन महतो, शिबू माँझी, अताउर अन्सारी, महाबीर हँसदा,सहजाद अन्सारी, डब्लू बसकी, मुन्ना सिद्दीकी, रितिक सिंह, लखन लाल टुडू, दिलीप हेम्ब्रम, राज आनंद सिंह, सहजाद आलम, बाबुजन टुडू आदि कई गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

नगर निकायों के लिए टैक्स वसूली बनी बड़ी चुनौती

धनबाद (कासं) : राज्य के ४७ नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों के लिए वित्तीय वर्ष २०२४२५ में ५९२ करोड़ ९० लाख ५१६ रुपये संपत्ति कर वसूलने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन अब तक मात्र १०४ करोड़ ९१ लाख ८९ हजार ४५५ रुपये की ही वसूली हो पाई है। वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब सिर्फ डेढ़ महीने का समय बचा है, ऐसे में ४९२ करोड़ ६२ लाख ६७ हजार ५९० रुपये की वसूली करना नगर निकायों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

नगर निकायों में सबसे अधिक बकाया धनबाद नगर निगम पर है, जहां ३६७ करोड़ १५ लाख ७ हजार ७८३ रुपये की राशि वसूली

जानी है। इसके अलावा, हजारीबाग (८९.३१ करोड़), देवघर (१०४.४० करोड़), गिरिडीह (७२.९४ करोड़), और चाईबासा (७६.३२ करोड़) जैसे नगर निकायों में भी बड़ी रकम बकाया है। अन्य नगर निकायों पर बकाया राशि इस प्रकार है। आदित्यपुर: ८.२९ करोड़, बासुकीनाथ: ४५.६१ लाख, बोकारो: १.६८ करोड़, दुमका : १.६१ करोड़, गिरिडीह : ७२.९४ करोड़, गोड्डा : १.४६ करोड़, चतरा : २.०८ करोड़, रामगढ़ : ४.२५ करोड़,.लोहरदगा : १.५५ करोड़, मेदिनीनगर : ७.०७ करोड़, साहिबगंज : १.५९ करोड़, कोडरमा : २.७० करोड़, पाकुड़ : १.२६ करोड़, गुमला : १.५६ करोड़ है।

नगर निकायों को कर वसूली में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों में कर चुकाने को लेकर उदासीनता, प्रशासनिक लापरवाही और वसूली तंत्र की कमजोरियों के चलते अब तक लक्ष्य का बड़ा हिस्सा बाकी है। यदि समय रहते यह टैक्स नहीं वसूला गया, तो नगर निकायों की वित्तीय स्थिति और बिगड़ सकती है, जिससे विकास कार्यों पर असर पड़ने की संभावना है।

गोपालीचक में अखण्ड हरिकीर्तन की पूर्णाहुति

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के गोपालीचक स्थित श्री श्री बजरंगबली मंदिर का २६वां दो दिवसीय वार्षिक महोत्सव के साथ प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गोपालीचक दो नं. में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्री बजरंगबली पूजार्चना के साथ २४ घण्टे का अखण्ड हरिकीर्तन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आचार्य राजू पांडेय के द्वारा पुरे विधिविधान के साथ वैदिक पूजन के साथ सोमवार को सुबह १० बजे से अखण्ड अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। मंगलवार को हवन के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम में सांध्य ७ बजे से भंडारा एवं समापन के दिन दोपहर १२ बजे से खिचड़ी महा भोग का प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह, अध्यक्ष ग्रामीण एकता मंच, अनिल सिंह, राजेश भारती, नरेश भारती, कमलेश तिवारी, उदय तिवारी, भोला ठाकुर, उत्पल झा, रमेश सिंह, गोपाल, नागेश्वर चौधरी, विकाश चौधरी, बिनोद सिंह, रवि कुमार आदि का अहम् योगदान रहा।

हर्ल सिंदरी में लगा यक्ष्मा शिविर

सिन्द्री (ससे) : हर्ल सिंदरी के द्वारा १०० दिन यक्ष्मा कम्पेनिंग के तहत शिविर लगाया गया। जिसमें हर्ल के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं मजदूर उपस्थित हुए। ५० मजदूर का टीबी स्क्रीनिंग किया गया। साथ में शपथ ली गई कि अपने जीवन काल में क्षय रोग समाप्त करने, टीवी को स्वयं एवं अपने परिवार व सहकर्मी और पड़ोसी को बचाने, लोगों को खांसने के तरीका का पालन करने के लिए प्रेरित करने तथा अपने गांव, प्रखंड, अपने जिला अपने राज्य एवं अपने देश को टीबी मुक्त बनाने की शपथ दिलाई गयी, जिसमें डब्ल्यूएचओ डाक्टर बी. सुदर्शन, डाउट प्लस सुपरवाइजर सह चेयरमैन भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी कौशलेंद्र कुमार सिंह, एसटीएलएस नौशाद आलम, टीवीएचवी तनवीर आलम तथा हर्ल के प्लांट मैनेजर सुरेश प्रमाणिक, चिकित्सक डॉक्टर जयेश प्रसाद समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। शिविर का उद्घाटन हर्ल के परियोजना प्रमुख सुरेश प्रमाणिक, डॉक्टर बी सुदर्शन एवं भारतीय रेड क्रॉस समिति के चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह के द्वारा किया गया।

जेपी हॉस्पिटल यूनिट 2 का बाबूलाल मरांडी ने किया उद्घाटन

धनबाद (कासं) : मंगलवार को जेपी हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर का उद्घाटन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फीता काटकर किया। वही निरसा स्थित जशपुर पंचायत के बथानडंगा में बाबूलाल मरांडी के पहुंचते ही अस्पताल प्रबंधक ने उनका जोरदार स्वागत मुकुट पहना, शॉल ओढ़ाकर एवं चित्र भेंट कर किया।

मौके पर बाबूलाल मरांडी के साथ धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, निरसा की पूर्व विधायक अपर्णा सेनगुप्ता, भाजपा नेता मन्नू तिवारी, अस्पताल के चेयरमैन प्रदीप मंडल, प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल, गणेश मिश्रा आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वही बाबूलाल मरांडी ने मंच

को संबोधित करते हुए कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में चमचमाता हुआ अस्पताल क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए काफी कारगर साबित होगा। अस्पताल के प्रबंध निदेशक नित्यानंद मंडल ने कहा कि निरसा के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में अस्पताल की बुनियाद इस उद्देश्य के तहत किया गया कि ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे लोगों को मेडिकल की जरूरी सुविधा उपलब्ध हो सकें।

श्री मंडल ने कहा कि कम खर्च में बेहतर इलाज दे सकें। इसी के तहत अस्पताल की नींव रखी गई है। उन्होंने कहा कि सभी सर्जरी का रेट चार्ट अस्पताल के बाहर लगा दिया गया है ताकि आम लोगों को दिक्कत ना हो। वही उन्होंने कहा कि १० किलोमीटर के दायरे में रहने वाले ग्रामीणों के लिए एंबुलेंस की मुफ्त सुविधा उपलब्ध रहेगी।

हनुमान चालीसा पाठ का समापन

गोविंदपुर (ससे) : श्री सिद्ध हनुमान मंदिर गोविंदपुर का चार दिवसीय ३०वां वार्षिकोत्सव मंगलवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान जय हनुमान ज्ञान गुण सागर, जय कपीस तिहुं लोक उजागर।

राम दूत अतुलित बल धामा, अंजनि पुत्र पवनसुत नामा। महावीर विक्रम बजरंगी, कुमति निवार सुमति के संगी आदि दोहों से माहौल भक्ति में गे गया चार दिवसीय अनुष्ठान के दौरान सामूहिक रामायण पाठ, सामूहिक सुंदरकांड पाठ, भजन कीर्तन आदि आयोजन हुए। श्री स्वामी आत्म प्रकाश रामायण भवन ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय भजन गायक बुलबुल केजरीवाल, पंकज मोदी, पंकज सांबरिया, समय मधुर आदि ने एक से एक भजन प्रस्तुत कर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। भंडारा में बड़ी संख्या में लोगों ने महाप्रसाद पाया। इस आयोजन को सफल बनाने में रामायण भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष शंभू नाथ अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल, पवन लोधा, किशन अग्रवाल, रामप्रसाद अग्रवाल, विजय अग्रवाल, राजकुमार तायल, राजेंद्र बंसल, अनिल अग्रवाल, सुरेश सरिया, नंदलाल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, बलराम अग्रवाल, कमल अग्रवाल, संतोष लोधा, ओमप्रकाश बजाज, सुनील सरिया समेत सभी भक्तों का योगदान रहा।

परियोजना बंद होने के बाद प्रबंधन ने की रैयतों से वार्ता

जोड़ापोखर (ससे) : ओबी डंपिंग को खाली जगह नहीं रहने के चलते सुशी आउटसोर्सिंग

परियोजना को बंद कर देने के बाद बीसीसीएल प्रबंधन के निर्देश पर लोदना क्षेत्रीय प्रबंधन परियोजना को चालू कराने को रेस हो गई है।

क्षेत्रीय प्रबंधन ने मंगलवार की शाम को डुमरियाटांड़ मौजा के रैयतों के साथ क्षेत्रीय कार्यालय में समझौता वार्ता किया। वार्ता में जीएम निर्झर चक्रवर्ती ने रैयतों से कहा कि डुमरियाटांड़ मौजा में जहां भी रैयतों की जमीन है उसके रैयत अपनीअपनी जमीन की पुख्ता कागज को वंशावली के साथ उनके कार्यालय में जमा करें। जमीन के पर्याप्त कागजात होने के बाद दो एकड़ वाले रैयत को आरआर नियमावली के तहत नियोजन और मुआवजा तथा दो एकड़ से कम जमीन वाले को नया रेट से मुआवजा दो महीने के अंदर दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही जीएम ने ग्रामीणों के विस्थापन की स्थिति उत्पन्न होने पर विस्थापितों को ससम्मान विस्थापन कराने का भी आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने प्रबंधन से परियोजना से होनेवाली प्रदुषण नियंत्रण को जल छिड़काव कराने तथा मुहल्ले में पिट वाटर की व्यवस्था कराने की मांग किया है।

मालूम हो कि जयरामपुर सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना का संचालन बरारी कोलियरी में बृहद पैमाने पर की जा रही है। परियोजना की मलवे को फेंकने को जमीन खाली नहीं रहने के कारण आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने सोमवार से परियोजना को अगले आदेश तक बंद कर दिया है। परियोजना के भूलन बरारी कोलियरी क्षेत्र के डुमरियाटांड़ में पिछले दिनों खाली पड़ी जमीन पर ओबी गिराने को डोजरिंग किए जा रही कार्य को ग्रामीणों ने उक्त जमीन को रैयती बता कर विरोध प्रदर्शन कर रोक दिया था।

प्रबंधन के पास ओबी डंपिंग को अब डुमरियाटांड़ की जमीन का अधिग्रहण करना मजबूरी बन गया है। ज्ञात हो कि आउटसोर्सिंग परियोजना के बंद होने से रोजाना ५ हजार टन कोयला उत्पादन तथा ५० हजार क्यूबिक मीटर ओबी उत्पादन प्रभावित होने से प्रबंधन का होश पाख्ता हो गया है। वार्ता में एजीएम परवेज आलम, पीओ एके पांडेय, प्रबंधक एस सील आदि थे।

छात्रछात्राओं को दी गई विदाई

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद हटिया बाजार स्थित आंबेडकर एकाडमी स्कूल में मंगलवार को दसवीं कक्षा तथा १२वीं कक्षा के छात्रछात्राओं को भावभीनी विदाई दी गई। एकाडेमी स्कूल के १०वीं व १२वीं के छात्र-छात्राओं को स्कूल के बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम के साथ विदाई दी गई। स्कूल के प्राचार्य बिनोद रस्तोगी के द्वारा बच्चों को गिफ्ट व फूल देकर

सम्मानित किया गया।

प्राचार्य रस्तोगी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य है। इन्हे अपने भविष्य के लिए तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर विनोद रस्तोगी, सुनीता रावत, कामिनी भंडारी, सुनील कुमार, रंजीत राजवंशी, जगतार सिंह, सपन सरकार, चैताली दत्ता, रितिका रावत, आलोक कुमार, पूजा कुमारी, खुशी कुमारी, शाइस्ता परवीन आदि उपस्थित थे।

चोरी की तीन बाइक के साथ दो युवक गिरफ्तार

भूली (कासं) : भूली में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान चोरी गई तीन बाइक के साथ दो युवकों को दबोच लिया। यह जानकारी भूली ओपी प्रभारी

अर्णव कुमार ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि एसएसपी के निर्देश पर भूली मोड़ पर पुलिस वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। तभी पुलिस को देख ब्लू कलर की बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक पर सवार दो युवक भागने लगे। शक होने पर गश्ती दल ने उनका पीछा किया और खदेड़ कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। दोनों को थाना लाकर पूछताछ की गई। पहले तो युवकों ने बरगलाने का प्रयास किया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उनमें से एक फरीद खान ने बताया कि यह बाइक चोरी की है। युवकों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की एक लाल रंग की ग्लैमर बाइक व एक स्कूटी को बरामद किया है। गिरफ्तार फरीद खान और उसके दोस्त को मंगलवार को जेल भेज दिया गया।

ईकेवाईसी नहीं हुआ तो कट जाएगा राशन कार्ड से नाम

धनबाद (कासं) : झारखंड में राशन का लाभ उठा रहे कार्ड धारियों के लिए जरूरी खबर है। सभी कार्डधारियों को इस माह के अंत तक राशन कार्ड का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। नहीं तो स्वतः राशन कार्ड से नाम हट जाएगा। खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से सभी जिलों के संबंधित अधिकारियों को एक निर्देश जारी किया गया है। इसमें कहा गया कि सभी जिलों के आपूर्ति पदाधिकारी राशन कार्डधारियों का २८ फरवरी तक ईकेवाईसी अनिवार्य रूप से करा लें। इसके साथ ही कहा गया है कि जिन लाभुकों का आधार राशनकार्ड में दर्ज नहीं है वे जल्द राशनकार्ड से अपना आधार दर्ज कर लें, नहीं तो ०१ अप्रैल २०२५ के बाद

स्वतः राशन कार्ड से नाम हट सकता है।

विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि सभी जिलों के उपायुक्तों को विशेष कैम्प आयोजित कर २८ फरवरी तक राशन कार्ड लाभुकों का लंबित आधार सीडिंग और मोबाइल सीडिंग का कार्य पूरा किया जाए। साथ ही ग्रीन राशन कार्ड, मुख्यमंत्री दालभात योजना आदि की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिये गये हैं। इसके अलावा आपूर्ति पदाधिकारियों से आधार सीडिंग, मोबाइल नंबर सीडिंग और पीवीटीजी डाकिया योजना, खाद्यान्न आपूर्ति को लेकर प्रखंडवार रिपोर्ट मांगी गयी है। खाद्यान्न भंडारण के लिए बनाये गये गोदाम के संबंध में भी जानकारी मांगी गयी है।

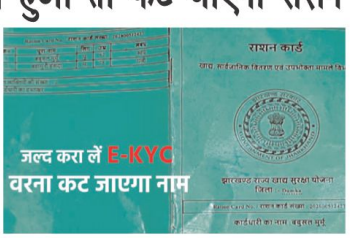

दरअसल, मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना की छठी किस्त का इंतजार लाभार्थियों को है। किस्त भेजने की तिथि बीत चुकी है। ऐसे में लाभार्थियों में निराशा भी दिखाई दे रही है। किस्त न मिलने के पीछे की वजह साफ है कि लाभार्थी का सत्यापन नहीं हो पाया है। सभी की जांच की जा रही है, जिसके कारण लाभार्थी को किस्त मिलने में देरी हो रही है। अब सभी का सत्यापन करने के लिए बड़े पैमाने पर कैम्प लगाए जा रहे हैं और राशन कार्डों की ई-केवाईसी की जा रही है। जिसके बाद सब कुछ सामान्य होगा और लाभार्थी के खाते में पैसा पहुंचेगा।

मोटरसाइकिल की चोरी, पुलिस में शिकायत

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर से अज्ञात अपराधियों ने मंगलवार को जनसेवक अनिल कुमार चौधरी की मोटरसाइकिल चुरा ली। प्रखंड कार्यालय पहुंचने के बाद श्री चौधरी ने हर दिन की तरह मंगलवार को भी काले रंग की हौंडा शाइन मोटरसाइकिल संख्या जेएच १० बीएम ०९१७ को कार्यालय के बाहर खड़ी की थी। छुट्टी के बाद शाम में जब वह कार्यालय से बाहर आए तो मोटरसाइकिल गायब थी। काफी खोजबीन के बाद भी मोटरसाइकिल का पता नहीं चला। इस संबंध में उन्होंने गोविंदपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। हमेशा भीड़भाड़ एवं गहमागहमी रहने वाले प्रखंड मुख्यालय से मोटरसाइकिल चोरी की घटना से प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कर्मी सहमे हुए हैं।

लोयाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद पोस्ट ऑफिस के समीप मंगलवार को लोयाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स के बैनरतले एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में लोयाबाद थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार उपस्थित थे। बैठक में दुकानदारों की समस्याओं और सुरक्षा पर लोयाबाद चम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों के साथ चर्चा हुआ। चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों ने लगातार हो रही चोरी को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। बैठक में लोयाबाद थाना क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर विशेष चर्चा की गइ। मौके पर लोयाबाद चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स के पदाधिकारियों सहित सदस्य उपस्थित थे।

संपादकीय

'फ्री की राजनीति' पर जनता का फैसला, दिल्ली का रुख बदला

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे अप्रत्याशित नहीं कहे जा सकते। यह चुनाव शुरू से दो-ध्रुवीय था। भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सीधी टक्कर थी। कांग्रेस ने जरूर दावेदारी की थी, मगर जैसे-जैसे चुनाव की सरगर्मी बढ़ती गई, उसे अहसास होने लगा था कि वह मुकाबले में नहीं है। इसका नतीजा यह हुआ कि उसे शिथिलता ने घेर लिया। भाजपा लंबे समय से आम आदमी पार्टी की कमजोरियों और अनियमितताओं को उजागर करती आ रही थी। इस तरह वह लोगों के मन में सत्ताविरोधी लहर पैदा करने में कामयाब भी हुई। हालांकि तमाम सर्वेक्षणों से यही पता चल रहा था कि दिल्ली की बड़ी आबादी आम आदमी पार्टी सरकार से बहुत नाखुश नहीं थी, मगर उनमें से काफी लोग इस बार बदलाव चाहते थे। आम आदमी पार्टी की साख को सबसे अधिक नुकसान कथित शराब घोटाले की वजह से हुआ।

इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जेल जाना पड़ा था। पार्टी लगातार दलील देती रही कि उसके नेताओं को झूठे आरोप में फंसाया गया है, मगर वह लोगों के गले नहीं उतरी। उन्होंने दागी नेताओं को शिकस्त दी। इन नतीजों से यह भी जाहिर हुआ है कि भाजपा के काम पर लोगों का भरोसा कमजोर नहीं हुआ है।

हालांकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार मुद्दों से अधिक मुफ्त की योजनाओं का शोर सुनाई दिया। आम आदमी पार्टी सरकार पहले से मुफ्त बिजली-पानी और शिक्षा-स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ लोगों को पहुंचा रही थी। इसे लेकर बहुत सारे लोगों के मन में एक आकर्षण

बना हुआ था। फिर सरकार ने चुनाव से ऐन पहले घोषणा कर दी कि वह हर महिला को इक्कीस सौ रुपए हर महीने देगी। इसके लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिया। इसके जवाब में भाजपा ने ढाई हजार रुपए हर महीने देने की घोषणा कर दी। फिर यह भी भरोसा दिलाया कि जो योजनाएं पहले से चल रही हैं, अगर उसकी सरकार बनी तो, उन्हें बंद नहीं किया जाएगा।

इस वादे पर लोगों ने भरोसा किया। दूसरे कुछ राज्यों में भी भाजपा महिलाओं के लिए नगद राशि देने की योजनाएं चला रही है। जबकि पहले भाजपा खुद दिल्ली सरकार की मुफ्त की योजनाओं की मुखर आलोचना करती थी, मगर चुनाव आते ही उसने भी आम आदमी पार्टी को उसी के दांव से पटखनी देने का फैसला कर लिया और उसमें उसे कामयाबी भी मिली।

दिल्ली सरकार के पास शासन क्षेत्र सीमित है, उसे केंद्र के साथ तालमेल बिठा कर ही विकास योजनाओं पर आगे कदम बढ़ाना होता है। आम आदमी पार्टी सरकार और केंद्र के बीच शुरू से तनातनी बनी हुई थी, जिसके बीच अपने अधिकारों को लेकर कई बार केजरीवाल सरकार को अदालत तक का दरवाजा खटखटाना पड़ा। उपराज्यपाल से उनके रिश्ते कभी समरस नहीं रहे। ऐसे में भाजपा की सरकार बनने के बाद वह खींचतान समाप्त हो जाएगी और उम्मीद बनी है कि कुछ बेहतर और उल्लेखनीय काम हो सकेंगे। मगर नई सरकार के सामने चुनौतियां भी कम न होंगी। आम आदमी पार्टी सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जो काम किए हैं, उससे बेहतर काम करके दिखाना होगा। फिर शहर की साफ-सफाई, जलभराव आदि जैसी समस्याओं से निपटना हर वर्ष की चुनौती है। नगर निगम के साथ किस तरह तालमेल बिठा कर वह इन मसलों को हल करने का प्रयास करेगी, उसी आधार पर उसका जनाधार मजबूत हो सकता है।

घरेलू हिंसा कानून का दुरुपयोग, नाहक आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- बेगुनाहों को न फंसाएं

इसमें कोई दोराय नहीं कि महिलाओं को घरेलू हिंसा और अन्य प्रकार के उत्पीड़न से बचाने के लिए जो कानून बने हैं, वे अपने उद्देश्य और प्रभाव के स्तर पर वास्तव में लागू होने चाहिए। मगर इन कानूनों के पालन के साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है कि जाने या अनजाने इस कानून का किसी रूप में दुरुपयोग न हो। विडंबना यह है कि कई बार कानूनों का इस्तेमाल मुख्य आरोपी के साथ ही ऐसे लोगों पर भी कर दिया जाता है, जो संबंधित मामले में भागीदार नहीं होते। ऐसे मामलों में अगर किन्हीं वजहों से ऐसे आरोप गलत साबित होते हैं, तो न केवल पीड़ित को असुविधाजनक स्थिति का सामना करना पड़ता है, बल्कि कानूनों के बेजा इस्तेमाल का सवाल भी उठता है। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा के मामलों से अत्यंत संवेदनशीलता के साथ निपटने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि किसी आरोपी के परिवार के सदस्यों को आपराधिक मामले में विशिष्ट आरोप के बिना व्यापक रूप से नहीं घसीटा जा सकता। महिलाओं के उत्पीड़न की रोकथाम के लिए बने कानूनों का मकसद समाज में महिलाओं के खिलाफ कई स्तर पर पलने वाले हिंसक रवैये से उन्हें सुरक्षा देना है। अगर किन्हीं हालात में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न की घटना होती है और पीड़ित उन्हीं कानूनों का सहारा लेकर न्याय की मांग करती है, तो यह स्वाभाविक है। लेकिन अगर इस क्रम में कठघरे में वैसे लोग भी आ जाएं, जिनकी कोई भूमिका न हो, तो ऐसे में कानूनों के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठते हैं। उत्पीड़न के समय पीड़ित को बचाने के लिए आगे न आने पर संवेदनशीलता, मानवीयता और जिम्मेदारी के सवाल उठाए जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए किसी को कानून के कठघरे में खड़ा करने की मंशा को उचित नहीं कहा जा सकता। हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सामाजिक पूर्वाग्रहों की वजह से कई बार ऐसे हालात पैदा होते हैं, जिनकी शिकार महिलाएं होती हैं। ऐसे में कानून का सहारा लेने के मामले में ईमानदारी के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी अहम है।

आज का कार्टून

ग्लोबल वार्मिंग से जीडीपी को भी खतरा!

जलवायु के प्रति सबसे संवेदनशील देशों में से एक भारत को अपनी कृषि, जल सुरक्षा और शहरी लचीलेपन के लिए गंभीर खतरों का सामना करना पड़ रहा है. बढ़ते तापमान और बदलते मौसम के कारण पहले से ही फसल की पैदावार में गिरावट आ रही है. खाद्य सुरक्षा को खतरा है और पानी की कमी बढ़ रही है. इन जलवायु प्रभावों का खामियाजा सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों को उठाना पड़ रहा है, जिसमें छोटे किसान, प्रवासी श्रमिक और पारिस्थितिकी रूप से कमजोर क्षेत्रों में रहने वाले लोग शामिल हैं. आजीविका की सुरक्षा और दीर्घकालिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए एक अधिक संतुलित दृष्टिकोण-जिसमें शमन और अनुकूलन पर समान जोर दिया जाता है वो आवश्यक है.

अपर्णा राय

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को अपने बजट आवंटन में मामूली 2.47प्रतिशत की वृद्धि मिली है. औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन, जलवायु अनुकूलन और पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए धन की कमी होगी. हालांकि सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ता खर्च स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने का संकेत देता है. लेकिन, यह बजट भारत के जलवायु एजेंडे के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाने में विफल दिख रहा है.

जलवायु संकट से जीडीपी को नुकसान: भारत ने महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्य निर्धारित किए हैं, जिसका लक्ष्य 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन और 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता में 50त की कमी लाना है. इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ-साथ विकसित भारत के लिए लचीली और समावेशी विकास रणनीतियों को अपनाना होगा. यदि जलवायु जोखिम कम नहीं किये गये तो भारत को जलवायु संकट के कारण 2070 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद का 24.7त कम होने की आशंका है.

अमेरिका के बाद भारत की भूमिका बढ़ी: संयुक्त राज्य अमेरिका के पेरिस समझौते से बाहर आने की घोषणा के बाद, दुनिया तेजी से भारत को वैश्विक जलवायु नेता के रूप में देख रहा है. हालांकि, जलवायु परिवर्तन पर रोक को लेकर भारत का मौजूदा बजट उम्मीदों से कम है. महत्वपूर्ण जलवायु क्षेत्रों के लिए न्यूनतम बजटीय सहायता के साथ, भारत अपने जलवायु कार्रवाई प्रयासों को सार्थक रूप से कैसे आगे बढ़ा सकता है? जलवायु संतुलन को बनाये रखने के लिए कौन-कौन से संरचनात्मक और रणनीतिक ढांचे को लागू किया जाना चाहिए?

नीति निर्माण में बदलाव की जरूरत: सबसे पहले, भारत को नीति निर्माण में सार्थक बदलाव की आवश्यकता है. जिसके लिए विकास को मापने के तरीके को फिर से परिभाषित करना होगा. भारत के सामने मौजूद मूलभूत चुनौतियों में से एक जलवायु नीतियों और आर्थिक रणनीतियों के बीच एकीकरण की कमी है. बजट बुनियादी ढांचे के विस्तार और औद्योगिक निवेश द्वारा संचालित आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता के बीच चल रहे संघर्ष को उजागर करता है. जलवायु संतुलन बनाये रखने के लिए सरकार की घोषणाएं, आर्थिक विकास पर की गई घोषणाओं से अलग हैं. जिससे दोनों के बीच विरोधाभास बना हुआ है. दृष्टिकोण में बदलाव जरूरी है.

जीडीपी पर निर्भरता कम हो: जलवायु संतुलन के लिए की जा रही पहल को आर्थिक बाधा के रूप में नहीं बल्कि विकास गुणक के रूप में देखा जाना चाहिए. भारत को आर्थिक प्रगति के प्राथमिक संकेतक के रूप में जीडीपी पर निर्भरता से आगे बढ़ना चाहिए. एक अधिक व्यापक ढांचा जिसमें कार्बन तीव्रता, संसाधन दक्षता और जलवायु लचीलापन जैसे स्थिरता मीट्रिक शामिल हैं. दीर्घकालिक विकास की एक स्पष्ट तस्वीर प्रदान करेगा. भारत को अपनी आर्थिक योजना में स्थिरता को शामिल करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विकास पर्यावरणीय और सामाजिक गिरावट की कीमत पर न हो.

ब्लूप्रिंट का अभाव: दूसरा, बजट में बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करने से इस असंगत दृष्टिकोण को और उजागर किया गया है. पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित 11.5 लाख करोड़ रुपये के साथ, सरकार ने भारत के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है. हालांकि, इस खर्च में जलवायु-लचीले ब्लूप्रिंट का अभाव है. आज शुरू की गई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं आने वाले दशकों के लिए भारत के विकास पथ को आकार देंगी, जिनमें से कई के 2050 से आगे तक चलने की उम्मीद है. एक ऐसा समय जब जलवायु जोखिम तीव्र होने का अनुमान है, बुनियादी ढांचे की योजना में जलवायु लचीलापन को एकीकृत किए बिना, ये परियोजनाएँ कमज़ोरियों को कम करने के बजाय उन्हें और गहरा कर सकती हैं.

जलवायु परिवर्तन से संकट का आकलन: भारत के बुनियादी ढांचे के विस्तार में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक जोखिमों को ध्यान में रखना चाहिए. बड़े पैमाने की परियोजनाओं के कारण अक्सर विस्थापन, भूमि की हानि और आजीविका संबंधी चुनौतियां पैदा होती हैं, जो विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों को प्रभावित करती हैं. फिर भी, बजट में इन प्रभावों को कम करने की रणनीतियों की रूपरेखा नहीं दी गई है. सार्वजनिक निवेश योजना में जलवायु जोखिम आकलन की अनुपस्थिति एक स्पष्ट चूक बनी हुई है. जैसे-जैसे भारत अपने भविष्य के शहरों, राजमार्गों और ऊर्जा ग्रिडों का निर्माण कर रहा है, इन परियोजनाओं में स्थिरता को मुख्यधारा में लाना अनिवार्य है.

इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा: तीसरा, बजट में एक महत्वपूर्ण कमी यह है कि इसमें अनुकूलन की कीमत पर शमन पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है. जबकि सौर क्षेत्र और इलेक्ट्रिक वाहनों में निवेश भारत के कम कार्बन संक्रमण लक्ष्यों के अनुरूप है, अनुकूलन उपायों पर कम ध्यान दिया जाता है. जैव विविधता संरक्षण के लिए वित्तपोषण स्थिर हो गया है, और तटीय लचीलेपन के लिए आवंटन- जो बढ़ते समुद्री स्तरों के प्रति भारत की भेद्यता को देखते हुए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है में कमी आई है. जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष जिसे अनुकूलन प्रयासों का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है. अभी भी कम वित्तपोषित है, जिससे कमजोर समुदायों की रक्षा करने की क्षमता सीमित है.

फसल की पैदावार में गिरावट: जलवायु के प्रति सबसे संवेदनशील देशों में से एक भारत को अपनी कृषि, जल सुरक्षा और शहरी लचीलेपन के लिए गंभीर खतरों का सामना करना पड़ रहा है. बढ़ते तापमान और बदलते मौसम के कारण पहले से ही फसल की पैदावार में गिरावट आ रही है. खाद्य सुरक्षा को खतरा है और पानी की कमी बढ़ रही है. इन जलवायु प्रभावों का खामियाजा सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूहों को उठाना पड़ रहा है, जिसमें छोटे किसान, प्रवासी श्रमिक और पारिस्थितिकी रूप से कमजोर क्षेत्रों में रहने वाले लोग शामिल हैं. आजीविका की सुरक्षा और दीर्घकालिक लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए एक अधिक संतुलित दृष्टिकोण-जिसमें शमन और अनुकूलन पर समान जोर दिया जाता है वो आवश्यक है.

पर्यावरण लाभ वाली परियोजना: चौथा, मौजूदा जलवायु वित्त ढांचे की एक बड़ी कमजोरी अस्थिर निजी निवेशों पर इसकी अत्यधिक निर्भरता है. बजट इस चुनौती से निपटने के लिए बहुत कम करता है. बड़े पैमाने पर जलवायु वित्त जुटाने के लिए, भारत को एक मजबूत विनियामक ढांचा लागू करना चाहिए जो जलवायु-केंद्रित परियोजनाओं में सार्वजनिक और निजी दोनों तरह की पूंजी को आकर्षित करे. एक टिकाऊ वित्त वर्गीकरण की स्थापना, सख्त प्रकटीकरण मानदंडों के साथ, निवेशकों के लिए बहुत जरूरी स्पष्टता प्रदान करेगी. यह सुनिश्चित करेगी कि पूंजी ठोस पर्यावरणीय लाभ वाली परियोजनाओं की ओर प्रवाहित हो.

बजट आवंटन बढ़ाये जाने की जरूरत: भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के लिए बजट आवंटन बढ़ाये जाने की जरूरत है. जलवायु लचीलापन और सतत विकास हासिल करने के लिए संरचनात्मक नीतिगत बदलाव, विकास योजना में जलवायु कार्रवाई का एकीकरण और शमन, अनुकूलन और वित्त के बीच एक संतुलन की जरूरत है. इन उपायों के बिना, महत्वाकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच की खाई को पाटना एक कठिन लड़ाई बनी रहेगी.

बार-बार अवकाश से बिगड़ता है सीखने का लय

बुनियाद को हम मजबूत तभी कर सकते हैं, जब बच्चों की पढ़ाई के अवसरों को चिंताजनक होने से बचाएं। एक बात और ध्यान में आती है कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के एकीकरण से रोज होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान भी स्कूलों की छुट्टियां करनी पड़ती है। अनेक बार कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी के चलते लंबे समय तक बच्चों की पढ़ाई ठप हो जाती है। सच यह है कि स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की कमी देश भर में एक बड़ी समस्या है। इसकी वजह से देश की शिक्षा व्यवस्था और शैक्षिक गुणवत्ता जिस स्तर पर प्रभावित होती है, उसे लेकर कई बार सवाल उठाए गए हैं। लेकिन इस व्यापक समस्या को दूर करना शायद ही किसी सरकार को प्राथमिक और जरूरी लगता है।

राजेंद्र जोशी

लोकतंत्र में सरकार के बनाए गए नियमों से ही जनता को चलना होता हैं। सरकार के नियमों से जीवनयापन की जिम्मेदारी लोक उठाता है। मगर सरकार जब नियम-कानून- कायदे बनाती है, तब उससे हर वर्ग और हर विभाग के लिए उसके अनुरूप कानून और कायदे बनाए जाने की अपेक्षा रहती हैं। विडंबना यह है कि शिक्षा और स्थानीय निकायों को एक ही लकड़ी से हांकने की कोशिश हो रही है। आमतौर पर सरकार में बैठे नौकरशाहों को संबंधित क्षेत्र में हर विषय का विशेषज्ञ माना जाता है।

मगर सच यह है कि लोक के प्रतिनिधि जब तंत्र में आते हैं तो उन्हें यह देखना चाहिए कि शिक्षा से संबंधित निर्णय अभिभावकों और शिक्षाविदों की सलाह से लिए जाएं। इसके बाद शैक्षणिक सत्र या 'कैलेंडर' क्षेत्र विशेष के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। देश के अलग-अलग राज्यों में एक ही समय में मौसम का तापमान अलग रहता है। वहां के मौसम को देखते हुए ही क्षेत्र विशेष में छुट्टियों का फार्मूला तय किए जाने की जरूरत है। पिछले दिनों एक खबर सामने आई थी कि जिला कलेक्टर सर्दी को मद्देनजर रखते हुए संबंधित जिले में स्कूलों की छुटियां और समय में परिवर्तन कर सकते हैं। भारत सरकार और राज्य सरकारें शिक्षा सत्र में छुट्टियों के मामले में लगभग एक जैसा ही रुख

रखती हैं। जबकि शिक्षा विभाग में अन्य विभागों से छुट्टियां अधिक होती हैं। पिछले दिनों एक जानकारी सामने आई कि स्कूलों में बच्चों के कुल तीन सौ पैंसठ दिन में से एक सौ पैंतालीस दिन अवकाश में बीत जाते हैं। इसके अलावा आकस्मिक अवकाश की व्यवस्था अलग है।

ऐसे में जरूरत इस बात की है कि बच्चों के अध्ययन में कोई कमी न हो, इसके लिए छुट्टियों का तालमेल कुछ इस तरीके से बिठाया जाए, ताकि छुट्टियां कम से कम हों। दरअसल, एक विचार यह भी रहा है कि इतने अधिक दिन स्कूल बंद रहने से बच्चों के भीतर सीखने और शिक्षण के बाकी स्तर की नींव कमजोर हो जाती है। इस सिरे से देखें तो अगर पढ़ाई-लिखाई के मामले में बच्चों की नींव कमजोर होगी तो इसका सीधा असर देश के भविष्य पर पड़ेगा। इसके अलावा, अलग-अलग कारणों से जिस तरह स्कूलों में बार-बार छुट्टियां या नियमित कक्षाएं बाधित होती हैं, शिक्षकों को अन्य कार्यों में लगाया जाता है, उससे बच्चों की पढ़ाई बाधित होती हैं।

यहां यह भी सोचने की बात है कि बदलते मौसम चक्र में ज्यादा बारिश या गर्मी या ठंड कोई नई बात नहीं रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अचानक इस वजह से स्कूलों को बंद करने की घोषणा की जाती है, वह विचित्र है। मौसम के बारे में अब पूर्वानुमान से लेकर इस संबंध में आकलन किए जाने को लेकर वैज्ञानिक आधार पहले से मौजूद होते हैं। सवाल है कि स्कूल चलने देने या बंद करने के मामले में मौसम को अगर वजह माना जाता है तो इस वजह को पहले से ध्यान में क्यों नहीं रखा जाता। बदलते मौसम परिवर्तन को पहले से स्कूलों के समय में परिवर्तन किया जाना चाहिए। बार-बार छुट्टियां करना, बेवजह स्कूल बंद रखना उचित नहीं है। फिर ऐसा भी होता है कि कई बार मौसम के बारे में जिस तरह के अनुमान सामने आते हैं, उसके आधार पर घोषणा होती है, मगर अगले दिन से मौसम कई बार वैसा नहीं होता है, जैसा अनुमान लगाया गया होता है। इसके बावजूद इस बात की जरूरत महसूस होती है कि मौसम के मुताबिक स्कूल में समय-सारिणी तय की जाए। मसलन, सर्दी के मौसम के दौरान पहले से ही स्कूल का समय दस बजे से चार बजे तक का रखा जा सकता है, ताकि बच्चों को सर्दी में ठिठुरते हुए स्कूल न जाना पड़े। यह छिपा नहीं है कि अधिक ठंड के मौसम में सुबह छह या सात बजे स्कूल के लिए निकलने की वजह से कई बच्चे बीमार हो जाते हैं और उनकी सेहत के सामने कई तरह के जोखिम रहते हैं। दूसरी ओर, अधिक छुट्टियां होने के कारण बच्चों का शिक्षण बाधित होता है। प्रत्यक्ष शिक्षण में अंतराल ज्यादा होता है तो इससे पढ़ाई-लिखाई का माहौल कमजोर होता है। ऐसे में बच्चे नियमित पढ़ाई-लिखाई से दूर होते जाते हैं।

जरूरत इस बात की है कि बच्चों की शैक्षणिक नींव को प्राथमिक शिक्षा से ही मजबूत किया जाए। शैक्षणिक सत्र को मौसम के अनुकूल प्रभावित करने से पहले हमें व्यापक स्तर पर सोचना होगा। ध्यान रखने की जरूरत है कि यह वह समय है जब दुनिया भर में प्रतिस्पर्धा का दौर चल रहा हैं। ऐसे में हमें भविष्य के भारत के लिए बच्चों से ही उम्मीद हैं। इसके मद्देनजर उनकी शिक्षा की नींव को कमजोर होने से बचाना पड़ेगा। यह बात केवल औपचारिक नहीं है, बल्कि इसके पीछेएक ठोस आकलन है।

बुनियाद को हम मजबूत तभी कर सकते हैं, जब बच्चों की पढ़ाई के अवसरों को चिंताजनक होने से बचाएं। एक बात और ध्यान में आती है कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के एकीकरण से रोज होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान भी स्कूलों की छुट्टियां करनी पड़ती है। अनेक बार कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी के चलते लंबे समय तक बच्चों की पढ़ाई ठप हो जाती है। सच यह है कि स्कूली शिक्षा में शिक्षकों की कमी देश भर में एक बड़ी समस्या है। इसकी वजह से देश की शिक्षा व्यवस्था और शैक्षिक गुणवत्ता जिस स्तर पर प्रभावित होती है, उसे लेकर कई बार सवाल उठाए गए हैं। लेकिन इस व्यापक समस्या को दूर करना शायद ही किसी सरकार को प्राथमिक और जरूरी लगता है। जो शिक्षक सेवा में होते हैं, उनके बीच से भी राजकीय नियमानुसार कुछ शिक्षक लंबे समय तक के लिए छुट्टी पर चले जाते हैं। ऐसे में अन्य शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो पाती। इन सब कारणों का तो शिक्षा सत्र में कोई हिसाब-किताब नहीं है।

इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (ससे): समाहरणालय सभागार में मंगलवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'साथ मिलकर एक बेहतर इंटरनेट के लिए' पर आधारित इस कार्यक्रम में इंटरनेट सुरक्षा और जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी (डीआइओ) धनंजय कुमार ने उपस्थित लोगों से इंटरनेट का सावधानी पूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंटरनेट का उपयोग करते समय यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि साइटें प्रामाणिक हो, सलाह दी कि अपनी व्यक्तिगत जानकारी को फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अनावश्यक रूप से साझा करने से बचना चाहिए।

जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी (डीआइओ) ने बताया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसके डोमेन की जांच करना बेहद जरूरी है। फर्जी साइटों से बचने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी भी एसएमएस के माध्यम से प्राप्त लिंक को खोलने से पहले उसकी जांच - पड़ताल कर लेनी चाहिए। इंटरनेट का उपयोग करते समय अन्य महत्वपूर्ण सावधानियाँ बरतने की अपील की। कहा कि इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के लिए सामूहिक प्रयास और जागरूकता अति आवश्यक है।

इससे पूर्व, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी (डीआइओ) ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस के संबंध में सभी को बताया। कहा कि, हर साल फरवरी के दूसरे सप्ताह के मंगलवार को मनाया जाता है। इस साल यह *आज यानी ११ फरवरी २०२५ को मनाया जा रहा है।

मौके पर साइबर थाना बोकारो के एसआइ कृष्णा कुमार कुशवाहा ने कहा कि इंटरनेट एक शक्तिशाली माध्यम है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराध, डेटा चोरी, ऑन - लाइन धोखाधड़ी और साइबर बुलिंग जैसी समस्याएं भी बढ़ी हैं। उन्होंने क्रमवार साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्राइवेसी और इंटरनेट के सकारात्मक उपयोगों, कंट्री कोड को देखते हुए काल को रिसीव करने, निजी सूचना किसी के साथ शेयर नहीं करने के संबंध में बताया।

मौके पर सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह ने सुरक्षित इंटरनेट दिवस क्यों मनाया जाता है और इसके संबंध में प्रकाश डाला। बताया कि *सुरक्षित इंटरनेट दिवस की शुरुआत २००४ में यूरोपियन कमीशन के सेफबॉर्डर प्रोजेक्ट द्वारा की गई थी। इसके बाद, इंसेफ नेटवर्क ने इसे वैश्विक स्तर पर फैलाने का कार्य किया। आज यह १७० से ज्यादा देशों में मनाया जाता है, जहां सरकारें, टेक कंपनियां और शिक्षण संस्थान मिलकर साइबर सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदाराना उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना है, खासकर बच्चों और युवाओं के बीच।

मौके पर एडीआइओ अमरेश कुमार, यूआइडी डीपीओ शैलेंद्र मिश्र, नेटवर्क इंजीनियर पल्लव घोष आदि ने कार्यशाला में अपने वक्तव्य को रखा।

जीटी रोड के महाजाम में दिनभर रेंगती रही गाड़ियां

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर में जीटी रोड मंगलवार को महाजाम में फंसा रहा। सड़क पर महाजाम में गाड़ियां दिनभर रेंगती रही। इस माह जाम से सबसे ज्यादा प्रभावित झारखंड अधिविध परिषद की माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट के परीक्षार्थी प्रभावित हुए। गोविंदपुर बाजार इलाके में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं और परीक्षा केद्रो तक पहुंचने में परीक्षार्थियों को भारी परेशानी हुई। सड़क जाम के कारण परीक्षार्थियों के समक्ष भागम भाग की स्थिति पैदा हो गई। कई विद्यार्थी परीक्षा केंद्र में लेट से पहुंचे सड़क जाम में धनबाद से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहे कई एंबुलेंस भी फंस गए और उस पर सवार मरीज भी परेशान रहे।

कौआबांध से रतनपुर तक जीटी रोड पर करीब ८ घंटे तक महाजाम लगा रहा। इस दौरान न तो ट्रैफिक पुलिस कहीं नजर आई और न ही प्रशासन की चौकसी। बुधवार को माघी पूर्णिमा को लेकर महाकुंभ जा रहे छोटे-बड़े दर्जनों वाहनों को गोविंदपुर ने आज ही प्रयागराज में लगने वाले महाजाम का एहसास कर दिया।

दर्शन भर एंबुलेंस का भी यही हाल रहा। सायरन बजाते रहे, परंतु आगे जाने का कोई रास्ता नहीं मिला। सबसे बुरा हाल रहा मैट्रिक एवं इंटर के परीक्षार्थियों का। परीक्षार्थी जीटी रोड गोविंदपुर में लगने वाले महाजाम को ध्यान में रखकर घंटों पहले ही परीक्षा केंद्र के लिए घर से निकल गए थे। मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा मंगलवार से ही शुरू हुई है। परीक्षार्थियों को गोविंदपुर जीटी रोड पर लगने वाले महाजाम की जानकारी थी। इसलिए वे समय पर परीक्षा केंद्र पहुंच सके। जिन्हें जानकारी नहीं थी, वैसे परीक्षार्थी खासा परेशान रहे। ऐसे परीक्षार्थी विलंब से केंद्र पहुंचे।

गोविंदपुर में जीटी रोड पर जाम लगने का जो सिलसिला दुर्गापूजा के बाद से शुरू हुआ है, वह थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। शुरू-शुरू में लोग इसे तात्कालिक समस्या मानकर झेलते रहे। परंतु इस समस्या का समाधान न तो जिला प्रशासन, न तो पुलिस प्रशासन और न ही ट्रैफिक विभाग ढूंढ सका। लोगों ने इसे अब अपनी नियति मान लिया है। ढाई-तीन महीने से रोज-रोज के जाम से व्यवसाय पर इसका गहरा असर पड़ा है। जीटी रोड के अधूरे सर्विस लेन एवं अधूरी बनी नाली से जितनी क्षति उद्योग-धंधों को उठानी पड़ी है, उससे भी कहीं अधिक महाजाम से अब तक हो चुकी है। व्यवसायी वर्ग इससे जहां हतप्रभ हैं, वहीं आम लोग त्राहिमाम कर रहे हैं।

जिला प्रशासन एवं एनएचएआई की ओर से सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। इसका सही इलाज क्या है, इसका जवाब किसी के पास नहीं है। लोगों की समझ में नहीं आ रहा है कि कहां और किससे इस समस्या की फरियाद करे। जाम को लेकर नागरिक समिति के मार्गदर्शक शरत दुदानी ने उपायुक्त से बात की और जाम की समस्या के समाधान की अपील की उपायुक्त ने इस पर ध्यान देने का आश्वासन दिया है। श्री दुदानी ने कहा कि ऊपर बाजार की ट्रैफिक व्यवस्था में परिवर्तन कर जाम की समस्या का बहुत हद तक समाधान किया जा सकता है। इसके लिए अधिकारियों को नागरिकों के साथ बैठक कर रास्ता निकालना होगा।

ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह ने नागरिक समिति के अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल को आश्वासन दिया था कि सोमवार या मंगलवार को गोविंदपुर जाकर वह जाम की समस्या के समाधान की कोशिश करेंगे परंतु वह नहीं आ पाए और गोविंदपुर की समस्या जस की तस बनी हुई है।

चिन्हित आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

डुमरी (ससे): चिन्हित झारखंड आंदोलनकारी सघर्ष मोर्चा से जुड़े सदस्यों ने डुमरी अध्यक्ष लालमणि साव के नेतृत्व में स्थानीय विधायक को एक मांग पत्र सौंपा जिसमें सभी चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी को झारखंड सरकार द्वारा पेंशन एवं अन्य सुविधाएं दिलाने के लिए विधानसभा सत्र में मामला उठाने की अपील की है। पत्र में लिखा है कि सभी झारखंड आंदोलनकारियों को चिन्हित कर उन्हें सम्मान एवं पेंशन तथा आश्रितों को सरकारी नौकरी सरकार द्वारा घोषित है।परन्तु राज्य सरकार सिर्फ जेल जाने वाले आन्दोलनकारी को ही तीन श्रेणी में नाम मात्र का पेंशन दे रही है, जबकि सभी चिन्हित आन्दोलनकारी को जेल नहीं जाने की बात कह कर उन्हें सिर्फ प्रतिक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर ठगने का काम किया जा रहा है।

अतः आप विधानसभा सत्र के दौरान निम्न बिन्दुओं यथा चिन्हित आन्दोलनकारी के जेल जाने की बाध्यता को समाप्त कि जाए तथा सभी चिन्हित आन्दोलनकारियों को पेंशन एवं अन्य सुविधाए दी देने,पेंशन का निर्धारण में समरूपता लाते हुए वर्तमान में तीन केटैगिरी में दिये जा रहे पेंशन का औसतन रकम का दस गुना पचास हजार पेंशन दिया जाये,सभी चिन्हित आन्दोलनकारी/आश्रित को १० प्रतिशत आरक्षण नौकरियों दिया जाये,सभी चिन्हित आन्दोलनकारी को २५ लाख का बीमा कवर दिया जाय तथा चिन्हित आन्दोलनकारी को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित करते हुए उन्हे व उनके अश्रितो को रोजी रोजगार, स्वस्थ्य, शिक्षा से जुडें मामलो मे लाभ दिया जाय। इस दौरान विश्वनाथ महतो, प्रेमचंद महतो,सोमर महतो, रोहन कर्मकार, अजीज अंसारी,जागेश्वर यादव, सोमर महतो, रोहन कर्मकार, कमल किशोर महतो,गोविन्द महतो,निर्मल जायसवाल, रामकुमार महतो,आशीष अग्रवाल,राजकमल महतो,विजय पासवान,करमचंद महतो,धीरेन्द्र नाथ महतो आदि उपस्थित थे।

इंटर स्टील प्लांट क्रिकेट चैंपियनशिप का शुभारंभ

बोकारो (ससे): बी एस एल के क्रिकेट स्टेडियम में इंटर स्टील प्लांट क्रिकेट चैंपियनशिप २०२४-२५ का शुभारंभ किया गया. इस चैंपियनशिप का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) ने किया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) श्री कुंदन कुमार, महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री सी.आर.के. सुधांशु, महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) श्री ए.के. अविनाश, सहायक महाप्रबंधक (स्पोर्ट्स एंड सीए) श्री सुभाष रजक सहित अन्य अधिकारी तथा क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे.

उद्घाटन समारोह के दौरान, मुख्य अतिथि सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) ने खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेल स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करते हैं, जो न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए, बल्कि पेशेवर जीवन में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि इंटर स्टील प्लांट क्रिकेट चैंपियनशिप एक ऐसा अवसर है जो टीम भावना को सशक्त बनाता है और कर्मचारियों के बीच सहयोग, एकता और सौहार्द का वातावरण उत्पन्न करता है.

इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें दो समूहों में बांटा गया है. पहले समूह में दुर्गापुर स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट, इस्को स्टील प्लांट और भिलाई स्टील प्लांट की टीमें हैं, जबकि दूसरे समूह में आरआईएनएल-विशाखापत्तनम, वीआईएसएल-भद्रावती, सलेम स्टील प्लांट और बोकारो स्टील प्लांट की टीमें प्रतिस्पर्धा कर रही हैं. यह टूर्नामेंट आगामी १५ फरवरी २०२५ तक चलेगा.

आज पहले दिन खेले गए मुकाबले बेहद रोमांचक रहे. बोकारो स्टील प्लांट ने भिलाई स्टील प्लांट को ५ विकेट से पराजित किया, वहीं सलेम स्टील प्लांट ने राउरकेला स्टील प्लांट को ६ विकेट से हराया. आरआईएनएल ने इस्को स्टील प्लांट को ७ विकेट से मात दी, जबकि दुर्गापुर स्टील प्लांट ने वीआईएसएल को १० विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की. इस चैंपियनशिप का मुख्य उद्देश्य स्टील प्लांट्स के बीच खेल भावना को बढ़ावा देना और आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना है.

ग्रामीणों के बीच बांटी गई सामग्री

डुमरी (ससे): भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत मंगलवार को छाछंदो पंचायत अंतर्गत मधुबन थाना क्षेत्र के आदिवासी बाहुल्य गांव मोहनपुर के स्कूल में मंगलवार को सीआरपीएफ की सी/१५४ बटालियन द्वारा खेल सामग्री एवं विभिन्न जीवन उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया जिसमें सीआरपीएफ के साकेत सिंह पुलिस महानिरीक्षक ब्रजेश सिंह पुलिस उप निरीक्षक (परिचालनिक रेंज बोकारो) और सुनील दत्त त्रिपाठी कमांडेंट-१५४ बटालियन के निर्देशन में सीआरपीएफ की के १५४ बटालियन द्वारा सिविक एक्शन कैंप का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से मोहनपुर जयनगर और जोभी गांवों के ग्रामीण महिला पुरुष एवं बच्चों की मौजूदगी के साथ साथ स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

शिविर के संबंध में सीआरपीएफ १५४ बटालियन के राजेश कुमार द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी द्वितीय कमान अधिकारी (परिचालनिक) द्वारा कहा गया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जो गांव के सामान्य नागरिक है उनके साथ सुरक्षा बलों का बेहतर संबंध हो,इसके लिए सीआरपीएफ व पुलिस प्रयासरत है।

इस दौरान लोगों के बीच खेल का सामान क्रिकेट बैट,फुटबॉल सेट,वॉलीबॉल सेट,सोलर लालटेन,वाटर स्टोरेज टंक,कंबल साथ ही घरेलू आवश्यकता के समान एवं बच्चों को स्कूल बैग पेंसिल,पेन,कॉपी इत्यादि का वितरण किया गया।

मौके पर सीआरपीएफ १५४ बटालियन केसरी दलजीत सिंह भाटी द्वितीय मैन अधिकारी,नीरी/ जीडी रफीकुल इसलाम, समावय अधिकारी-सी/१५४ बटालियन और गिरिडीह पुलिस सहित सभी बल उपस्थित थे वहीं सीआरपीएफ १५४ बटालियन के श्री दलजीत सिंह भाटी द्वितीय कमान अधिकारी ने मीडिया से अनुरोध किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले लोगों के साथ बेहतर संबंध बनाने में सहयोग करें और पुलिस प्रशासन को अपना परिवार समझे जिस इलाके में शांति स्थापित हो सके।इस दौरान मुखिया रूपानी देवी आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

गोविंदपुर (ससे) : कंचनपुर ग्राम पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाघमारा खुर्द में मंगलवार को सीएम पीडीआईएल की ओर से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। नवभारत जागृति केंद्र के सहयोग से लगाए गए। इस नेत्र जांच शिविर में २०० विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों की आंख जांच की गई। सभी को नि:शुल्क सलाह दी गई । आई ड्रॉप एवं चश्मा भी दिया गया। बुजुर्गों और दिव्यांगों को हाथ की छड़ी दी गई । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजीव कुमार मंडल, अमित कुमार, रोहित कुमार , चंदन कुमार , प्रियंका कुमारी , दिलनशी परवीन आदि मौजूद थी।

झारोटेफ ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

डुमरी (ससे): झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एम्पलाइज फेडरेशन (झारोटेफ) राज्य कमेटी के निर्देश पर डुमरी अनुमंडल में ७ फरवरी २५ से प्रारम्भ हस्ताक्षर अभियान के ५वें दिन मंगलवार को झारोटेफ प्रखंड अध्यक्ष रजनीकांत प्रजापति द्वारा कोनार नहर प्रमंडल डुमरी में कार्यरत कर्मियों के बीच हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस

संबंध में रजनीकांत ने बताया कि तीन मांगों क्रमशः राज्य कर्मियों की भांति शिक्षक संवर्ग को माकप का लाभ प्रदान करने,राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र ६२ वर्ष करने तथा केंद्रीय कर्मियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता का लाभ प्रदान करने को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर संतोष कुमार,अजीत कुमार,अजय कुमार,अंचीत कुमार,राजकुमार सिंह,उर्मिला देवी,मानिकचन्द राम, महादेव प्रजापति, अरुण कुमार, ईश्वरलाल सिंह,विकास कुमार आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों ने फिर लहराया कामयाबी का परचम

बोकारो (ससे): इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित देश की प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी कामयाबी का परचम लहराया है।

इस साल आयोजित जेईई मेन के प्रथम सत्र में विद्यालय के ५० से अधिक विद्यार्थी सफल रहे। विद्यालय के मेधावी छात्र आरुष बनर्जी ने सर्वाधिक ९९.७६ परसेंटाइल अंक हासिल कर सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है। जबकि, प्रिंस कुमार पांडेय ९९.६५ पर्सेंटाइल लाकर दूसरे तथा उज्ज्वल सिंह ९९.२० पर्सेंटाइल के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

समाचार लिखे जाने तक प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट सफलता पाई है, उनमें आरुष बनर्जी (९९.७६), प्रिंस कुमार पांडेय (९९.६५), उज्ज्वल सिंह (९९.२०), अपूर्व झा (९८.९९), अक्षित (९८.८६), आकर्ष दुबे (९८.६६), रितेश कुमार महतो (९८.६२), ख्याति सिन्हा (९८.६०), अभिनीत शरण (९८.०५), अभिनव कश्यप (९८), नितिन कुमार सिंह (९७.९३), आदित्य शर्मा (९७.७६), आशीष कुमार (९७.०१), रिषिमा तिवारी (९६.८३), अनुप झा (९६.७६), कनिष्ठ शर्मा एवं शिवम कुमार (९६.४४), अधृत सिंह (९६.०६), मयंक राज (९५.५१), सिद्धांत शर्मा (९५.३९), बंदिता महता (९४.८९), मनीष कुमार (९३.६४), मृत्युंजय कुमार (९३.५५), शिवम (९३.२८), सुदर्शन आरोही (९२.१०), अनंत दुबे (९२.०८), उत्कर्ष (९१) सहित ५० से अधिक ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्होंने ९० परसेंटाइल से अधिक अंक हासिल किए हैं।

ज्ञातव्य है कि एनटीए जेईई मेन का दो सत्रों में आयोजन कर रही है। परीक्षा का पहला सत्र २२ जनवरी से ३१ जनवरी के बीच हुआ था, जबकि दूसरा सत्र आगामी ०१ अप्रैल से १५ अप्रैल २०२५ की अवधि में आयोजित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बोकारो में जेईई मेन- १ के लिए दो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। पहला सेंटर चास में नवाडीह मूर्तिटांड़ स्थित आरआर टेक्नोलॉजी और दूसरा चिकसिया (चास) में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर को बनाया गया था। परीक्षा में कुल ३३५० अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

डीपीएस बोकारो के प्राचार्य एवं एनटीए के सिटी कोआर्डिनेटर डॉ. ए.एस. गंगवार ने इस शानदार परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सफल विद्यार्थियों को बधाई दी तथा कहा कि हमारे छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता गरिमा में चार चांद लगाया है। प्राचार्य ने आगामी परीक्षाओं में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

रोजगार मेला में 14 कंपनियों ने लिया भाग

बोकारो (ससे): झारखंड सरकार, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग के तत्वधान में ११ फरवरी को अवर प्रादेशिक नियोजनालय, बोकारो की ओर से एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन आईटीआई चास के परिसर में किया गया।

उक्त रोजगार मेला में कुल १४ नियोजकों द्वारा भाग लेने के लिए सहमति प्रदान किया गया था, जिसमें मैसर्स नोशन इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात, बैक एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, दुर्ग छत्तीसगढ़, रश्मि मैनपॉवर सर्विस धनबाद, मैसर्स कात्यानी यशी सर्विस प्राईवेट लिमिटेड, जमशेदपुर, एनटीटीएफ बैंगलोर, मेसर्स वेदा स्टील इंडस्टरीज इंडस्ट्रियल एरिया बोकारो, एंड टु एंड सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड, बोकारो, एंड एस आई एस बोकारो स्टील सिटी, लाइफ लाइन हॉस्पिटल बायपास रोड चास, बोकारो, एल.आई.सी ऑफ़ इंडिया, चास, बोकारो, मेसर्स ए.एस.एस.पी.एल, रांची, मेसर्स क्वाइस कॉर्प लिमिटेड, रांची, मेसर्स क्वाइस कॉर्प लिमिटेड, बोकारो, उपस्थित हुए । जिसमें कुल ३८४८ रिक्तियों के विरुद्ध लगभग १२०० आवेदकों ने भाग लिया। दतोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का विधिवत उद्घाटन सहायक निदेशक (नियोजन), अवर प्रादेशिक नियोजनालय, बोकारो श्री बम बैजु द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। सहायक निदेशक (नियोजन) द्वारा रोजगार मेला में भाग लिये अभ्यर्थियों को सम्बोधित किये, आवेदकों को बताये कि इस तरह के रोजगार मेला में नियोजकों एवं अभ्यर्थियों को एक प्लेटफार्म मिलता है। बोकारो जिला एक राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न प्रकार योग्यताधारी आवेदकों की आवश्यकता होती है। युवा तकनीकी रूप से तैयार रहें ताकि स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

बोकारो जिला में आवेदकों को नियोजनालय में निबंधन करने के लिए कहा गया ताकि नियोजनालय द्वारा एसएमएस द्वारा रिक्ति/रोजगार मेला से संबंधित सूचना उपलब्ध हों सके एवं रोजगार मेला में भाग लेकर सुनहरा अवसर का लाभ उठा सकें। रोजगार मेला में कुल १०४ अभ्यर्थियों को किया गया एवं कुल ५३८ किया तथा इस अवसर पर कुल ०५ अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

रोजगार मेला के दौरान सफल संचालन किशोर कुमार सिन्हा, काशीनाथ हांसदा, सुनील कुमार, संतोष कुमार, चंदन कुमार दास, जयदेव कुमार, जयप्रकाश, अशोक कुमार, मुरारी पासवान, नंदकुमार कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एकात्म मानववाद के दर्शन से भारत विश्व गुरु बन सकता है : राज्यपाल

पटना (एजेंसी): बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने ११ फरवरी, २०२५ दिन मंगलवार को कहा कि भारतीय सभ्यता लगभग ५००० वर्ष पुरानी है. महान भारतीय दार्शनिकों के विचारों के आधार पर कहा जा सकता है कि देश ने मानव जाति को देवत्व की अवधारणा दी है. वास्तव में, सदियों पुराने भारतीय दर्शन ने पश्चिमी देशों सहित दुनिया को प्रभावित किया है और यहां तक कि उन्होंने हमारे पुराने ग्रंथों का रूपांतरण कर गहन अध्ययन भी किया है.

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएस आर) नई दिल्ली के समर्थित दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और सामाजिक नीति केंद्र द्वारा आयोजित 'एकात्म मानववाद के सामाजिक पहलू' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए. उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय अवधारणा हमें सभी संस्कृतियों और विविधताओं का सम्मान करना सिखाती है. विश्व में पांच प्रमुख सभ्यताएं ईरानी, चीनी, रोमन, तुर्क और भारतीय सभ्यताएं हैं, जो अपने-अपने महत्व के लिए जानी जाती हैं. भारतीय सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह ज्ञान और बुद्धि के प्रचार के लिए जानी जाती है, इसीलिए हमें अपने प्राचीन शास्त्रों में 'मानवता' का वास्तविक अर्थ खोजने की आवश्यकता है. इस अवधारणा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने पहली बार राजनीतिक क्षेत्र में प्रयोग किया था. राज्यपाल ने अपने संबोधन में भगवद गीता, वेदों के श्लोकों और शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद और भारत के अन्य महान दार्शनिकों के कथनों को उद्धृत किया. उन्होंने अपने संबोधन के अंत में कहा कि हमारे संविधान निर्माता प्रस्तावना में इतने सारे बिंदुओं को रखने के बजाय 'एकात्म मानववाद' शब्द का प्रयोग कर सकते थे.

इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राम माधव ने कहा कि भारत निःसंदेह एक महान देश है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर महान विचारकों को पैदा न करने के लिए हमारी आलोचना की जाती है. मेरे लिए पिछली सदी में देश ने दो महान मौलिक विचारकों को जन्म दिया, एक महात्मा गांधी और दूसरे पंडित दीनदयाल उपाध्याय. लेकिन, भारत में हम अपनी जड़ों की ओर ध्यान देने के बजाय पश्चिमी दर्शन से ज्यादा प्रभावित हैं, इसलिए दुनिया हमारी आलोचना करती है.

इससे पहले सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अपने स्वागत भाषण में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन से भारत विश्व गुरु बन सकता है और विकसित भारत २०४७ का लक्ष्य हासिल कर सकता है.

पीएम मोदी के भागलपुर दौरे को लेकर चहल-पहल तेज

भागलपुर (एजेंसी): २४ फरवरी २०२५ दिन सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के भागलपुर आ रहे हैं. इस दौरान पीएम मोदी किसानों को बड़ी सौगात देने वाले हैं. पीएम के भागलपुर आगमन को लेकर जिलेवासियों में गजब का उत्साह है. यही वजह है कि अभी से ही शहर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है. जिल में युद्द स्तर पर साफ सफाई का काम जारी है. वहीं साफ-सफाई को लेकर जिलाधिकारी ने भी लोगों से अपने आस-पास स्वच्छ रखने की अपील की है. इसको लेकर उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाया जा रहा है.

पीएम मोदी के भागलपुर दौरे को लेकर चहल-पहल तेज हो गई है. दरअसल, भागलपुर में २४ फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम निर्धारित है. बता दें कि किसानों को सौगात देने प्रधानमंत्री मोदी भागलपुर आ रहे हैं. इसको लेकर शहर में युद्द स्तर पर साफ-सफाई का काम जारी है. शहर को इंदौर की तरह साफ किया जा रहा है. जिलाधिकारी और मेयर खुद सड़क पड़ झाड़ू लेकर उतर गए.

बता दें कि पीएम के आमगन को लेकर भागलपुर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. इसको लेकर बकायदा शहर के घंटाघर में अभियान चलाया गया, जिसमें कई अधिकारी व नगर निगम के जनप्रतिनिधि शामिल थे. आज से स्वच्छता अभियान की शुरुआत कर दी गई, ताकि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शहर को दुलहन की तरह सजाया जा सके.

जिलाधिकारी ने लोगों को आसपास स्वच्छ रखने की अपील की है. उन्होंने कहा कि २४ फरवरी को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर शहर को सुंदर और स्वच्छ बनाया जा रहा है. कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों, नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने कमर कस ली है.

कांग्रेस को अपनी रणनीति स्पष्ट करने की जरूरत है : तारिक अनवर

पटना (एजेंसी): दिल्ली विधानसभा चुनाव २०२५ में लगातार तीसरी बार ० पर आउट होने के बाद कांग्रेसी भले ही इस बात को लेकर खुश हो रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल की सत्ता चली गई, लेकिन पार्टी के भीतर आत्ममंथन की भी आवाज उठ रही है. कई नेताओं ने राय जताई है कि आखिर कब तक हम दूसरों की जीत में जीत और दूसरों की हार में भी अपनी जीत पर खुश होते रहेंगे. बिहार के कटिहार के सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर अपना रिएक्शन देते हुए कहा, देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को यह स्पष्ट करने की जरूरत है कि वह गठबंधन की राजनीति करना चाहती है या फिर अकेले चलना चाहती है.

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे एक पोस्ट में तारिक अनवर ने कहा, कांग्रेस को अपनी रणनीति स्पष्ट करने की जरूरत है. उसे तय करना होगा कि वह गठबंधन की राजनीति करेगी या अकेले चलेगी. उन्होंने पार्टी के संगठन में बुनियादी बदलाव की जरूरत पर भी बल दिया. बता दें कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने २०१५ और २०२० के विधानसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन को एक बार फिर से रिपीट किया है. कांग्रेस के लिए खुश होने का बस एक बहाना है कि वह अपना वोट प्रतिशत २ प्रतिशत बढ़ा पाने में सफल साबित हुई है.

तारिक अनवर के एक्स पोस्ट के जवाब में कांग्रेस की विधायक प्रतिमा कुमारी का कहना है, तारिक अनवर जी का लंबा अनुभव है. उन्होंने जो भी बात कही है, वह सही है. प्रतिमा कुमारी ने कहा, गठबंधन की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जहां से पार्टी के प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ते, वहां संगठन एक तरह से खत्म हो जाता है. कुछ नेताओं को टिकट मिल जाता है और उनमें से कुछ जीत पाते हैं और बाकी हार जाते हैं. इस तरह कुछ नेता तो पार्टी को मिल जाते हैं पर कार्यकर्ता नहीं बन पाते.

प्रतिमा कुमारी ने कहा, कार्यकर्ताओं को खड़ा किए बिना लीडरशिप डेवलप नहीं हो सकती. सभी विधायक और सांसद जनता तक अपनी पहुंच बना पाएं, यह संभव नहीं है. यह काम कार्यकर्ताओं की बदौलत ही संभव हो सकता है. प्रतिमा कुमारी ने यह भी कहा, पूरे देश में कांग्रेस हर जगह क्षेत्रीय दलों से समझौते कर रही है. इस कारण कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं से दूर होती जा रही है. यही सही समय है, सही फैसला लेने का. अभी ठोस फैसला लेने से आगे के चुनाव में सकारात्मक असर होगा.

प्रतिमा कुमारी ने कहा, आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बिहार में अकेले लड़ना चाहिए. राहुल गांधी ने जिस तरह से पदयात्रा किया, इसका फायदा कांग्रेस के लोगों को नहीं मिल पा रहा है. बिहार में कई मुद्दे हैं और कांग्रेस अकेले लड़ेगी, अपनी नीति और सिद्धांत से लोगों को अवगत कराएगी तो हमारे साथ बिहार की जनता होगी और अधिक से अधिक सीटें हम जीत सकते हैं. प्रतिमा कुमारी ने बहुत मजबूती से बिहार की सभी २४३ सीटों पर कांग्रेस को चुनाव लड़ने की सलाह दी. उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव बाद समान विचारधारा वाले सभी दल मिलकर सरकार बनाएंगे. इसलिए कांग्रेस को अकेले लड़ना चाहिए.

एनडीए- कार्यकर्ता सम्मेलन में हंगामा लोरी सुनाकर कराया शांत

वैशाली (एजेंसी): वैशाली जिले के हाजीपुर स्थित अक्षयवट राय स्टेडियम में एनडीए गठबंधन का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया. इस बैठक में बीजेपी, जेडीयू और अन्य घटक दलों के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता मौजूद थे. सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठित करना और आगामी चुनावों की रणनीति तय करना था.

बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते बवाल में बदल गया. पंडाल में बैठे कार्यकर्ता अचानक आपस में भिड़ गए और मंच के नीचे धक्का-मुक्की शुरू हो गई. कार्यकर्ताओं का हुजूम बढ़ता गया, जिससे पूरा माहौल अफरा-तफरी में बदल गया.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल मंच से कार्यकर्ताओं को शांत कराने की अपील करते रहे, लेकिन उनकी बातों का कोई असर नहीं हुआ. माहौल लगातार बिगड़ता जा रहा था, जिसे देखते हुए उन्होंने एक अनोखा तरीका अपनाया.

जब माहौल पूरी तरह से बेकाबू हो गया और कार्यकर्ता किसी की सुनने को तैयार नहीं थे, तब प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोरी सुनानी शुरू कर दी. यह देख कार्यकर्ता चौंक गए और धीरे-धीरे शांति बहाल हो गई. लोरी सुनाने के बाद कार्यकर्ता शांत होकर बैठ गए, जिससे बैठक को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया जा सका.

मंच पर मौजूद नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे संयम रखें और एकजुट होकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करें. उन्होंने कहा कि अनुशासनहीनता से पार्टी की छवि खराब होती है और यह चुनावी रणनीति के लिए सही नहीं है.

महाकुंभ जाने वाली ट्रेन में यात्रियों ने एसी डिब्बे में की तोडफ़ोड़

मधुबनी, (ईएमएस) : बिहार के मधुबनी रेलवे स्टेशन पर गुस्साए यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव किया। जिससे ट्रेन में बैठे यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया और वहां दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में महाकुंभ मेले में जा रहे यात्रियों ने स्वतंत्रता सेनानी सुपर फास्ट एक्सप्रेस की खिड़कियां तोड़ दीं। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें दिख रहा है कि ट्रेन में नहीं चढ़ पाने से निराश यात्री हुड़दंग मचाते हुए ट्रेन पर पत्थर फेंक रहे हैं और एसी कोच की खिड़कियां तोड़ते नजर आ रहे हैं, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में डर का माहौल पैदा हो गया।

बिहार के जयनगर से प्रयागराज होते हुए नई दिल्ली जाने वाली स्वतंत्रता सेनानी सुपर फास्ट एक्सप्रेस जैसे ही मधुबनी रेलवे स्टेशन पर पहुंची, प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भारी भीड़ खड़ी नजर आई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेन में पहले से ही इतनी भीड़ थी कि दरवाजे खोलना असंभव था। ट्रेन का इंतजार कर रहे और ट्रेन के अंदर बैठे कई यात्री महाकुंभ मेले के लिए प्रयागराज जा रहे थे। वीडियो में दो महिलाएं ट्रेन के एसी कोच में बैठी नजर आ रही हैं। इसी दौरान बाहर खड़े एक यात्री ने खिड़की का शीशा तोड़ दिया। इस दौरान खिड़की के पास बैठी दोनों महिलाएं डर के मारे चीख रही हैं।

एक अन्य वीडियो में ट्रेन की टूटी हुई खिड़कियां दिखाई गई हैं। ट्रेन में सवार यात्री पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर रहे थे। यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया है कि जब यह सब हुआ तब रेलवे स्टेशन पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। घटना के बाद यह ट्रेन मधुबनी स्टेशन पर एक घंटे तक रुकी रही। बाद में इसे बिना किसी मरम्मत के आगे भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाद में रेलवे पुलिस ने हंगामा कर रहे कई यात्रियों को हिरासत में लिया। लेकिन भीड़ इतनी थी कि भीड़ के सामने रेल पुलिस असहाय नजर आ रही थी।

इससे पहले बिहार के समस्तीपुर जिले में गुरुवार रात स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। ट्रेन पर जब हमला हुआ, तब वह मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर मार्ग पर जयनगर से दिल्ली जा रही थी। इससे यात्रियों में दहशत फैल गई और ट्रेन को मामूली क्षति पहुंची। कुछ यात्री घायल हो गए, जिनका समस्तीपुर के एक अस्पताल में इलाज किया गया, जबकि पेंट्री कार और उसके बगल के कोचों की खिड़कियां टूट गईं। स्लीपर कोचों पर भी पत्थर फेंके गए। समस्तीपुर रेलवे पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और हमलावरों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

96 घंटे बाद अगवा की गई नाबालिग बरामद

पूर्णिया (ईएमएस); पूर्णिया में ६ फरवरी की शाम अगवा की गई नाबालिग (१६) को ९६ घंटे बाद पुलिस ने बरामद किया है। घटना के बाद पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। इस दौरान टीम ने पूर्णिया से १३० किलोमीटर दूर सहरसा से नाबालिग को बरामद किया है। बाइक सवार २ बदमाशों सुमित कुमार (२१) और सुजीत कुमार (२३) को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

दरअसल, ६ फरवरी की शाम ५.३० बजे नाबालिग बाजार से घर लौट रही थी। नाबालिग अपने घर के पास पहुंची ही थी कि सुमित और सुजीत वहां पहले से ही मौजूद थे। एक ने नाबालिग को उठाकर गाड़ी पर बैठाने की कोशिश की, लेकिन नाबालिग गली की ओर भाग गई। फिर जबरदस्ती उठाकर लाया और बाइक पर बैठाकर फरार हो गया। घटना के बाद नाबालिग की मां को आसपास के लोगों ने सूचना दी। फुटेज में कैद तस्वीरों के आधार पर लड़की की मां ने दोनों बदमाशों की पहचान कर ली। इसके बाद मां ने पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया था। छापेमारी के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए बदमाशों से जुड़ी गुप्त सूचना मिली। इसके बाद पुलिस सहरसा जिले के सौर बाजार पहुंची।

महाकुंभ में मुकेश अंबानी ने बेटे-बहू-मां सहित लगाई डुबकी

महाकुंभ नगर (ईएमएस): देश के प्रतिष्ठित मुकेश अंबानी सपरिवार मंगलवार को महाकुंभ पहुंचे। मुकेश और उनकी मां कोकिलाबेन अंबानी ने संगम में डुबकी लगाई है। अंबानी फैमिली के ११ सदस्य स्नान करने पहुंचे हैं। मुकेश के बड़े बेटे बहू आकाश और श्लोका के साथ ही छोटे बेटे अनंत और राधिका भी पहुंचे हैं।

महाकुंभ में माघी पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर रिलायंस इंडस्ट्रीज चेयरपर्सन मुकेश अंबानी हेलिकॉप्टर से मेला क्षेत्र तक पहुंचे और फिर कार से आगे तक गए। उन्होंने परिवार सहित पवित्र डुबकी लगाई। मुकेश की दोनों बहनों के साथ ही परिवार के सदस्यों ने पवित्र डुबकी लगाई। इस दौरान मेला में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मुकेश के परिवार से पहले महाकुंभ में उनके भाई अनिल अंबानी भी अपने परिवार संग डुबकी लगा चुके हैं।

वहीं गौतम अडाणी भी यहां परिवार सहित आ चुके हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े नेता और सेलिब्रिटी भी पहुंच चुके हैं।

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर पर पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही ४५ करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी।

उनका यह आंकलन महाकुम्भ के समापन से १५ दिन पहले ही सच साबित हो गया। मंगलवार की सुबह ८ बजे ही महाकुम्भ में ४५ करोड़ स्नानार्थियों की संख्या पार हो गई। मंगलवार को सुबह ८ बजे तक करीब ५० लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई, जिसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या ४५ करोड़ पार हो गई। अभी महाकुम्भ को १५ दिन और दो महत्वपूर्ण स्नान पर्व शेष हैं और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या ५०-५५ करोड़ के ऊपर जा सकती है।

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
तृतीय तल्ला, नया समाहरणालय भवन, पपरवाटांड़, गिरिडीह, झारखण्ड– 815301

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :–**30/2024-25/RWD/EE/GIRIDIH** दिनांक :– **10.02.2025** ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गिरिडीह द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurment पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का नाम :–

क्र0 सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रुपया में)		कार्य समाप्ति की अवधि	टेंडर कॉल संख्या
			अंक में	अक्षर में		
1.	RWD/GIRIDIH/73/2024-25	खण्डोली डैम के निचले हिस्से में दोनों छोरों की कनेक्टिविटी के लिए पी0सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य। (लं0–0.600 कि0मी0)	91,27,500.00	एकानवे लाख सताईस हजार पाँच सौ रू0 मात्र	06 माह	प्रथम

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– **17.02.2025**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– **27.02.2025** अपराह्न **5.00** बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–**01.03.2025** अपराह्न **3.30** बजे।
5. कार्य प्रकृति के अनुरूप जिला/राज्य से किसी भी कार्यकारी/विभाग में सामान्य प्रकृति के कार्य हेतु निबंधित स्थानीय सवंदेक को निविदा में भाग लेने की अनुमति दी जायेगी।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गिरिडीह, तृतीय तल्ला, नया समाहरणालय भवन, पपरवाटांड़, गिरिडीह, झारखण्ड– 815301
7. ई–निविदा प्रकोश्ठ का दूरभाष सं0–06532–225381

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल, गिरिडीह

PR 346243 (REO)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गिरिडीह
E-Mail Id :- eereogiridih@gmail.com

–:कोटेशन आमंत्रण सूचना:–

ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गिरिडीह अधीन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (RCPLWEA) अन्तर्गत स्वीकृत योजना मधुबन शिखरजी पथ (कुल लंबाई 15.505 कि0मी0) में वन भूमि से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु परामर्शी नियुक्त करने हेतु निम्न शर्तों के अधीन कोटेशन आमंत्रित किया जा रहा है।

Sl. No.	Description of Item	Work Time Period
1.	Work regarding p reparation, application and follow up of Wild Life Clearance proposal for the PMGSY Scheme "Madhuban to Shikharji Road" on Parasnath Hill. Package No.:- JH-LWE-GIR-03/21-22 Length:- 15.505 Km Block:- Pirtand District:- Giridih (Jharkhand)	30 Working Days

नियम एवं शर्तें :–

1. कोटेशन दाता झारखण्ड राज्य का होना चाहिए।
2. कोटेशन दाता को पेन कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना होगा।
3. कोटेशन दाता को झारखण्ड राज्य में GST निबंधित होना अनिवार्य होगा। इस हेतु GST निबंधन प्रमाण–पत्र संलग्न करना होगा, साथ ही आयकर अधिनियम के अन्तर्गत निबंधित होना भी अनिवार्य होगा। GST एवं आयकर का अद्यतन रिर्टन दाखिल किया हुआ होना चाहिए।
4. कोटेशन दाता को संबंधित कार्य का 3 वर्ष का कार्यानुभव प्रमाण–पत्र संलग्न करना होगा।
5. कोटेशन दाता को स्वच्छ आचरण धारी होना चाहिए। इस हेतु सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत अद्यतन आचरण–प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न करना होगा।
6. कोटेशन दाता के पास संबंधित कार्य हेतु पर्याप्त Man Power होना चाहिए, जिससे संबंधित शपथ–पत्र संलग्न करना होगा।
7. कोटेशन दर सभी कर सहित होना चाहिए।
8. सफल कोटेशन दाता को अनुमोदित कोटेशन राशि का 5 प्रतिशत अग्रधन की राशि FD के रूप में जमा करना होगा।
9. सफल कोटेशन दाता का भुगतान नियमानुसार सभी करों की कटौती कर की जायेगी।
10. कोटेशन आमंत्रण सूचना के शर्तों में परिवर्तन किया जा सकता है।
11. आमंत्रित कोटेशन को बिना कारण बताए अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

उक्त आलोक में इच्छुक परामर्शी दिनांक 10.02.2025 से 20.02.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक बन्द लिफाफा के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कोटेशन जमा कर सकते है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल, गिरिडीह

PR 346240 REO(24-25).D

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, गिरिडीह
सर्वसाधारण के लिए सूचना

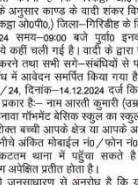

आरती कुमारी, उम्र–करीब–16 वर्ष, लंबाई– करीब चार फीट दो ईन्च , गॉभमेंट बेसिक स्कुल का स्कुल ड्रेस पहनी हुई है।

सर्वसाधारण को सूचित करना है कि भरकट्टा ओ0पी0 सन्हा सं0–07/24, दिनांक–14.12..2024 के अनुसार काण्ड के वादी शंकर विश्वकर्मा ग्राम–केन्दुवाडीह पो0–गादी, थाना–(भरकट्टा ओ0पी0,) जिला–गिरिडीह के लिखित आवेदन के आधार पर दिनांक–13.12.2024 समय–09:00 बजे पुर्वा0 इनकी पुत्री आरती कुमारी, उम्र–16 वर्श बिना बताये कहीं चली गई है। वादी के द्वारा उल्लेख किया गया है कि हर तरह से खोजबीन करने तथा सभी सगे–संबंधियों से पता करने पर इनका कुछ पता नहीं चलने के संबंध में आवेदन समर्पित किया गया है। इस सम्बन्ध में भरकट्टा ओ0पी0 सन्हा सं0–07/24, दिनांक–14.12.2024 दर्ज किया गया है। उक्त लापता बच्ची का हुलिया निम्न प्रकार है:– नाम आरती कुमारी (उम्र–16 वर्श), उँचाई–करीब चार फीट दो ईन्च, पहनावा गॉभमेंट बेसिक स्कुल का स्कुल ड्रेस पहनी हुई है।

यदि उपरोक्त बच्ची आपके क्षेत्र या आपके आसपास नजर आती है तो इसके संबंध में कृपया नीचे अंकित मोबाईल नं0/फोन नं0 पर सूचना उपलब्ध करा सकते है। अथवा निकटतम थाना में पहुँचा सकते है। इसकी खोजबीन हेतु जनसाधारण का सहयोग अपेक्षित प्रतीत होता है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त बच्ची कही मिलती है तो इसके संबंध में पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में अथवा संबंधित थाना में निम्नांकित फोन नं0 पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दे।

पुलिस अधीक्षक,गिरिडीह–94317 06326
भरकट्टा ओ0पी0 प्रभारी– 82105 66388

पुलिस अधीक्षक,गिरिडीह।

PR 346246 Police(24-25)D

महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या पहुंची 45 करोड़ पार

महाकुंभ नगर (ईएमएस): महाकुंभ मेले में संगम में स्नान करने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और आम स्नानार्थियों की संख्या मंगलवार को ४५ करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को दोपहर १२ बजे तक १० लाख कल्पवासियों समेत कुल ८१.६० लाख लोगों ने स्नान किया और १३ जनवरी से अभी तक ४५.५८ करोड़ से अधिक लोग स्नान कर चुके हैं।

बयान के मुताबिक, मंगलवार की सुबह ८ बजे ही महाकुंभ में ४५ करोड़ स्नानार्थियों की संख्या पार हो गई। मंगलवार को सुबह ८ बजे तक करीब ५० लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। संभावना है कि स्नानार्थियों की संख्या ५०-५५ करोड़ के ऊपर जा सकती है। यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक ८ करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि ३.५ करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और ३० जनवरी को दो-दो करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर १.७ करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई।

इसके अलावा बसंत पंचमी पर २.५७ करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में स्नान किया था। माघ पूर्णिमा से पहले भी प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर पवित्र स्नान के लिए पहुंच रहे हैं।

एक ओर नित नए रिकार्ड बन रहे हैं वहीं दूसरी ओर महाकुम्भ प्रयागराज २०२५ में भीड़ के चलते कई किलोमीटर तक का जाम लग गया है, एक तरफ जहां पुलिस प्रशासन प्रयागराज में सटे बॉर्डर से लोगों को वापस भेज रहा है तो वहीं, दूसरी ओर प्रयागराज के अंदर चौराहों पर गाड़ियां रेंगने को मज़बूर हैं। भारी भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ी बैठक भी की।

इस बैठक में उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि महाकुंभ में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, साथ ही किसी भी तरह कि लापरवाही बर्दश्त नहीं की जाएगी। अब कल १२ फरवरी से माघ महिने का पांचवा माघ पूर्णिमा स्नान होगा।

जिसको लेकर प्रयागराज में एक बार फिर से जन सैलाब उमड़ने लगा है, ऐसे में सीएम योगी ने बेहतर ट्रॉफिक व्यवस्था और क्राउड मैनेजमेंट को सख्त निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने २८ पीसीएस अधिकारियों की ड्यूटी महाकुंभ में लगाई हैं, जबकि पहले से ही दो बड़े अधिकारी मेला क्षेत्र की व्यवस्था संभाल रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियो संग बैठक कर महाकुंभ की व्यवस्थाओ की समीक्षा की। इसके साथ ही सोमवार देर रात उन्होंने प्रयागराज कौशाम्बी, कानपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, अयोध्या, मीरजापुर, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, मदोही, रायबरेली, गोरखपुर, महोबा और लखनऊ आदि जनपदों में तैनात पुलिस अधिकारी, मंडलायुक्त और जिला प्रशासन के अधिकारियो को कड़े दिशा निर्देश जारी किए।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लगातार आगमन से अयोध्या और वाराणसी में भी काफी भीड़ देखने को मिल रही हैं। जिसकी वजह से सड़कों पर गाड़ियां रेंग रही हैं। यही हाल दो पहिया वाहनों का भी है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने अयोध्या और वाराणसी के सभी स्कूलों में ११ फरवरी से १४ फरवरी तक छुट्टी करने का फैसला किया हैं। इसके साथ ही शहर में सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर निगरानी भी की जा रही हैं।

महाकुंभ में उमड़े श्रद्धालुओं से अखिलेश परेशान : केशव प्रसाद मौर्य

मेरठ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव की पार्टी समाजवादी पार्टी (सपा) को चुनावी माहौल में भिगोने का आरोप लगाते हुए उनके सोशल मीडिया पोस्टिंग को लेकर तंज उड़ाया। मौर्य ने ट्वीट किया कि अखिलेश यादव की सपा को महाकुंभ में श्रद्धालुओं के उमड़ने की परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी एक अव्यवस्थित पार्टी है जिससे कुछ नहीं हो सकता है।

समाजवादी पार्टी के बारे में उन्होंने कहा कि अगर वो लोकसभा चुनाव जीतती है तो सब ठीक है, लेकिन हारने पर उन्हें सब खराब लगता है। मौर्य ने अखिलेश यादव की पार्टी को महाकुंभ में श्रद्धालुओं के संदर्भ में किए गए तीखे वक्तव्य के साथ चुनावी परिस्थितियों के मंच पर रोशनी डाल दी।

उन्होंने कहा कि ऐसे व्यवहार बिल्कुल उचित नहीं है और इससे उनकी पार्टी को भी नुकसान हो सकता है। मौर्य ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी को व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है और उन्हें सोशल मीडिया पर अव्यवस्था बढ़ाने की जगह, फिजिकल मीडिया के माध्यम से अच्छी योजनाओं की प्रचार-प्रसार करना चाहिए। मौर्य ने अपने बयान में गुंडों और माफियाओं के खिलाफ भाजपा की सकारात्मक कार्रवाई की तारीफ की और जनता का आशीर्वाद मिलने की बात कही।

उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता का अच्छा समर्थन मिल रहा है जिसका सबूत यह है कि विकास के मामले में लोग उन्हें विश्वास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और किसी भी पार्टी को हर खिलाफ कुछ भी बोलने की जरूरत नहीं है। अगले संदर्भ में, केशव प्रसाद मौर्य ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के कार्यकाल की सख्त आलोचना की और उन्हें कूड़े का ढेर करने के लिए जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने आम आदमी पार्टी के फिटने को खुलकर दर्शाते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने विकास की मांग की है, न कि विवादों और भ्रष्टाचार की। मौर्य ने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी ने जनता को केवल झूठ और लूट के द्वारा भरोसा जितने की कोशिश की है जो लोगों द्वारा नकारी गई है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है और उसे बेहतर बनाने का काम केवल भाजपा कर सकती है।

33 दिन में गाय को राष्ट्रमाता घोषित करे सरकार : शंकराचार्य

प्रयागराज (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में ज्योतिष पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंगलवार को सरकार को अल्टिमेटम दिया है। उन्होंने देश में गो हत्या पर प्रतिबंध लगाने और गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने पर निर्णय लेने के लिए केंद्र सरकार को ३३ दिनों का समय दिया है। यहां शंकराचार्य शिविर में जगद्गुरु शंकराचार्य ने कहा कि शास्त्रों में उल्लेख है कि गाय के शरीर में ३३ कोटि देवी देवताओं का वास है। उन्होंने कहा कि हम पिछले डेढ़ साल से गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए आंदोलन चला रहे है।

अब हमने निर्णय किया है कि माघी पूर्णिमा के अगले दिन (बृहस्पतिवार) से हम ३३ दिनों की यात्रा निकालेंगे। उन्होंने कहा कि यह ३३ दिन की यात्रा १७ मार्च को दिल्ली जाकर पूर्ण होगी। केंद्र सरकार के पास निर्णय करने के लिए ३३ दिनों का समय है। यदि वह इन ३३ दिनों में कोई निर्णय नहीं करती तो हम १७ मार्च को शाम पांच बजे के बाद कोई कड़ा निर्णय करेंगे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हमारी सरकार से मांग है कि गाय को पशु की श्रेणी से हटाकर राष्ट्र माता घोषित किया जाए और गोहत्या को अपराध माना जाए। प्रदेश सरकार स्कूलों के पाठ्यक्रम में गाय को शामिल करने जा रही है। लेकिन वहां भी अगर गाय को पशु बताया जाता है तो इसका क्या लाभ।

महाकुंभ से वाराणसी पहुंचे अखाड़े के साधु-संत, चुनाव पर होगी चर्चा

प्रयागराज (ईएमएस): प्रयागराज महाकुंभ के तीन अमृत स्नान पूरे होने के बाद सभी अखाड़े वाराणसी पहुंचे हैं। वाराणसी में होने वाले समागम को साधु-संतों का कुंभ कहते है। इसमें लोगों की मौजूदगी न के बराबर होती है।

दरअसल, ये समागम अखाड़ों के चुनाव के लिए होता है। यहां अखाड़ों की सरकार तय होती है, जो अगले ३ और ६ साल के लिए चुनी जाती है। चुनाव का ये क्रम प्रयागराज में कुंभ से अर्द्धकुंभ और अर्द्धकुंभ से कुंभ, इसी तरह चलता है।

देश में १३ अखाड़ों को धार्मिक तौर पर मान्यता प्राप्त अखाड़े माना जाता है। इसमें श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी, श्री शंभू पंचायती अटल अखाड़ा, अखिल भारतीय श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़ा, अखिल भारतीय श्री पंच दिगंबर अनी अखाड़ा, श्री पंचायती आनंद अखाड़ा, श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा, श्री पंच अग्नि अखाड़ा महाराज, श्री तपोनिधि पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा, श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा, अखिल भारतीय श्री पंच निर्वाणी, श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण, श्री पंचायती नया निर्वाण उदासीन अखाड़ा और श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा शामिल हैं।

इन अखाड़ों के पास पूरे देश में मठ-मंदिर सहित करोड़ों की जमीन और अन्य संपत्ति है। सिर्फ निरंजनी अखाड़े के पास मठ-मंदिरों और अन्य जमीनों की कुल संपत्ति ३०० करोड़ रुपए से ज्यादा की है। प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक, उज्जैन, मिर्जापुर, माउंटआबू, जयपुर, वाराणसी, नोएडा, बडोदरा में निरंजनी अखाड़े के मठ और आश्रम हैं।

इसी तरह निर्वाणी अखाड़े के पास फैजाबाद, गोंडा, बस्ती, प्रतापगढ़ में काफी जमीनें हैं। निर्मोही अखाड़े की बस्ती, मानकपुर आदि शहरों में काफी जमीन है। जूना अखाड़े के देशभर में ५० हजार मठ-मंदिर हैं। सभी १३ अखाड़ों के पास करोड़ों रुपए की संपत्तियां हैं। इनकी देख-रेख के लिए अखाड़े में ८ श्रीमहंतों के समूह अष्टकौशल होते हैं। अलग-अलग अखाड़ों में इनका कार्यकाल ३ से लेकर ६ साल रहता है।

कुशीनगर में मस्जिद पर चला योगी का बुलडोजर

कुशीनगर(ईएमएस): जिले के नगर पालिका हाटा में मदनी मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने की घटना ने राजनीतिक रंग ले लिया है। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल कुशीनगर में घटनास्थल पर जाएगा। इस मामले में जिन लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है, उनके परिजन से मुलाकात करने के साथ ही पूरी जानकारी को प्रदेश कार्यालय में प्रस्तुत करेगा।

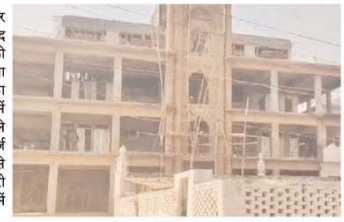

कुशीनगर जिले के नगर पालिका हाटा में मदीनी मस्जिद को लेकर छिड़े विवाद के बीच प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए मस्जिद को बुलडोजर से तोड़ दिया। प्रशासन का दावा है कि यह मस्जिद का कुछ हिस्सा अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बनाई गई थी। अब समाजवादी पार्टी का डेलिगेशन आज घटनास्थल पर पहुंचेगा। इसमें नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के साथ ही इलाके के कद्दावर नेताओं में शुमार ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी, राधेश्याम सिंह, बालेश्वर यादव सहित अन्य लोग शामिल रहेंगे। मदनी मस्जिद पर ऐक्शन के दौरान प्रशासन ने सख्त रूप दिखाया।

कई थानों की फोर्स और पीएसी तैनात रही। अब इस घटना की पूरी जानकारी तथा पीड़ित परिवार से मिलने हेतु प्रतिनिधि मंडल हाटा जनपद कुशीनगर पहुंचेगा। रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे। मदनी मस्जिद पक्षकारों को नगर पालिका के द्वारा ३ बार नोटिस जारी कर उसने नक्शा और उससे जुड़े पत्रावली पेश करने के लिए कहा गया था। हालांकि समयबद्ध पेश नहीं किए जाने के बाद, प्रशासन की मौजूदगी में योगी का बुलडोजर गरजा। फिर मदनी मस्जिद का जो हिस्सा सरकारी जमीन में आ रहा था, उसे बुलडोजर के माध्यम से ध्वस्त कर दिया गया। मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

स्कूल में एल्बेंडाजोल की गोली खाने से छात्रों की बिगड़ी तबीयत

पटना (ईएमएस): बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के सरकारी स्कूल में एल्बेंडाजोल की गोली खाने के बाद दो दर्जन से अधिक छात्र बीमार पड़ गए। यह घटना उत्क्रमित मध्य विद्यालय में हुई।

घटना के बाद छात्रों की तबीयत बिगड़ने से उनके परिजन घबराए और उन्होंने स्कूल में हंगामा शुरु कर दिया। इतना ही नहीं गुस्साए अभिभावकों ने कुछ समय के लिए स्कूल के सभी शिक्षकों को बंधक बना लिया। स्थिति को संभालने के लिए एक मेडिकल टीम तुरंत स्कूल पहुंची और बीमार छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।इलाज के बाद सभी छात्रों की हालत में सुधार हुआ।

दरअसल, स्वास्थ्य विभाग पूरे जिले में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान चला रहा है, इसमें सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को एल्बेंडाजोल और डीसी फोर्ट की दवा दी जा रही है। सोमवार को दवा लेने के बाद कई बच्चों ने उल्टी और पेट दर्द की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा।

मेडिकल टीम ने सभी प्रभावित छात्रों का तुरंत इलाज किया। जिन बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया गया, उसमें अंशु कुमारी, अदिति कुमारी, ज्योति कुमारी, साहीदा खातून, लाडली प्रवीण, कुसमुन खातून शामिल हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में परिवादी से जिरह पूरी

सुलतानपुर (ईएमएस): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के केस में मंगलवार परिवादी से बचाव पक्ष की जिरह पूरी हो गई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में बचाव पक्ष ने परिवादी विजय मिश्र से जिरह पूरी कर ली है। कोर्ट ने शेष साक्ष्य की सुनवाई के लिए २४ फरवरी की तारीख नियत कर दी है। बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त २०१८ को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है।

विपक्ष ख्याली पुलाव पका रहा हैं : राज्यसभा सांसद

पटना (एजेंसी): राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा बहुत बड़ा बयना दिया है. उन्होंने कहा कि मणिपुर के सीएम ने इस्तीफा किस कारण से दिया है, मुझे इस बात की जानकारी अधिक नहीं है, इस्तीफा दिया है तो सोच समझ कर दिया होगा, पार्टी से

कुछ निर्देश प्राप्त हुआ होगा. राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने आगे कहा कि बिहार में स्पष्ट है कि एनडीए की सरकार बनेगी और बहुत ढंग से सरकार बनेगी.

राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने विपक्ष पर तंज करते हुए कहा कि विपक्ष ख्याली पुलाव पका रहा है. बिहार में १०० प्रतिशत गारंटी है कि एनडीए की सरकार बनेगी. उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रात-दिन मेहनत कर रहे हैं, प्रगति यात्रा के दौरान लोगों के बीच जा रहे हैं, लेकिन कुछ लोग इसी बीच में टिप्पणी कर रहे हैं, करने वाले करते रहे, मुख्यमंत्री मजबूती से कम कर रहे हैं.

वहीं, सीएम नीतीश कुमार के बेटे नीतीश कुमार के राजनीति में एंट्री पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि उसके बारे में मुझे कुछ नहीं पता, कोई जानकारी नहीं है. राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष ने दिल्ली चुनाव पर भी बयान दिया. उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता का निर्णय है, ऐसा ही निर्णय जनता लेने वाली है ऐसा पहले से लग रहा था. अरविंद केजरीवाल के खिलाफ काफी गुस्सा था, बीजेपी की सरकार वहां बनने जा रही है अच्छी बात है.

जीवन भर वीवीआईपी ट्रीटमेंट लेने वाले लोग आज महाकुंभ को बदनाम कर रहे है : योगी

लखनऊ (ईएमएस): पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों की प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी की अंत्योदय की सोच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी तरह से साकार हो रही है।

सीएम योगी ने महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार करने वालों पर भी करारा प्रहार किया। योगी ने कहा कि जीवन भर वीवीआईपी ट्रीटमेंट लेने वाले लोग आज महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार करने में जुटे हैं। पंडित उपाध्याय के आदर्शों को याद कर मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति का कल्याण और विकास पंडित उपाध्याय जी का सपना था। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की डबल इंजन सरकार उपाध्याय जी के सपनों को पूरा करने के लिए जी-जान से जुटी है। पंडित उपाध्याय का यह मत था कि किसी भी देश की प्रगति का मापदंड ऊंचे पायदान पर खड़े व्यक्ति की समृद्धि से नहीं बल्कि सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर से होना चाहिए। उनकी इसी सोच को केंद्र में रखकर प्रधानमंत्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा दिया।

सीएम योगी ने कहा कि बीती सरकारों ने गरीबी हटाने के बड़े-बड़े नारे दिए, लेकिन गरीबों की संख्या लगातार बढ़ती रही। वहीं, मोदी सरकार ने पिछले ११ वर्षों में गरीबों को सशक्त बनाने का कार्य किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, शौचालय निर्माण, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा की।

उन्होंने बताया कि अब तक ४ करोड़ गरीबों को मकान मिले हैं, १२ करोड़ शौचालय बने हैं, १० करोड़ लोगों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिया गया है और २० करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। ये सभी योजनाएं अंत्योदय के मंत्र को साकार कर रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष द्वारा महाकुंभ को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में २९ दिन में ४५ करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है, जो एक ऐतिहासिक घटना है। भारत और चीन के बाद दुनिया के किसी देश की आबादी ४५ करोड़ नहीं है, एक अस्थायी शहर में ४५ करोड़ से अधिक श्रद्धालु आकर डुबकी लगाए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस वीआईपी स्नान से जोड़कर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि महाकुंभ समरसता और आस्था का संगम है, जहां जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के भेदभाव को खत्म करके सभी श्रद्धालु एक साथ जुड़ते हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने जीवन भर सरकार से वीवीआईपी ट्रीटमेंट लिया है और अपनी जाने वाली पीढ़ी के लिए एक रास्ता खोलने का प्रयास किया था।

सीएम योगी ने विकास कार्यों में बाधा पहुंचाने वाले लोगों पर भी तंज कर कहा कि जब भी कोई नई योजना शुरू होती है, तब कुछ लोगों को केवल कमियां दिखाने लगती है। उन्होंने कहा कि 'जब पाइपलाइन बिछाई जाती है, तब सड़क खुदाई के कारण खराब हो जाती हैं, लेकिन जब वह कार्य पूरा होता है, तब लोगों को सुविधा मिलती है।'

प्रयागराज में वाहनों की एंट्री पर रोक पेट्रोल-डीजल की कमी

प्रयागराज (ईएमएस): महाकुंभ में देश के कोने-कोने से लोग पहुंच रहे हैं, जिसके चलते शहर में भारी वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी है, जिससे अब शहर में जरुरी सामान की दिक्कत होने लगी है। पेट्रोल-डीजल से लेकर खाने-पीने के सामने व अन्य खाद्य पदार्थों की सप्लाई नहीं हो पा रही है। जिले की सीमा पर ही भारी मालवाहक वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग गई हैं।

कई टैंकर जाम में फंस गए हैं, वाहन पर रोक के कारण शहर तक सामान नहीं पहुंचा पा रहा है। आलम ये है कि अब शहर में पेट्रोल डीजल की भी कमी हो गई है। कई पेट्रोल पंप खाली हो गए हैं तो वहीं लोगों को इंतजार के बाद पेट्रोल मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों के लिए परेशानियां और बढ़ गई है। पेट्रोल-डीजल की कमी की वजह से उनके वाहन चलना बंद हो गए हैं जिसके चलते उन्हें आने-जाने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पेट्रोल पंप मालिकों का कहना है कि टैंकर रास्ते में जाम में फंसे हैं।

परेशानी सिर्फ पेट्रोल और डीजल तक ही सीमित नहीं है अब कच्चे माल की कमी भी हो रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कुंभ में परेशान हो रहे श्रद्धालुओं और लोगों को लेकर प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जाम की वजह से लोगों को न तो खाने-पीने का सामान मिल रहा है और न ही अन्य सुविधाएं। लोग एक जगह से दूसरी जगह भटकने को मजबूर हैं। प्रयागराज स्थित नैनी औद्योगिक क्षेत्र में माल वाहक वाहनों के नहीं आने से उद्योगों में कच्चा माल नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे उद्यमियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है और वह निराश हैं। उन्होंने इस संबंध में ट्रैफिक पुलिस और बड़े अधिकारियों से गुहार लगाई है कि इस समस्या से निजात दिलाई जाए ताकि उनकी गाड़ियां उद्योगों तक आ सकें और उन्हें कच्चा माल मिल सके।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के आने से जहां होटल, खाने-पीने की दुकानों पर सामान की मांग में तेजी आई है तो वहीं इन सामानों की आपूर्ति नहीं हो पाने से अब जरूरी सामान भी नहीं मिल पा रहा है। मालवाहक वाहनों की नो एंट्री से शहर में खाद्यान्न संकट गहरा जा रहा है।

व्यापारियों का कहना है कि उनके आटा, चावल, चीनी से लदे ट्रक शहर में नहीं आ रहे हैं, जिससे ये सामान भी शहर वासियों को नहीं मिल पा रहा है और वह परेशानी झेल रहे हैं।

1996 से बंद बेकन फैक्ट्री को पुनर्जीवित किया जाएगा:शिल्पी नेहा तिर्की

रांची (एजेंसी): रांची के कांके में स्थित १९९६ से बंद बेकन फैक्ट्री को पुनर्जीवित करने की पहल अब दिखने लगी है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने आज इस फैक्ट्री का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद मंत्री ने कहा कि इस बंद फैक्ट्री को पुन: शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी चर्चा की गई है।

एक समय में यह फैक्ट्री एशिया की सबसे बड़ी बेकन फैक्ट्री हुआ करती थी, लेकिन महज २५ हजार रुपए की वजह से यह बंद हो गई। सूकर मांस के विभिन्न प्रकार के रेडी-टू-इट व्यंजन तैयार कर रैनबेक ब्रांड के नाम से ब्रांडिंग की जाती थी। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि इस फैक्ट्री के फिर से शुरू होने से सूकर पालन से जुड़े लोगों को लाभ होगा। सूकर पालकों के व्यवसाय में वृद्धि होगी। इसके साथ ही मंत्री ने यह भी कहा कि ब्यूरोक्रेट्स पर पूरी तरह से निर्भर रहकर किसी काम को नहीं छोड़ा जा सकता है। हमें अपनी इच्छाशक्ति से काम करते हुए सकारात्मक परिणाम हासिल करने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत वितरण किए जा रहे पशु अगर विभाग के फार्म सेंटर में तैयार किए जाएं, तो यह और भी बेहतर होगा। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने क्षेत्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र और बत्तख प्रजनन प्रक्षेत्र, होटवार की स्थिति देखकर नाराजगी जताई। यहां बनाए गए शेड की गुणवत्ता बेहतर नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों को फटकार भी लगाई।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने स्पष्ट शब्दों में भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री ने पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान (ख-वक्ष) और टीका औषधि लैब के बेहतर उपयोग पर बल दिया और कहा कि विभाग हर स्तर पर सहयोग करने के लिए तैयार है।

नाबार्ड और जेएसएलपीएस ने किये एमओयू पर हस्ताक्षर, विकास और रोजगार को मिलेगी गति

रांची (एजेंसी): नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड) और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) ने आज एक महत्वपूर्ण समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ग्रामीण विकास और आजीविका संवर्धन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

इस समझौते के तहत नाबार्ड और जेएसएलपीएस संयुक्त रूप से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) के लिए ग्रामीण हाटों की स्थापना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओएस) और ग्रामीण उद्यमियों को तकनीकी सहायता, क्षमता निर्माण और बाजार से जोड़ने के लिए कार्य करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर बनाना और सतत विकास को बढ़ावा देना है।

यह साझेदारी न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगी, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमों को भी मजबूती प्रदान करेगी। आगामी वर्षों में, नाबार्ड और जेएसएलपीएस विभिन्न विकास परियोजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए रणनीतिक कदम उठाएंगे।

इस समझौते ज्ञापन (एमओयू) पर जेएसएलपीएस के मुख्य परिचालन पदाधिकारी, बिष्णु सी परिदा और नाबार्ड के महाप्रबंधक (जीएम), सुमन एस साहू ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर नाबार्ड के अन्य डीजीएम स्तर के अधिकारी और जेएसएलपीएस के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक (फार्म एवं नॉन-फार्म) भी उपस्थित रहे।

स्कॉलरशिप के लिए ई-कल्याण पोर्टल पर फर्जीवाड़ा, 10 लोगों पर मामला दर्ज

रांची (एजेंसी): झारखंड में मंईयां योजना और शिक्षा विभाग से जुड़े फर्जीवाड़े की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, और अब एक नया मामला सामने आया है, जिसमें ई-कल्याण पोर्टल पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर छात्रवृत्ति लेने की कोशिश की गई। यह घटना सिद्धनाथ बी एड कॉलेज, जपला से जुड़ी हुई है, जहां पर १० लोगों ने फर्जी कॉलेज प्रमाण पत्र और अंक पत्र प्रस्तुत कर सरकारी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया था। सिद्धनाथ बी एड कॉलेज के प्रोफेसर प्रमोद कुमार पांडेय ने इस मामले में हुसैनाबाद थाना में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि १० आवेदकों ने फर्जी कॉलेज बोनाफाइड, अंक पत्र और अन्य दस्तावेजों के माध्यम से झारखंड सरकार के ई-कल्याण पोर्टल पर छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया था। इन फर्जी आवेदकों में शालिनी कुमारी, बैगनी देवी, गीता कुमारी, पूजा कुमारी, कविता कुमारी, गीता देवी, रेखा देवी, ऋतिका रोशन, सुमन देवी और उषा देवी के नाम शामिल हैं।

ई-कल्याण पोर्टल पर किए गए फर्जी आवेदन को जिला कल्याण पदाधिकारी ने रद्द कर दिया और इसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को जांच के निर्देश दिए। अब पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की जांच जारी है।

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने पर्यटन विकास के लिए नई योजनाओं पर की चर्चा, जलप्रपातों के विकास का लिया गया निर्णय

रांची (एजेंसी): रांची के उपायुक्त मंजूनाथी भजंत्री ने आज जिला पर्यटन संवर्धन परिषद् की शासी निकाय और कार्यकारिणी समिति की संयुक्त बैठक की। इस बैठक में २०२३-२४ में किए गए पर्यटन विकास कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी वित्तीय वर्ष के लिए कार्य योजना पर चर्चा की गई। बैठक में बुढ़मू प्रखण्ड के बागलता जलप्रपात और ओरमांझी प्रखण्ड के टूटी जलप्रपात को पर्यटन स्थल के रूप में अधिसूचित करने और वहां विकास कार्य कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही,

बुढ़मू प्रखण्ड के तीरू जलप्रपात की सामूहिक विकास के लिए भी कार्य योजना तैयार करने का प्रस्ताव रखा गया।

समिति ने यह भी निर्णय लिया कि रांची जिले में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी व्यक्ति, एजेंसियां और संस्थाओं को झारखंड टूरिज्म ट्रेड पोर्टल पर अनिवार्य रूप से निबंधन कराना होगा। इसके साथ ही जिलान्तर्गत ट्रैकिंग रूट को भी विकसित किया जाएगा। बैठक में रांची विधायक सीपी सिंह ने पर्यटक स्थलों की साफ-सफाई और सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था करने का सुझाव दिया, जिसे सभी सदस्यगण ने सहमति दी। इस बैठक में रांची विधायक सीपी सिंह, कांके विधायक सुरेश बैठा, उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, और अन्य स्थानीय नेता भी उपस्थित थे।

पैनम कोल मामले में झारखंड सरकार के जवाब पर हाईकोर्ट ने जताया असंतोष

रांची (एजेंसी): पैनम कोल माइंस के खिलाफ अवैध खनन की सीबीआई जांच और विस्थापितों के पुनर्वास की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार की सुनवाई में हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के जवाब से असंतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार द्वारा दिए गए जवाब में स्पष्टता की कमी है।

हाई कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह मामले पर बिंदुवार और स्पष्ट जवाब दाखिल करे। अब इस मामले पर अगली सुनवाई १९ फरवरी को होगी। पैनम माइंस कंपनी को वर्ष २०१५ में झारखंड सरकार ने पाकुड़ और दुमका जिलों में कोयला खनन का लीज दिया था। लेकिन कंपनी पर आरोप है कि उसने खनन लीज से अधिक खनन किया, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ। इस मामले में हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है, और हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है।

झारखंड में सत्ता मजबूत है, लेकिन जनता मजबूर है : सुदेश महतो

रांची (एजेंसी): आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने शहीद वीर तिलका मांझी की जयंती पर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है।

उन्होंने कहा है कि झारखंड में सत्ता मज़बूत है, लेकिन जनता मज़बूर है। उन्होंने यह भी कहा है कि आजसू पार्टी मज़बूर जनता की बुलंद आवाज़ बनेगी और उनके अधिकारों की लड़ाई को और तीव्र करेगी। इसी कड़ी में, उत्तरी छोटानागपुर के जिला अध्यक्षों और प्रमुख नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है, जिसमें संगठन के विस्तार और आगामी रणनीतियों पर चर्चा हुई है। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि उत्तरी छोटानागपुर स्तरीय संगठन की एक अहम बैठक २१ तारीख को मधुबन में होगी, जिसमें जिला, प्रखंड और केंद्रीय नेतृत्व के साथ क्षेत्र के प्रमुख नेताओं की भागीदारी होगी।

सिगरेट उधार नहीं दिया तो दुकानदार पर फरसे से हमला कर हत्या

देवघर (एजेंसी): देवघर जिले के कुंडा थाना क्षेत्र के कटिया गांव में किराना दुकानदार को फरसे से काटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान ५४ वर्षीय गुरुगोविंद पांडेय के रूप में हुई है। मृतक के पुत्र दीपक पांडेय ने गांव के एक निरंजन नाम के पड़ोसी पर फरसे से जानलेवा हमला कर पिता की हत्या करने का आरोप लगाया है। उसने कहा कि उधार में सिगरेट नहीं देने की बात पर उनके पिता की हत्या कर दी गयी।

दीपक पांडेय ने कहा है कि पिता दुकान खोलकर बैठे ही थे कि उधार सिगरेट लेने के बहाने निरंजन पहुंचा। उसके पिता ने उससे कहा कि कुछ देर में देते हैं। इसी को लेकर दोनों के बीच बात बढ़ गयी और घर से फरसा लाकर उसने पिता पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले की जानकारी पाकर वे लोग पहुंच ही रहे थे, तभी उसे और उसके अन्य परिजनों को भागते देखा। दीपक के मुताबिक पुराने जमीन विवाद में षड्यंत्र कर उसके पिता की हत्या की गयी।

परिजन कह रहे हैं कि गुरुगोविंद की हत्या में निरंजन समेत उसके अन्य परिजनों और जमीन पर दावा करने वाले बिहार के दो लोगों की संलिप्तता है। गुरुगोविंद के भतीजे सूरज पांडेय ने बताया कि सोमवार दोपहर बाद करीब ४:३० बजे गुरुगोविंद अपनी दुकान में थे, तभी गांव के निरंजन समेत उसके कुछ परिजन पहुंचे और सिगरेट मांगने के बहाने बकझक किया। इसके बाद मारपीट करते हुए फरसे से हमला कर दिया। फिलहाल कुंडा थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। मंगलवार को पुलिस मृतक के शव का पोस्टमार्टम करायेगी तब परिजनों को सौंपेगी।

रांची के शादी समारोह में फायरिंग डांस कर रहे युवक को लगी गोली

रांची (एजेंसी): रांची के धुर्वा इलाके में एक शादी समारोह के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक घायल हो गया। यह घटना सोमवार रात करीब ११ बजे हुई, जब डांस कर रहे गुलशन पांडेय को गोली लगी। गोली उसकी पीठ में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान समारोह में अफरा-तफरी मच गई, और किसी ने यह नहीं देखा कि गोली किसने चलाई।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक गोली चलाने वाले का पता नहीं चल पाया है। सूत्रों के मुताबिक, घायल युवक का कुछ युवकों से विवाद था, और पुलिस उस एंगल पर भी जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेषांश

एलओसी के नजदीक---

पुष्टि नहीं हुई है। ब्लास्ट की घटना के बाद ही सेना ने इलाके को चारों ओर से घेर लिया और सर्च अभियान तेज कर दिया है। यह घटना तब हुई जबकि फौजी इलाके में गश्त कर रहे थे। ऐसे में सेना के सूत्रों का कहना है कि एलईडी ब्लास्ट आतंकियों की साजिश का हिस्सा हो सकता है। हमलावरों की तलाश में ऑपरेशन जारी है और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। इससे पहले १४ जनवरी को राजौरी के भवानी सेक्टर में लैंडमाइन ब्लास्ट में गोरखा राइफल्स के ६ जवान घायल हुए थे। एलओसी के करीब बार-बार हो रहे धमाके सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गए हैं।

इंडियाज गॉट लेटेंट' के---

था जिसे सभी लोगों ने 'अश्लील' करार दिया. उनके इस सवाल को लेकर अब बवाल मचा हुआ है और इसपर कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है.

मणिपुर विधानसभा का---

कि विधानसभा सत्र की अंतिम बैठक और अगले विधानसभा सत्र की पहली बैठक के बीच छह महीने से अधिक का अंतर नहीं हो सकता है। उन्होंने सवाल किया, ''मणिपुर के राज्यपाल अपने संवैधानिक रूप से अनिवार्य विधानसभा सत्र के लिए मणिपुर विधानसभा की बैठक को न बुलाकर अनुच्छेद १७४(१) का उल्लंघन क्यों कर रहे हैं? जयराम रमेश ने दावा किया कि सत्र को अमान्य घोषित कर दिया गया क्योंकि भाजपा मुख्यमंत्री के उत्तराधिकारी की नियुक्ति नहीं कर सकी जिसके खिलाफ कांग्रेस कल अविश्वास प्रस्ताव लाने वाली थी, जिसके कारण रविवार रात मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

फ्रांसीसी विदेश मंत्री से---

प्रधानमंत्री मोदी अपने दो देशों के दौरे के पहले चरण के तहत फ्रांस पहुंचे। पेरिस पहुंचने पर, उनका भारतीय प्रवासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। शाम को, पेरिस के एलीसी पैलेस में आयोजित रात्रिभोज में राष्ट्रपति मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया, जहां दोनों नेताओं ने एक-दूसरे से मित्रतापूर्ण तरीके से गले मिलकर अभिवादन किया। रात्रिभोज के दौरान प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस से भी मुलाकात की, जो एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए फ्रांस में हैं। यह पीएम मोदी की फ्रांस की छठी यात्रा है, जो दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की बढ़ती गहराई को दिखाती है।

सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता---

और गैस क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी निर्माण को बढ़ावा दे रहा है। सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता २ गीगावॉट से बढ़कर ७० गीगावॉट हो गई है। उन्होंने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का भी जिक्र कर कहा कि इससे नए ग्रीन जॉब्स के मौके बन रहे हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी निर्माण को लगातार बढ़ावा दे रहा है। सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता २ गीगावॉट से बढ़कर ७० गीगावॉट हो चुकी है। उन्होंने 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' का भी जिक्र किया, जिससे नए ग्रीन जॉब्स के मौके बन रहे हैं। इसके साथ ही क्लीन ऊर्जा का भारत का सपना साकार हो रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक निवेशकों को भारत के ऊर्जा क्षेत्र में अपार संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

अपराधी ठहराए जाने के---

तो उसे व्यक्ति के रूप में भी सेवा के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता, लेकिन मंत्री बन सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ५४३ लोकसभा सांसदों में से २५१ पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। उनमें से १७० पर ऐसे अपराध हैं, जिनमें ५ या ज्यादा साल की कैद की सजा हो सकती है। इसके अलावा देश के कई ऐसे विधायक हैं जिन पर केस होने के बाद भी विधायक बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक पूर्ण पीठ ने सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे पर फैसला सुनाया था, इसलिए खंडपीठ द्वारा मामले को फिर से खोलना अनुचित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे को एक बड़ी पीठ के विचार करने के लिए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के समक्ष रखने का निर्देश दिया।

झारखंड लाया जा रहा 16 हजार किलो विस्फोटक बंगाल में जब्त

रांची/कोलकाता (एजेंसी): पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए १६,००० किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया है। यह विस्फोटक अमोनियम नाइट्रेट से भरे ३२० बोरे में छिपा हुआ था, जो तेलंगाना के संगारेड्डी जिले से झारखंड के देवघर जिले के सिरसिया इलाके में ले जाया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, और जांच जारी है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक किस उद्देश्य से ट्रक में लाया जा रहा था।

सोमवार रात करीब १० बजे रामपुरहाट से तारापीठ जाने वाली सड़क पर मुनसुबा मोड़ के पास एक संदिग्ध ट्रक को रोका गया। ट्रक की तलाशी में ३२० बोरे बरामद हुए, जिनमें हर बोरे का वजन ५० किलोग्राम था।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी तिलका मांझी की 275वीं जयंती पर पहुंचे मिहिजाम, अर्पित की श्रद्धांजलि

रांची (एजेंसी): झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मिहिजाम के मुगटोना में बाबा तिलका मांझी की २७५वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि तिलका मांझी भारत के पहले स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी समाज के हितों के लिए संघर्ष किया। जब अंग्रेजों ने आदिवासियों पर नील की खेती का दबाव डाला, तो तिलका मांझी ने इसका विरोध किया, जो एक बड़े आंदोलन में बदल गया। मंत्री ने बताया कि अंग्रेजों ने तिलका मांझी को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह अपने संघर्ष से पीछे नहीं हटे। आखिरकार, अंग्रेजों ने उन्हें पकड़कर फांसी दे दी। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी समाज उनके बलिदान को सम्मान के साथ मनाता है और उनके संघर्ष के परिणामस्वरूप अब आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए नए कानून बनाए जा रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि हेमंत सोरेन की सरकार आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही है। उन्होंने आदिवासी समाज के साथ मिलकर भाजपा को राज्य से बाहर किया और कहा कि अब सरकार आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का धन्यवाद किया और कहा कि यह उनका समर्थन है जो लगातार तीसरी बार उन्हें जीत दिला रहा है। उन्होंने क्षेत्र के लिए एक सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की और एक बड़ी सड़क बनाने का वादा किया। मंत्री ने जनता से अपील की कि वे जात-पात के झगड़ों से बचें और एकजुट होकर विकास की दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि सरकार आदिवासी समाज के सम्मान और अधिकार की रक्षा में पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

ग्रामीण एसपी ने अफीम की खेती नष्ट करने के लिए चलाया अभियान

रांची (एजेंसी): रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र स्थित झटगांव में आज ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में ऑपरेशन अफीम के तहत अफीम विनष्टिकरण अभियान चलाया गया। इस अभियान में ग्रामीण एसपी ने स्वयं अफीम के खेतों में उतरकर डंडे से अफीम के पौधों को नष्ट किया। उनके साथ बुंडू डीएसपी और तमाड़ थानेदार भी थे, जिन्होंने अफीम के पौधे तोड़ते हुए जवानों का उत्साह बढ़ाया। सैकड़ों जवानों को अफीम विनष्टिकरण अभियान में लगाया गया।

रांची के बुंडू और तमाड़ क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अफीम की खेती की गई है, जो अब फल-फूल से लदी हुई है। किसान यहां अफीम निकालने के लिए कुछ स्थानों पर चीरा लगाने भी शुरू कर चुके हैं। इस क्षेत्र में अफीम के पौधे लहलहा रहे हैं, जो पुलिस प्रशासन की जनजागरूकता और डीजीपी की अपील के बावजूद नियंत्रण से बाहर होते दिखाई दे रहे हैं। कई किसान अब धड़ल्ले से अफीम निकालने के काम में जुटे हुए हैं। इस बड़े पैमाने पर अफीम की खेती और उत्पादन को देखते हुए, पुलिस के लिए इन अफीम पौधों को पूरी तरह से नष्ट करना और बाजार तक पहुंचने से रोकना एक बड़ी चुनौती बन गई है।

ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने कहा कि आज तमाड़ प्रखंड के झटगांव में अफीम की खेती को नष्ट किया जा रहा है। इसके साथ ही खेती से जुड़े व्यक्तियों पर मामले दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

यह अभियान लगातार चलता रहेगा और जो लोग भी अफीम की खेती में शामिल हैं, उन्हें चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हाईकोर्ट ने साहेबगंज के तत्कालीन उपायुक्त रामनिवास यादव पर लगाया जुर्माना

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट ने साहेबगंज के तत्कालीन जिला उपायुक्त (डीसी) रामनिवास यादव पर ५०,००० रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने खनन संचालक के खनन पट्टे को अवैध करार देते हुए उसे रद्द करने का आदेश दिया। मंगलवार को चीफ जस्टिस एम.एस.रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की बेंच ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि उपायुक्त के पास खनन पट्टा रद्द करने की कोई कानूनी शक्ति नहीं थी, फिर भी उन्होंने बिना अनुमति के पट्टा रद्द कर दिया।

मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को मिक्स करके चेहरे पर लगाने से दूर होती हैं ये 4 समस्याएं

मुंहासों से मिलेगा छुटकारा

मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल, दोनों ऐसे इंग्रीडिएंट्स हैं, जिनका इस्तेमाल त्वचा की खूबसूरती बढ़ाने के लिए सदियों के किया जा रहा है। पुराने समय से ही मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को त्वचा से जुड़ी समस्याओं का इलाज करने के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल, दोनों त्वचा को ठंडक प्रदान करते हैं। ये त्वचा की जलन, खुजली और इरिटेशन को दूर करने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं, इन दोनों का इस्तेमाल त्वचा की गंदगी और टैनिंग को साफ करने के लिए भी किया जा सकता है। अगर मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को मिक्स करके चेहरे पर लगाया जाए, तो इससे कई स्किन प्रॉब्लम्स दूर हो सकती हैं। मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल त्वचा का निखार बढ़ाने में भी असरदार होते हैं।

1. चेहरे का ग्लो बढ़ाए

चेहरे का ग्लो बढ़ाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को मिक्स करके लगा सकते हैं। मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल में मौजूद गुण, त्वचा का निखार बढ़ाते हैं। गुलाब जल त्वचा के पीएच लेवल को बैलेंस रखता है। इन दोनों को एक साथ मिलाकर लगाने से त्वचा की रंगत में भी सुधार होता है। गुलाब जल डल और बेजान त्वचा से भी छुटकारा दिलाता है।

2. डेड स्किन सेल्स रिमूव करे

डेड स्किन सेल्स त्वचा की खूबसूरती को कम कर सकते हैं। इसलिए डेड स्किन सेल्स को रिमूव करना बहुत जरूरी होता है। इसके लिए आप मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं। मुल्तानी मिट्टी त्वचा पर जमे डेड स्किन सेल्स को आसानी से रिमूव कर देती है। इसके लिए आप मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को मिक्स करके चेहरे पर अप्लाई करें। फिर हल्के हाथों से त्वचा को स्क्रब करें। इससे चेहरे पर जमी गंदगी भी निकल जाएगी।

3. मुंहासों से छुटकारा दिलाए

अगर आप मुंहासों की समस्या से परेशान हैं, तो मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल का पेस्ट लगाना फायदेमंद हो सकता है। मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल, दोनों ही त्वचा को ठंडक पहुंचाते हैं। इससे त्वचा की जलन और खुजली भी शांत होती है। मुल्तानी मिट्टी त्वचा से एक्स्ट्रा सीबम के उत्पादन को रोकता है, जो मुंहासों का कारण बन सकता है। अगर आप कुछ दिनों तक रोजाना मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को मिक्स करके लगाएंगे, तो इससे मुंहासों से पूरी तरह छुटकारा मिल सकता है।

4. त्वचा की विपचिपाहट दूर करे

ऑयली स्किन वालों के लिए मुल्तानी मिट्टी बेहद अच्छी मानी जाती है। मुल्तानी मिट्टी त्वचा से अतिरिक्त तेल को कम करती है। मुल्तानी मिट्टी त्वचा की विपचिपाहट को कम करने में मदद करती है। आप मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को मिक्स करके चेहरे पर लगा सकते हैं। इससे स्किन एकदम क्लीन और साफ नजर आएगी।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल कैसे लगाएं?-

आप चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल मिक्स करके चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं।

इसके लिए आप 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें।

इसमें गुलाब जल मिक्स करें।

अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं।

20-25 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें।

आप रोजाना मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल को मिक्स करके चेहरे पर लगा सकते हैं।

हाइपर बच्चे को कैसे संभाले

छोटे बच्चे अक्सर दूसरे बच्चों को देखकर जिद करते हैं। कई बच्चें बहुत ज्यादा गुस्से वाले होते हैं। इस तरह के बच्चों को कई बार समझालना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि उन्हें समझाने के लिए काफी मेहनत लगती है। कई बार मां-बाप बच्चों से परेशान हो जाते हैं जिसकी वजह से बच्चे और भी ज्यादा चिड़चिड़े होने लगते हैं। जिसकी वजह से आगे कभी बच्चों को शांत करना मुश्किल होता है।

अक्सर गुस्से में आकर माता पिता बच्चों पर हाथ उठा देते हैं, जो बड़े होकर बच्चों के लिए परेशानी का सबब बनते हैं। वो भी यही सीख लेते हैं कि किसी के गुस्से को शांत करने के लिए हाथ उठाना जरूरी है। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं बच्चे को शांत करने के तरीकों के बारे में।

काउंटिंग

गुस्सा आने पर आप बच्चे से कहें कि वह गिनती गिनना शुरू कर दें। ऐसा करवाने के लिए आपको शुरू से ही बच्चों को ये आदत डालनी होगी। गिनती गिनना एक ऐसा तरीका है जो हमेशा काम आता है। ये बड़ों के गुस्से को कम करने में भी कामयाब होता है।

वॉक

अगर आपका बच्चा बहुत ज्यादा टीवी या फिर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता है और आप चाहते हैं कि बच्चा इन सभी चीजों से दूर रहे तो आपको बच्चे को आराम से समझाने की जरूरत है। जैसे ही आप बच्चे को टीवी या मोबाइल चलाने से मना करते हैं तो बच्चे गुस्सा हो जाते हैं ऐसे में आपको उन्हें प्यार से समझाने की जरूरत है। साथ ही उसके अलावा उन्हें पार्क में जाकर वॉक या फिर नेचर के बारे में बताएं। कुछ ऐसी चीज को बताएं जिससे आपका बच्चा आपकी बातों में इंटरेस्ट दिखाने लगे।

बच्चों की बात सुनें

गुस्सा किसी को भी आ सकता है और आपको इस बात को समझने की जरूरत है। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे के गुस्से को शांत किया जाए तो आप बच्चों को समझाने से पहले उसकी बात को सुनें। बच्चे को सुनना बहुत जरूरी है। ऐसा करने से बच्चे को अपनी जरूरत का एहसास होता है।

बच्चे को दें स्पेस

बच्चा चाहें छोटा हो या बड़े गुस्सा होने पर वह अपने पसंदीदा स्पॉट पर बैठता ही है। ऐसे में बच्चों को उसके चिलिंग स्पॉट में बैठने दें और फिर थोड़ी देर बाद आप उस जगह पर जा सकते हैं और अपने बच्चे को समझाने की कोशिश करें।

सहानुभूति

कई माता-पिता की आदत होती है कि वह हर चीज में बच्चे को कोसने लगते हैं और उसकी गलतियां निकालते हैं। ऐसा करने से बच्चों में गुस्सा बढ़ता है और वह जिद्दी हो जाते हैं। ऐसा करने से अच्छा है कि आप अपने बच्चे की बात सुनें और समझाएं। इससे आपके बच्चे के दिल में सहानुभूति की भावना बढ़ती है।

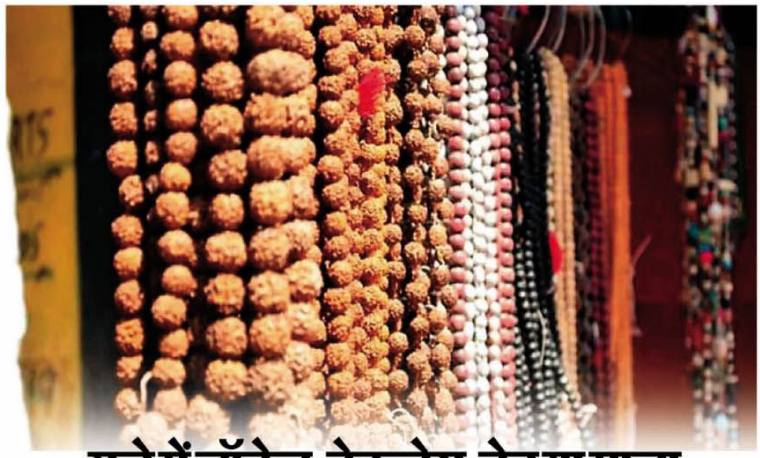

गले में लॉकेट, नेकलेस, चेन या माला पहनने के नुकसान- फायदे

वर्तमान में गले में क्रॉस का चिन्ह लटकाना, गिटार लटकाना, बंदूकी की गोली लटकाना या अपने किसी गुरु का लॉकेट पहने का प्रचलन चल पड़ा है। क्रॉस एक ऐसा चिन्ह है तो हमें कब्रिस्तान की याद दिलाता है। इसके अलावा लोग लोहे, स्टील या जर्मन की धातु का लॉकेट भी पहनते हैं। कोई किसी देवी या देवता का लॉकेट पहनता है तो कोई रुद्राक्ष, स्फटिक या अन्य किसी की माला पहनते हैं। कुछ लोग तो अभिमंत्रित किया हुआ ताबिज पहनते हैं। इससे कितना नुकसान हो रहा है और कितना फायदा यह जानना भी जरूरी है।

हो सकते हैं ये नुकसान

कुंडली का लग्न स्थान है गला - ज्योतिष के अनुसार हाथ पराक्रम भाव है, गला लग्न भाव है और प्रत्येक धातु का एक ग्रह-नक्षत्र है जिसका उस पर प्रभाव होता है। यदि आपकी कुंडली के भाग्य में गुरु बैठा है और आपने गले में सोने की चैन पहनी है तो गुरु भाग्य से उठकर लग्न में बैठकर लग्न का फल देगा। अतः पहले कुंडली जांचे फिर ही कुछ पहनें।

मस्तिष्क पर प्रभाव

गले या हाथ में कुछ तो भी बगैर सोचे-समझे पहने से आपके मस्तिष्क में परिवर्तन तो होता ही है साथ ही आपके रक्तचाप में भी बदलावा आ सकता है। हो सकता है कि इससे धीरे-धीरे आपकी बैचेनी बढ़ रही हो। आपको इसके असर का उसी तरह पता नहीं चलता है जिस तरह की काले या मटमैले रंग के कपड़े पहनने के असर का पता नहीं चलता है।

हृदय और फेफड़े होते हैं प्रभावित

लाल किताब के अनुसार कलाई पर, अंगुलियों में या गले में कोई सी भी धातु को बहुत ही सोच समझ कर पहनना चाहिए यह आपके लिए घातक भी सिद्ध हो सकती है। लाल किताब के अनुसार गला हमारा लग्न स्थान होता है और लॉकेट पहनने से हमारा हृदय और फेफड़े प्रभावित होते हैं। हृदय की धड़कने धीमी पड़ने लगी या और तेज चलने लगी हो?

सोना पहने सोच समझ कर

गले में सोना पहने का अर्थ है कि आपका बृहस्पति ग्रह कुंडली के लग्न भाव में बैठ जाएगा या वहां का असर देगा। वृषभ, मिथुन, कन्या और कुंभ लग्न के लिए सोना धारण करना उतम नहीं होता है। तुला और मकर लग्न के लोगों को सोना कम ही पहनना चाहिए। वृश्चिक और मीन लग्न के लोगों के लिए सोना पहनना मध्यम है। जिनकी कुंडली में बृहस्पति खराब हो या किसी भी प्रकार से दूषित हो ऐसे लोगों को भी सोने के प्रयोग से बचना चाहिए। यदि आप शराब और मांसाहार का सेवन करते हैं तो आपको सोना धारण नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आप समस्याओं से घिर सकते हैं। कहते हैं कि सोना बृहस्पति की पवित्र धातु है और इसकी पवित्रता बनाए रखना जरूरी है।

गंडे ताबीज का नुकसान

मनमाने तरीके या किसी अपवित्र ओझा, तांत्रिक, फकीर, मौलवी या सड़क किनारे ताबीज बेचने वाले लोगों से प्राप्त गंडा या ताबीज आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है। इन गंडे-ताबीजों की पवित्रता का विशेष ध्यान रखना पड़ता है अन्यथा ये आपको नुकसान पहुंचाने वाले सिद्ध होते हैं। जो लोग इन्हें पहनकर शराब आदि का नशा करते हैं या किसी अपवित्र स्थान पर जाते हैं उनका जीवन कष्टमय हो जाता है। मारण, उच्चाटन, वशीकरण, भूत-प्रेत बाधा मुक्ति या धर्मान्तरण आदि के हेतु गंडे या ताबीज का प्रचलन जोरशोर से होता है। अखबारों में लुभावने विज्ञापन या अन्य किसी धर्म प्रचारक की बातें सुनकर सामान्य व्यक्ति उनके जाल में फंस जाता है। गंडा को बाजू में बांधा जाता है। बाजू अर्थात कुंडली का पराक्रम भाव (तीसरा घर) होता है यहां आपको कोई वस्तु धारण करना चाहिए या नहीं, किस धातु की वस्तु धारण करना चाहिए या नहीं यह विचार किया जाता है।

हो सकते हैं ये फायदे

तुलसी की माला

तुलसी के बीजों की माला बहुत ही लाभदायक होती है। तुलसी मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है। श्यामा तुलसी और रामा तुलसी। श्यामा तुलसी की माला धारण करने से विशेष रूप से मानसिक शांति प्राप्त होती है, ईश्वर के प्रति श्रद्धा-भक्ति बढ़ती है, मन में सकारात्मक भावना का विकास होता है, आध्यात्मिक उन्नति के साथ ही पारिवारिक तथा भौतिक उन्नति होती है। रामा तुलसी की माला को धारण करने से व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास में वृद्धि तथा सात्विक भावनाएं जागृत होती हैं। अपने कर्तव्यपालन के प्रति मदद मिलती है। तुलसी की माला में विद्युत शक्ति होती है। इस माला को पहनने से यश, कीर्ति और सौभाग्य बढ़ता है। तुलसी की माला पहनने से बुखार, जुकाम, सिरदर्द, चमड़ी के रोगों में भी लाभ मिलता है। संक्रामक बीमारी और अकाल मौत भी नहीं होती, ऐसी धार्मिक मान्यता है। तुलसी माला पहनने से व्यक्ति की पावन शक्ति, तेज बुखार, दिमाग की बीमारियों एवं वायु संबंधित अनेक रोगों में लाभ मिलता है।

चंदन की माला

चंदन 2 प्रकार के पाए जाते हैं- रक्त एवं श्वेत। चंदन का गुण शीतल है। यदि आपको सर्दी की शिकायत रहती है तो इसे धारण न करें। इससे मंगल ग्रह के दोष भी दूर होते हैं। चंदन की माला धारण करने से नौकरीपेशा में उन्नति तो होती ही है, सभी लोग ऐसे व्यक्ति से खुश रहते हैं और सभी उसके मित्र बने रहते हैं। ऐसे व्यक्ति को सभी ओर से सहयोग प्राप्त होता रहता है। चंदन कई रोगों को शांत करता है, जैसे तृषा, थकान, रक्तविकार, दस्त, सिरदर्द, वात पित्त, कफ, कृमि और वमन आदि। इसके अतिरिक्त इस माला को मानसिक शांति एवं लक्ष्मी प्राप्ति के लिए भी गले में धारण करने से लाभ होता है।

रुद्राक्ष की माला

यह माला किसी ज्योतिष से पूछकर ही पहनें। यह आपके रक्तचाप को कंट्रोल या अनकंट्रोल कर सकती है। यह सर्वकल्याणकारी, मंगल प्रदाता एवं आयुष्यवर्द्धक है। रुद्राक्ष की माला श्रद्धा से पहनने वाले इंसान की आध्यात्मिक तरक्की होती है। पद्म पुराण, शिव महापुराण अनुसार इसे पहनने वाले को शिवलोक मिलता है।

ऊँ बना लॉकेट ही पहनें

ऊँ बना हुआ या फिर हनुमानजी का लॉकेट ही गले में पहनना चाहिए। इसके अलावा आप मात्र एक गोल धातु का लॉकेट भी पहने सकते हैं। धातु का गोल होना इसलिए जरूरी है कि इससे आपके आसपास ऊर्जा का वर्तुल सही बनेगा। इसके और भी कई लाभ हैं। इसके अलावा चक्र, फूल, पान, झूमर, षटकोण या डमरू की आकृती के लॉकेट भी पहने जाते हैं। अन्य प्रकार के लॉकेट नुकसानदायक हैं। हनुमानजी का लॉकेट पहनने से व्यक्ति को आत्मिकबल प्राप्त होता है। इस लॉकेट के कारण भूत, प्रेत, पिशाच या अन्य बुरी शक्तियां व्यक्ति से दूर रहती है। यह लॉकेट किये कारावे और घटना-दुर्घटना से भी रक्षा करता है।

नोट : लॉकेट और गले में पहने जाने वाले मंगलसूत्र में फर्क होता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार मंगल सूत्र के पैंडल की अधिकतर आकृति किसी फूल, झूमर या पान के समान होती है। यह आभूषण के अंतर्गत आता है अतः यह विषय अलग है।

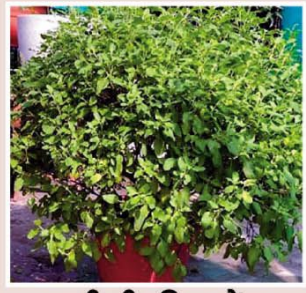

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढ़ता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

इंटरनेट की दुनिया में अधिकतर युवा अपना पार्टनर चुनने के लिए इंटरनेट का सहारा ले रहे हैं। पहले ये ट्रेंड सिर्फ विदेशों में था, परंतु अब भारत में भी आम देखने को मिल रहा है। लेकिन ऑनलाइन पार्टनर का जितना फायदा है, उतने ही नुकसान भी है। अकसर सोशल मीडिया पर पहले दोस्ती, फिर प्यार और बाद में धोखा देने की खबरें सुनने को मिलती है। इसलिए अगर आप भी ऑनलाइन पार्टनर ढूंढ रहे हैं, तो आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप किसी भी तरह के फरेब से बच सकते हैं।

ऑनलाइन पार्टनर ढूंढते समय न करें ये गलतियां

- अगर आपकी बातचीत को थोड़ा समय ही हुआ है, तो सामने वाले से फिलहाल ऐसी कोई पर्सनल बात बिल्कुल शेयर न करें, जिससे आप मुश्किल में पड़ सकते है। जैसे कि अपने घर का पता, फोन नंबर आदि।
- शुरुआत में अपनी बातचीत का दायरा सीमित रखें। ऐसी कोई बात न करें, जिसका सामने वाला कल को फायदा उठा सके।
- सामने वाला आपको अपनी कोई मजबूरी बताकर भी आपसे पैसे ऐंठ सकता है। इसलिए ऐसी बातों के मामले में हमेशा सतर्क रहें।
- जब तक आप सामने वाले के बारे में अच्छी तरह से न जान लें, तब तक अपनी पर्सनल फोटो शेयर न करें।
- कोशिश करें कि ऑनलाइन डेटिंग में मिले शख्स की बातों को ज्यादा गंभीरता से न लें, क्योंकि यह एक छलावा भी हो सकता है।
- ऑनलाइन डेटिंग में मिले शख्स से हमेशा सार्वजनिक जगह पर ही मिलें और हो सके तो अपने साथ किसी खास दोस्त या व्यक्ति को ले जाएं।
- किसी अनजान शख्स की बातों में आकर उसे अपनी पर्सनल तस्वीरें न भेजें। ऐसा करने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें। वर्ना कहीं आपको बाद में पछताना न पड़े।
- चैटिंग पर शादी के वादे करके लड़के और लड़कियों को अपने झूठे प्यार के जाल में फंसाने के भी कई मामले सामने आए हैं। इसलिए अपनी जिंदगी का इतना बड़ा फैसला लेने से पहले अपने परिजनों की राय जरूर लें।

कभी-कभी प्यार में भी पति-पत्नी को करने पड़ते हैं ये समझौते

रिश्ता निभाने का मतलब तभी है, जब उनमें प्यार हो। कभी-कभी इन रिश्तों की बुनियाद बनाए रखने के लिए कुछ बातों को लेकर समझौता भी करना पड़ जाता है। बस ध्यान रखें कि इतना बिल्कुल न झुके कि सामने वाला आपकी इज्जत करना ही भूल जाए। हम आपको कुछ ऐसे ही बातों के बारे में बताएं, जिनमें बैलेंस करके रखना ही जरूरी है। इससे आपका रिश्ता लंबे समय तक खुशहाल रहेगा।

पैरेंट्स को लेकर बात करें

अगर आप अपने पैरेंट्स की चिंता कर सकती है तो आपके पार्टनर को भी उनकी चिंता करने का हक है। भले ही आपकी इन लोंज के साथ न बनती हो लेकिन पार्टनर की खुशी की के लिए उनके मदद करें।

पैसों को लेकर समझौता

कभी भी पैसों को लेकर आपस में लड़ाई न करें। पति के साथ बैठकर डिसाइड करें कि कौन सी चीज ज्यादा जरूरी है। अपनी चीजों(कपड़े, ब्यूटी प्रॉडक्ट, शॉपिंग) को लेकर कभी-कभी समझौता कर लें।

इच्छा न हो, पार्टनर का साथ दें

दिनभर काम करके बकान होना लाजमी है, ऐसे में अगर पार्टनर अपने ऑफिस की पार्टी में जाने को कहें तो न बिल्कुल न करें। पार्टनर की खुशी के लिए पार्टी में जाएं।

खुशी का ध्यान रखें

भले पार्टनर ने आपकी को एक्टपेंसिव गिफ्ट न दिया हो। इस बात को लेकर उनसे लड़ाई करने से बचें, बल्कि उन्हें अहसास दिलाएं कि उनके लिए पैसे से ज्यादा दो मायने रखते है।

तकरार हो तो खुद शांत हो जाएं

रिश्तों में तकरार तो लगी ही रहती है। अगर यह लड़ाई बढ़ जाए तो इसको कम करने के लिए खुद शांत हो जाएं। शायद उन्हें गलती का अहसास हो जाए।

काम में साथ दें

अगर पार्टनर कुछ बड़ा करना चाहता है तो उन्हें उस बात के लिए प्रेरित करें। अगर वह इस सपने को पूरा करने कही बाहर जाना चाहते है तो उनके इस फैसलों को अपना फैसला समझ लें।

संबंध को लेकर समझौता

माना कि आज आप रोमांस करने के मूड में है लेकिन पार्टनर किसी टेंशन में है तो उनपर अपनी मर्जी न थोपें। बल्कि उसकी समस्या को समझकर उसे सुलझाने की कोशिश करें।

गर्भावस्था में पत्नी अपने पति से रखती है ये उम्मीदें

गर्भावस्था वो समय है जब महिलाएं अपने पति से बहुत सारी उम्मीदें रखती हैं। इस दौरान महिलाओं का मूड स्विंग होता रहता है और उन्हें अपने पति की एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। इस नाजुक दौर में हर पति को अपनी पत्नी के बोले बिना ही उसके लिए वह सब करना चाहिए, जिसकी वह उनसे उम्मीद रखती है।

- प्रेग्नेंसी में आपकी पत्नी को खूब सारी एनर्जी की जरूरत होती है। इसलिए इस बात का खास ध्यान रखें कि वह पर्याप्त नींद ले रही है या नहीं। इससे उन्हें भी अच्छा महसूस होगा।
- प्रेग्नेंसी में महिलाएं मोटी हो जाती है। ऐसे में आप उन्हें इस बात का अहसास दिलाएं कि वह कितनी खूबसूरत है। आप अपने प्यार से उनका आत्मविश्वास बनाए रखें।
- हर महिला शिशु की पहली हरकत पर अपने पति की प्रतिक्रिया जानने के लिए उत्सुक रहती हैं। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान आप उनकी हर बात को ध्यान से सुनें।
- गर्भावस्था के दौरान अपने प्यार जताने का तरीका बदलें। चाहें तो पत्नी से पूछ सकते हैं कि आप उनके लिए क्या करें, जो उन्हें अच्छा लगे।
- पत्नी की बोली गई हर बात को दिल पर न लें, क्योंकि इस दौरान मूड स्विंग और कई शारीरिक दिक्कतों के कारण वह परेशान होती हैं।
- पत्नी की गर्भावस्था का समय आप दोनों के रिश्ते के लिए बेहद अहम होता है। यह समय आपके रिश्ते को और मजबूत बनाता है। इसलिए इस दौरान किसी भी तरह की गलती करने से बचें।
- आपकी पत्नी के अंदर आपके बच्चे का विकास हो रहा है, इसलिए आपको अपने शिशु से बात करने का प्रयास करना चाहिए। इससे आप भी अपनी पत्नी की तरह बच्चे से जुड़ पाएंगे।
- दिन में एक बार उनके सिर, पैर, कमर या किसी भी अंग की मालिश करें। आप ये केयरिंग नेचर उन्हें बेहद खुशी देगा।
- आप किताबें पढ़कर उनके शरीर और दिमाग में चल रहे बदलावों के बारे में जान सकते हैं। ऐसी कई प्रेग्नेंसी एप्प भी है, जिनसे टिप्स लेकर आप अपनी पत्नी और होने वाले बच्चे की केयर कर सकते हैं।
- डॉक्टर की अपॉइंटमेंट के लिए हमेशा फ्री रहे, ताकि समय से पत्नी को डॉक्टर के पास ले जा सकें। अगर आप इसे भूल जाते हैं या टाइम से नहीं आ पाते, तो आपकी पत्नी का गुस्सा होना लाजमी है। जबकि प्रेग्नेंसी में आपके जीवनसाथी का खुश रहना बेहद जरूरी है।

सर्दियों के मौसम में इन टिप्स से अपने रिश्ते में भरें रोमांस

अगर आपकी शादी हुई है तो सर्दी का यह मौसम आपके लिए बेहद रोमांटिक बन सकता है। आज हम आपको सर्दी के मौसम में रोमांस करने के ऐसे तरीके बताएंगे, जिससे आपके रिश्ते में प्यार ही प्यार भर जाएगा। इतना ही नहीं आप दोनों के लिए ये सर्दियां इतनी यादगार बन जाएंगी कि आपका पार्टनर इन खास पलों को कभी नहीं भूल पाएगा। जानिए कैसे अपने रिश्ते में लगाएं रोमांस का तड़का -

- सर्दियों में सबसे अच्छा तब लगता है जब आप रजाई में होते है और अगर आप शादीशुदा है, तो यह आपके लिए रोमांस करने का सबसे सही पल हो सकता है।
- कड़ाके की ठंड में रात के समय आग जलाकर अपने पार्टनर के साथ रोमांस करना एक बेहतरीन अनुभव हो सकता है। यह आपकी रात को यादगार बना देगा।
- अगर आप दोनों चाय या काफी पीने के शौकीन है, तो ठंड के मौसम में गर्मा-गर्म चाय/ काफी की चुस्की लेते हुए कोई रोमांटिक फिल्म देखना भी एक अच्छा अनुभव हो सकता है।
- आप किसी रोमांटिक सांग पर कपल डांस भी कर सकते हैं। इस दौरान एक-दूसरे को किस और गले लगाकर अपने प्यार का अहसास करवाएं।
- सुबह जॉगिंग या वर्कआउट के बाद थोड़ी देर पार्क में हाथों में हाथ डालकर बैठें। सुबह के इस छोटे से पल की याद आपकी लव लाइफ में रोमांस भर देगी।

इन मामलों में पार्टनर की सलाह लेना पसंद नहीं करते मर्द

लड़कियों से ज्यादा लड़कों में अपनी बुराई सुनने में चिढ़ होती है। ऐसी बहुत सी आदतें होती हैं, जो लड़के कभी बदलना तो दूर इनके बारे में पार्टनर से कुछ सुनना भी पसंद नहीं करते। कई बार तो पति-पत्नी के बीच ये आदतें लड़ाई का कारण भी बन जाती हैं। आइए जानें किन मामलों में औरतों की सलाह लेनी पसंद नहीं करते मर्द

आदतों के बारे में कमेंट

मर्दों का स्वभाव छोड़ा भड़किला होता है। वह अपनी आदतों को लेकर किसी तरह के कमेंट सुनना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। उन्हें अपनी आदतों के नुकसान के बारे में पता तो होता है लेकिन ईगो के चलते वह इनके बारे में बात तक करना पसंद नहीं करते।

दोस्ती में दखलअंदाजी

लड़कों को अपने दोस्तों से बहुत प्यार होता है। वे अपनी जिंदगी की हर बात सबसे पहले दोस्तों के साथ ही शेयर करते हैं। पार्टनर अगर उन्हें दोस्तों के साथ दूरी बनाने के कहें तो यह बात वह बिल्कुल भी बर्दाशत नहीं करते।

पर्सनेलिटी पर

पुरुषों को अपने कपड़े पहनने, बातचीत करने, उठने-बैठने के बारे में किसी की दखलअंदाजी बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगती। कई बार यह बार पार्टनर के बीच लड़ाई का कारण भी बनता है।

आलोचना करना समझते हैं अधिकार

लड़को को लगता है कि किसी की बात को बारे में आलोचना करने का अधिकार सिर्फ उन्हीं के पास है। कोई उनकी बात को काट नहीं सकता। ऐसे में पार्टनर को प्यार से समझाएं और बदलने की कोशिश करें।

शौक के साथ समझौता

हर किसी का अपना शौक होता है, लड़के इन्हें पूरा करना भी चाहते हैं लेकिन पत्नी ही होती है जो अपने शौक को दबा कर रखती है। पुरुष इस बारे में रोक-टोक तो दूर बात करना भी अच्छा नहीं समझते।

घर में रखें ये चीजें हमेशा रहेगा मूड फ्रेश

घर तब और भी ज्यादा खूबसूरत लगता है जब हर कोना खुशबू के साथ महकता भी हो। घर के इंटीरियर में खूबसूरत कैंडल और एयर फ्रेशनेस भी बहुत खास होते हैं। इससे मूड भी फ्रेश रहता है। आजकल बाजार में कई तरह की मोमबत्तियां आती हैं जो देखने में भी बहुत खूबसूरत होती हैं। आप घर को खूबसूरत बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपना सकते हैं।

पौटपूरी - घर के कोनो में पौटपूरी रख कर आप इसमें अपने पसंदीदा फूलों को रख सकते हैं। इसके लिए पानी में पंखड़ियों को उबाल कर डाल दें। पूरा घर महक उठेगा। बाजार में कई तरह की खुशबू के सूखे फूल आसानी से मिल जाते हैं।

अरोमा कैंडल - बाजार में कई तरह की अरोमा कैंडल आसनी से मिल जाती है। इसकी खुशबू 6-7 घंटे रहती है।

कैंडल वार्मर्स - यह मोमबत्ती की तरह होता है। इसे जलाने पर पूरे घर में भीनी-भीनी खुशबू आती है।

संक्षिप्त समाचार

6 अमेरिकी सांसदों ने रिश्वत घोटाले में गौतम अडानी के खिलाफ नए अटॉर्नी जनरल को लिखा पत्र

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के छह सांसदों ने नवनियुक्त अटॉर्नी जनरल को अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लिए गए ''संदिग्ध फैसलों'' के खिलाफ पत्र लिखा है। इनमें कथित रिश्वत घोटाले में उद्योगपति गौतम अडानी के समूह के खिलाफ अभियोग का मामला भी शामिल है। सांसदों ने पत्र में आशंका जताई कि इससे ''करीबी सहयोगी भारत के साथ संबंध खतरे में पड़ सकता है। लांस गुडेन, पैट फॉलन, माइक हरिडोपोलोस, बैंडन गिल, विलियम आर. टिम्मोंस और ब्रायन बेबिन ने 10 फरवरी को अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पामेला बेदी को पत्र लिखकर ''जो बाइडेन के प्रशासन के तहत डीओजे द्वारा लिए गए कुछ संदिग्ध निर्णयों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उद्योगपति गौतम अडाणी पर अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में सौर बिजली के ठेके हासिल करने के लिए अनुकूल शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 25 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि यह बात अमेरिकी बैंकों और निवेशकों से छिपाई गई, जिनसे अडानी समूह ने परियोजना के लिए अरबों डॉलर जुटाए थे। अमेरिकी कानून विदेशी भ्रष्टाचार के आरोपों पर कार्रवाई करने की अनुमति देता है, बशर्ते कि उनमें अमेरिकी निवेशकों या बाजारों से जुड़े कुछ संबंध शामिल हों। अदाणी समूह ने हालांकि इन आरोपों से इनकार किया है।

जलवायु परिवर्तन पर योजनाओं की उम्मीद, लेकिन ज्यादातर देश नहीं दे पाए समय सीमा तक

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख ने सोमवार की समय सीमा के तहत करीब 200 देशों से अपनी योजनाएं दाखिल करने को कहा था कि वे किस तरह से ऊष्मा-अवरोधक गैसों के उत्सर्जन में कटौती करेंगे। यह दस्तावेज इस सदी में सरकारों द्वारा तैयार किए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण नीति दस्तावेजों में से एक माना गया है। हालांकि, अधिकांश देश समय सीमा तक अपनी योजनाएँ जमा नहीं कर पाएंगे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि जब तक वे इस पर काम कर रहे हैं, तब तक कोई समस्या नहीं है। बता दें कि अब तक 2015 के पेरिस जलवायु समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले 195 देशों में से केवल एक दर्जन देशों ने 2035 तक उत्सर्जन में कटौती के लिए अपनी योजनाएँ प्रस्तुत की हैं। इन देशों का कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन दुनिया के कुल उत्सर्जन का केवल 16.2 प्रतिशत है, और इसका अधिकांश हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका से है। वहाँ, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति जो बिडेन की योजना को खारिज कर दिया था।

सलमान रुश्दी पर हमले के मामले में हादी मटर का मुकदमा शुरू

न्यूयॉर्क , एजेंसी। सलमान रुश्दी पर हमले के मामले में हादी मटर का मुकदमा शुरू हो गया है। सोमवार को अभियोजक ने बताया कि हमला इतना तेज और अचानक हुआ कि रुश्दी और उनके साथी वक्ता हेनरी रीज पहले तो समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है। रुश्दी को अगस्त 2022 में न्यूयॉर्क के चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन में एक व्याख्यान देने से पहले चाकू मारा गया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और एक आंख से अंधे हो गए थे। अभियोजक जेसन श्मिट ने बताया कि मटर ने मंच पर चढ़कर रुश्दी पर लगभग 30 फीट दौड़ लगाई और उन पर बार-बार चाकू से वार किया। श्मिट ने कहा, यह सब इतनी तेजी से हुआ कि हमले के शिकार व्यक्ति, श्री रुश्दी और उनके बगल में बैठे व्यक्ति, श्री रीज को भी यह एहसास नहीं हुआ कि क्या हो रहा है। रुश्दी को हादी मटर के मुकदमे के दौरान गवाही देने की उम्मीद है, जो हमले के बाद पहली बार दोनों को आमने-सामने लाएगा।

इस्लामाबाद में वकीलों का बड़ा प्रदर्शन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बड़ी संख्या में वकील सोमवार को सड़कों पर उतर आए। उन्होंने शीर्ष अदालत के आठ जजों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में आयोजित बैठक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पाकिस्तान न्यायिक आयोग (जेसीपी) हाई कोर्ट के आठ जजों को सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन करने पर विचार कर रहा है। कई न्यायाधीश और हजारों वकील इस बैठक को स्थगित करने की मांग कर रहे हैं। इस्लामाबाद के कानूनी संगठन हाल ही में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) में पांच जजों के ट्रांसफर का भी कड़ा विरोध कर रहे हैं और इस कदम को न्यायपालिका को विभाजित करने का प्रयास करार दे रहे हैं।

इस्लामाबाद में अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने सुप्रीम कोर्ट की ओर जाने वाले सभी रास्तों को ब्लॉक कर दिया। विरोध प्रदर्शन के तीव्र होने की स्थिति में अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया। वकीलों द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शन के जवाब में इस्लामाबाद पुलिस ने संघीय राजधानी में रेड जोन में कई प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को भी बंद कर दिया।

विरोध प्रदर्शन के कारण इस्लामाबाद और रावलपिंडी के बीच कई मार्गों पर मेट्रो बस सेवाएं भी

स्थगित कर दी गईं, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा हुई। इस्लामाबाद में सुप्रीम कोर्ट के बाहर बड़ी संख्या में वकील एकत्रित हुए, न्यायपालिका की स्वतंत्रता के नारे लगाए और विरोध प्रदर्शन के समर्थन में बैनर लिए हुए थे।

प्रदर्शनकारी वकीलों ने 26वें संविधान संशोधन को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। लाहौर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन (एलएचबीए) ने भी सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें 26वें संविधान संशोधन का विरोध व्यक्त करते हुए जेसीपी बैठक को स्थगित करने की मांग की गई। बता दें पाकिस्तान के संविधान में 26वां संशोधन पिछले साल अक्टूबर में संसद द्वारा पारित किया गया। उसी दिन राष्ट्रपति की सहमति से यह लागू हो गया। संशोधन में 27 खंड शामिल हैं, जो न्यायिक, संसदीय और कार्यकारी ढांचे में परिवर्तन को प्रभावित करते हैं। यह संशोधन पाकिस्तान शीर्ष न्यायाधीश की नियुक्ति में सांसद को अधिक शक्ति देता है।

जजों के ट्रांसफर का मामला तब और बढ़ गया जब न्यायमूर्ति सरफराज डोगर को लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) से आईएचसी में स्थानांतरित कर दिया गया और बाद में उनका नाम सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति के लिए जेसीपी को भेज दिया गया। इस मामले को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के कम से कम दो न्यायाधीशों ने उठाया, जिन्होंने न्यायमूर्ति डोगर की सिफारिश पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश याह्या अफरीदी और आईएचसी के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक से संपर्क किया।

पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के कम से कम चार मौजूदा न्यायाधीशों ने 26वें संविधान संशोधन के खिलाफ याचिका पर निर्णय होने तक सोमवार को जेसीपी की बैठक स्थगित करने का प्रस्ताव रखा। विरोध के बावजूद, जेसीपी ने सोमवार को अपनी बैठक जारी रखने का फैसला किया, जिसके बाद वकीलों ने विरोध प्रदर्शन किया और आयोग द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का विरोध किया।

हिंसा फैलाने वाले शैतानों के खिलाफ सरकार की बड़ी कार्रवाई, 1300 से ज्यादा गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के सुरक्षा बलों ने शनिवार को शुरू किए गए एक बड़े एक्शन में सोमवार तक 1,300 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य पिछले कुछ दिनों से देश में जारी हिंसा की नई लहर को दबाना है। देशव्यापी अभियान को 'ऑपरेशन डेविल हंट' नाम दिया गया है। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के परिवार और उनकी अवामी लीग पार्टी के प्रमुख सदस्यों से जुड़ी संपत्तियों को निशाना बनाए जाने के बाद यह ऑपरेशन शुरू किया। हिंसा तेज से पूरे देश में फैल गई, भीड़ ने अवामी लीग के प्रतीकों को निशाना बनाया और राजनीतिक गुटों के बीच तनाव बढ़ गया। अंतरिम सरकार ने शनिवार को ऑपरेशन डेविल हंट का आदेश दिया। ऑपरेशन में शामिल संयुक्त बलों में सेना के जवान, पुलिस और विशेष इकाइयां शामिल हैं। अब तक, अधिकारियों ने पिछले चार दिनों में देश में फैली अशांति और हिंसा के सिलसिले में 1,300 लोगों को गिरफ्तार किया है। अंतरिम सरकार ने देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे सभी शैतानों को जड़ से उखाड़ फेंकने की कसम खाई है। हिंसा के दौरान सबसे भयावह घटनाओं में से एक तब हुई जब प्रदर्शनकारियों ने राजधानी ढाका में स्थित बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के ऐतिहासिक आवास में आग लगा दी। यह घर देश के इतिहास में अहम जगह रखता है।

जयशंकर ने फ्रांस में अपने समकक्ष बैरो से की मुलाकात, वैश्विक विकास और द्विपक्षीय सहयोग पर की चर्चा

पेरिस , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पेरिस में फ्रांस के अपने समकक्ष जीन नोइल बैरो से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता , नवोन्मेष तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ भारत-फ्रांस के बीच व्यापक सहयोग पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन दिवसीय फ्रांस यात्रा पर हैं। वह पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे। मोदी मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे और व्यापार जगत के नेताओं को भी संबोधित करेंगे। जयशंकर ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''पेरिस में आज शाम विदेश मंत्री जीन नोइल बैरो से मिलकर खुशी हुई।

एआई एवं नवाचार, संपर्कता और स्वच्छ ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करते हुए दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग को लेकर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक विकास के बारे में भी बात की। पोस्ट में कहा गया, ''दोनों देशों का मजबूत सहयोग हमारी रणनीतिक साझेदारी की ताकत और सहजता को दर्शाता है। इस बीच, बैरो ने कहा कि 2026 में फ्रांस और भारत मिलकर ''नवाचार का वर्ष लिखेंगे। बैरो ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''भारत के साथ, एआई हमारी रणनीतिक साझेदारी का नया आयाम है। 2026 में हम मिलकर नवाचार का एक 'फ्रैंको-इंडियन वर्ष लिखेंगे। सोमवार को पेरिस पहुंचने पर प्रवासी भारतीय समुदाय ने मोदी का भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''पेरिस में एक यादगार स्वागत! ठंड के मौसम के बावजूद भारतीय समुदाय ने आज शाम अपना स्नेह दिखाया। हम अपने प्रवासी समुदाय के आभारी हैं और उनकी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं। मोदी और मैक्रों मार्सिले के भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का भी उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, यह मोदी की फ्रांस की छठी यात्रा है।

पाकिस्तान में मुझे फांसी की सजा दिलाने की कोशिश, मार्क जुकरबर्ग का खुलासा

कैलिफोर्निया , एजेंसी। मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में उन्हें फांसी की सजा दिलाने की कोशिश की गई। जुकरबर्ग ने यह भी कहा कि मेरा पाकिस्तान जाने का कोई प्लान नहीं है। इसलिए अधिक टेंशन नहीं लिया। मगर इस केस में अब क्या हो रहा है... इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

दरअसल, मार्क जुकरबर्ग जो रोगन के साथ एक पॉडकास्ट में ईशनिंदा सामग्री से जुड़े मुकदमे पर पाकिस्तान में आने वाली कानूनी चुनौतियों पर अपनी बात रख रहे थे। इसी दौरान उन्होंने यह बाकया साझा किया।

मुझ पर मुकदमा दायर किया गया: जुकरबर्ग ने कहा कि कई देशों में ऐसे कानून हैं, जिनसे हम असहमत हैं। उदाहरण के लिए एक समय ऐसा भी था जब कोई शख्स मुझे

पाकिस्तान में मौत की सजा दिलाने की कोशिश कर रहा था। इसकी वजह यह थी कि किसी ने फेसबुक पर पैगंबर मोहम्मद साहब की एक फोटो साझा की थी।

शख्स का कहना था कि यह हमारी संस्कृति में ईशनिंदा है। उसने मुझ पर मुकदमा दायर किया। इसके बाद आपराधिक कार्यवाही शुरू हुई। जुकरबर्ग ने आगे कहा कि मुझे नहीं पता अब यह मामला कहां, क्योंकि मैं पाकिस्तान जाने की योजना नहीं बना रहा हूं। इसलिए मैं इसके बारे में अधिक चिंतित भी नहीं हूं।

स्थिति चिंताजनक थी: जुकरबर्ग ने माना कि स्थिति चिंताजनक थी, खास तौर पर व्यक्तिगत सुरक्षा के मामले में। उन्होंने कहा कि यह थोड़ा परेशान करने वाला था। मैं सोच रहा था, ठीक है, ये लोग ऐसे हैं। यह अच्छा नहीं है अगर आप उस क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भर रहे हैं। आप ??नहीं चाहेंगे कि आपका विमान पाकिस्तान के ऊपर से गुजरे।

मेटा ने ट्रंप को दिया दान: मार्क जुकरबर्ग ने टेक कंपनियों पर सरकारों के बढ़ते दखल को उजागर किया। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सरकार को विदेश में अमेरिकी टेक कंपनियों की रक्षा करने में मदद करने की जरूरत होगी। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप से जुकरबर्ग ने मार-ए-लागो में मुलाकात की थी। इसके अलावा मेटा ने ट्रंप के उद्घाटन कोष में एक मिलियन अमेरिकी डॉलर का दान भी दिया है। 20 जनवरी को ट्रंप के उद्घाटन समारोह में भी जुकरबर्ग पहुंचे थे।

अब ब्रिटेन में ट्रंप जैसा ऐक्शन, 19 हजार प्रवासी बाहर किए; मारे जा रहे देश भर में छापे

लंदन, एजेंसी। अमेरिका ने हाल ही में ब्राजील, भारत, मेक्सिको समेत कई देशों के अवैध प्रवासियों को बाहर निकाला है। अब बिना दस्तावेज के आए प्रवासियों और अपराधियों के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप जैसा ही ऐक्शन ब्रिटेन में भी शुरू हुआ है। ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद से करीब 19000 अवैध प्रवासियों और अपराधियों को देश से बाहर कर गया है। इन लोगों को डिपोर्ट करने का एक वीडियो भी ब्रिटिश सरकार की ओर से जारी किया गया है। पूरे देश में ही अवैध प्रवासियों के खिलाफ यह अभियान चलाया गया है। इसके लिए छापेमारी की गई है, जिसमें बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी पाए गए। इन लोगों को डिपोर्ट किया गया है।

इस अभियान के तहत भारतीय रेस्तरां, नेल बार, स्टोर और कार वॉश में छापेमारी की गई है। इनमें बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों को काम पर रखे जाने की शिकायतें मिली थीं। ब्रिटिश होम मिनिस्टर वेटे कूपर ने कहा कि उनके विभाग ने जनवरी में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद से कुल 19000 लोगों को डिपोर्ट किया गया है। जनवरी महीने में ही 828 परिसरों पर रेड मारी गई है और 609 लोगों को गिरफ्तार किया गया। बीते साल की जनवरी के मुकाबले यह 73 फीसदी ज्यादा नंबर था। 7 लोगों को तो अकेले हंबरसाइड स्थित भारतीय रेस्तरां में छापा मारकर अरेस्ट किया गया। इसके अलावा 4 को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा ब्रिटिश संसद में नया बिल भी पेश किया गया है। इस विधेयक में सीमा सुरक्षा, शरण और अवैध प्रवासियों को बाहर करने का प्रस्ताव रखा गया है। ब्रिटिश सांसदों का कहना है कि इस विधेयक को लाने से बड़ी संख्या में आपराधिक गैंगों को खत्म करने में मदद मिलेगी। पीएम कीर स्टारमर की सरकार का कहना है कि पूर्व की सरकारों ने सीमा सुरक्षा से समझौता किया था। अब इस पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। ब्रिटिश सरकार ने उन संस्थानों को भी फाइल लगाने का फैसला लिया है, जो अवैध प्रवासियों को नौकरी देंगे। ऐसे मामलों में प्रति व्यक्ति 60 हजार पाउंड का फाइन लगाने का फैसला लिया गया है। अब तक कुल 1000 नोटिस जारी किए गए हैं। बीते साल जुलाई में हुए आम चुनाव के बाद से ही अब तक 16,400 लोगों को बाहर किया जा चुका है।

निर्वासितों के साथ इंसानियत का व्यवहार होना चाहिए, भारतवंशी अमेरिकी सांसद की अपनी सरकार से अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही अमेरिका दौरे पर जाने वाले हैं। पीएम मोदी के अमेरिका दौरे और दोनों देशों के कुछ अहम मुद्दों पर भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने बात की। उन्होंने अपनी सरकार से अपील की कि निर्वासित किए जा रहे लोगों के साथ इंसानियत वाला व्यवहार किया जाना चाहिए। रो खन्ना ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की आगामी मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच अवैध अप्रवासियों के मुद्दे पर बातचीत हो सकती है। अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किए जाने पर रो खन्ना ने कहा कि मेरा मानना है कि अगर निर्वासन होता है तो वो इंसानी तरीके से होना चाहिए और लोगों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार होना चाहिए। उनका अमानवीय तरीके से उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने ये भी कहा कि बेशक, अमेरिका आने वाले लोगों को कानूनी तरीके से ही अमेरिका आना चाहिए और कानून का पालन करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि ये मुद्दा जल्द सुलझ जाएगा। रो खन्ना ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार असंतुलन का भी मुद्दा है। अमेरिका का चीन, कनाडा और यूरोप के साथ भी व्यापार असंतुलन है। इनमें अमेरिका ज्यादा सामान खरीदता है, लेकिन ये देश अमेरिका से कम सामान खरीदते हैं। भारत के साथ भी अमेरिका का व्यापार असंतुलन है। रो खन्ना ने कहा कि इस व्यापार असंतुलन को खत्म किया जाना चाहिए।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मस्कट में एस जयशंकर से कर सकते हैं मुलाकात : रिपोर्ट

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन जल्द विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात कर सकते हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात अगले सप्ताह मस्कट में आयोजित होने वाले हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान हो सकती है। यह जानकारी सोमवार को ढाका की स्थानीय मीडिया ने दी। बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली दैनिक प्रोथोम एलो ने बताया, राजनयिक सूत्रों के अनुसार, इस बैठक के दौरान बांग्लादेश दोनों देशों के बीच संबंधों में तनाव को रोकने के उद्देश्य से एक संदेश देना चाहेगा। 8वां हिंद महासागर सम्मेलन 16-17 फरवरी को मस्कट, ओमान में होगा। इसका आयोजन ओमान के विदेश मंत्रालय के सहयोग से इंडिया फाउंडेशन कर रहा है। इस वर्ष सम्मेलन का विषय, समुद्री साझेदारी के नए क्षितिज की यात्रा है।

विदेश मंत्री जयशंकर और हुसैन की पिछली मुलाकात सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई थी। यह अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद भारत और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बीच पहली उच्च स्तरीय बातचीत थी। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से भारत दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। वहीं ढाका की वर्तमान सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय को सुरक्षा नहीं देने के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है।

बता दें पिछले वर्ष 5 अगस्त को छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शन की वह हसीना की अवामी लीग सरकार का नाटकीय ढंग से पतन हो गया था। शेख हसीना के देश छोड़कर भागने के बाद से अल्पसंख्यक समुदायों को लगातार निशाना बनाने की खबरें आ रही हैं। दिसंबर में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक दिवसीय यात्रा पर ढाका का दौरा किया और अंतरिम सरकार के शीर्ष नेतृत्व को नई दिल्ली की चिंताओं, विशेष रूप से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों

की सुरक्षा और कल्याण से संबंधित चिंताओं से अवगत कराया।

विवादों में रहने वाले कान्ये वेस्ट को एक्स पर किया बैन

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया पर कान्ये वेस्ट के हालिया व्यवहार ने उनके प्रशंसकों और आम जनता के बीच चिंता पैदा कर दी है। अमेरिकी रैपर और बिजनेसमैन कान्ये वेस्ट को ये के नाम से जाना जाता है। आपको बता दें कि बिजनेसमैन कान्ये वेस्ट को एलन मस्क की एक्स से बैन कर दिया गया है।

शॉपिफाई पर बिक्री के लिए स्वस्तिक शर्ट को सूचीबद्ध करने से लेकर, यहूदियों और टेलर स्विफ्ट के खिलाफ घृणा से भरे भाषणों, सीन डिड्डी कॉम्ब्स का समर्थन करने वाले पोस्ट, ऑटिज्म को अजीब होने का कारण बताना, पत्नी बियांका सेंसरी की तस्वीरें पोस्ट करना और बहुत कुछ के कारण कान्ये वेस्ट के एक्स खाते को कथित तौर पर एलोन मस्क द्वारा बैन कर दिया गया है।

वेस्ट का एक्स अकाउंट उनके बेबाक विचारों का मंच बन गया, जिसके कारण उनकी व्यापक आलोचना हुई. उन्होंने यहूदी विरोधी और नस्लवादी टिप्पणियों सहित कई विवादास्पद बयान पोस्ट किए. आपको बता दें कि 10 फरवरी को कान्ये वेस्ट का एक्स प्रोफाइल पर यह मैसेज दिखा कि यह अकाउंट मौजूद नहीं है. इसके अलावा 11 फरवरी की सुबह एक्स की आधिकारिक वेबसाइट पर अकाउंट करने पर भी यह खाता नहीं दिखा. हालांकि वेस्ट की ऑनलाइन गतिविधियों में गिरावट आई है, जिसके कारण कई लोगों ने उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठाए हैं. हाल ही में पॉडकास्ट में, वेस्ट ने दावा किया कि वह बाइपोलिटरी से नहीं, बल्कि ऑटिज्म से पीड़ित है. कान्ये के एक्स पोस्ट की ओर इशारा करते हुए एक यूजर की पोस्ट का जवाब देते हुए मस्क ने लिखा कि उसने जो पोस्ट किया है, उसके आधार पर उसका अकाउंट अब एनएसएफडब्ल्यू के रूप में वर्गीकृत है. आपको अब ऐसा नहीं देखना चाहिए. यहां एनएसएफडब्ल्यू का मतलब है काम के लिए सुरक्षित नहीं माना गया, टेक अरबपति ने टिक्टर पर कान्ये को अनफॉलो भी कर दिया.

जडेजा और नागवासवाला का कहर, गुजरात रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

राजकोट (एजेंसी)। तेज गेंदबाजों प्रियजीत जडेजा और अर्जन नागवासवाला ने मिलकर 7 विकेट चटकाए जिससे गुजरात ने मंगलवार को यहां सौराष्ट्र को पारी और 98 रन से हराकर रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहली पारी के आधार पर 295 रन से पिछड़ी सौराष्ट्र की टीम क्वार्टर फाइनल मुकाबले के चौथे दिन दूसरी पारी में भी 197 रन पर सिमट गई। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रियजीत ने 32 रन देकर चार जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नागवासवाला ने 54 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

सौराष्ट्र ने दिन की शुरुआत बिना विकेट खोए 33 रन से की। प्रियजीत ने सलामी बल्लेबाज चिराग जानी (26) को आउट करके गुजरात को दूसरी पारी में पहली सफलता दिलाई और 67 रन की साझेदारी को तोड़ा। इस युवा तेज गेंदबाज ने इसके बाद भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (02) को आउट करके सौराष्ट्र को बड़ा झटका दिया। सलामी बल्लेबाज हार्विक देसाई ने 103 गेंद में 9 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त साथ नहीं मिला।

भारत-इंग्लैंड तीसरे वनडे में क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत

कोहली की फॉर्म पर रहेगी नजर

अहमदाबाद (एजेंसी)। पहले दो मैच में आसान जीत से उत्साह से लबरेज भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी लय बरकरार रखकर क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। इस मैच में हालांकि विराट कोहली पर निगाह रहेगी जिनके पास चैंपियंस ट्रॉफी से पहले फॉर्म हासिल करने का यह आखिरी मौका होगा।

भारत पहले दो मैच चार विकेट के समान अंतर से जीत कर पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर चुका है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम अब उस नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेलने के लिए उतरेगी जहां उसे वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। यह कहने की जरूरत नहीं है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कोहली की फॉर्म को लेकर चिंतित होगी।

आठ टीमों के बीच खेले जाने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में शुरू होगी। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। भारत अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और 23 फरवरी को अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की जो भारत के लिए अच्छे संकेत हैं। कोहली अपने इस साथी से प्रेरणा लेकर यहां बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। कोहली पूरी तरह से लय में नहीं दिख रहे हैं लेकिन वह इतनी देर तक क्रीज पर नहीं टिके हैं कि खुद को बड़ी पारी खेलने का मौका दे सकें।

कोहली का बल्ला अगर चल जाता है तो यह स्टार बल्लेबाज वनडे क्रिकेट में 14000 रन बनाने वाला तीसरा खिलाड़ी बन सकता है। कोहली को इस मुकाम पर पहुंचने के लिए केवल 89 रन की जरूरत है। भारत ने अभी तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल करने और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी से भारत का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

शमी की सफल वापसी से निश्चित तौर पर भारतीय टीम प्रबंधन को राहत मिली होगी क्योंकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर संदेह बना हुआ है। बुमराह को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अहमदाबाद में होने वाले इस वनडे से वापसी करनी थी लेकिन अभी वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में ही हैं। भारत और इंग्लैंड दोनों की टीम ने मंगलवार को अभ्यास नहीं किया था क्योंकि वे तरोताजा होकर तीसरे वनडे में उतरना चाहती हैं।

रोहित का कटक में खेले गए मैच में शतक टीम के अन्य खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। इनमें विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल भी शामिल हैं जो अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में अगर भारत ऋषभ पंत को मौका देता है तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जो भारतीय टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। भारत को मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर से अच्छी पारी की उम्मीद होगी।

ऑलराउंडर अक्षर पटेल को पांचवें नंबर बल्लेबाजी करने के लिए उतारना अभी तक सही साबित हुआ है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहले दो मैच में 52 और नाबाद 42 रन बनाए। पटेल के बल्लेबाजी में अच्छे प्रदर्शन से रविंद्र जडेजा पर से कुछ दबाव कम हुआ होगा जिन्होंने अभी तक श्रृंखला में छह विकेट लिए हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने स्पिन गेंदबाजों की मदद करने वाले विकेटों पर अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। चैंपियंस ट्रॉफी में दुबई में उन्हें इसी तरह की परिस्थितियां मिलने की संभावना हैं।

जहां तक जोस बटलर की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम का सवाल है तो उसे चैंपियंस ट्रॉफी से पहले मनोबल बढ़ाने वाली जीत हासिल करने के लिए तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। ऑलराउंडर जैकब बैथेल के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से भी उसकी टीम की परेशानियां बढ़ गई हैं। पिछले मैच में फिल साल्ट और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा पाया।

जो रूट ने भी अपना प्रभाव छोड़ा है लेकिन उन्हें दूसरी तरफ से सहयोग नहीं मिला है। गेंदबाजी में स्पिनर आदिल रशीद ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया है लेकिन अगर इंग्लैंड को जीत हासिल करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जड़ेजा, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड - जोस बटलर (कप्तान और विकेटकीपर), हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जो रूट, फिलिप साल्ट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, ब्रायडन कार्स, लियाम लिविंगस्टोन, जेमी ओवरटन, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, साकिब महमूद, आदिल रशीद और मार्क वुड।

पोंटिंग ने जैक्स कैलिस को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर, गिलक्रिस्ट ने जताई असहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट ने महानतम ऑलराउंडर की बहस में अपना पक्ष रखते हुए रिकी पोंटिंग के इस दावे को चुनौती दी है कि जैक्स कैलिस अब तक के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर हैं। पोंटिंग ने हाल ही में कैलिस की बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की। गिलक्रिस्ट का मानना ??है कि केवल आंकड़े महानता को

परिभाषित नहीं करते हैं और इसके बजाय उन्होंने दिवंगत शेन वॉर्न को क्रिकेट के सर्वकालिक शीर्ष खिलाड़ियों में शीर्ष पर रखा। गिलक्रिस्ट ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं समझता हूं कि रिकी किस बात पर जोर दे रहे हैं कि आंकड़ों के हिसाब से रन, विकेट और कैच - लेकिन इसमें सिर्फ आंकड़ों से कहीं अधिक है। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि शेन वॉर्न अब तक खेले गए सबसे महान खिलाड़ी हैं।

पोंटिंग ने पहले कैलिस को क्रिकेट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बताया था और उनके 13,289 टेस्ट रन, 45 शतक और 292 विकेट को बेमिसाल उपलब्धि बताया था। हालांकि गिलक्रिस्ट ने जोर देकर कहा कि गेंदबाज और रणनीतिकार दोनों के रूप में खेल पर वॉर्न का प्रभाव बेजोड़ था। गिलक्रिस्ट ने कहा, वार्नी ने जो हासिल किया, खासकर जिस तरह से उन्होंने जीवन जिया और फिर भी उस स्तर पर प्रदर्शन करने में सफल रहे, यह दर्शाता है कि वह एक सच्चे चैंपियन थे। अपनी गेंदबाजी से परे, वह एक अविश्वसनीय बल्लेबाज भी थे। जब वह खेलते थे तो बहुत अधिक रन पर आउट हो जाते थे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी प्रतिभा का भी पता था। जब शुद्ध क्रिकेट प्रतिभा की बात आती है - बल्लेबाजी, गेंदबाजी, कैचिंग और सामरिक प्रतिभा - तो मेरे लिए वॉर्न नंबर 1 हैं।

मैं किसी और टीम के लिए नहीं खेलना चाहता था, केकेआर में वापसी पर बोले वैभव अरोड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने वाले अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद वैभव अरोड़ा आगामी 2025 सीजन के लिए वापस आ गए हैं और उन्होंने कहा कि उनका इस फ्रैंचाइजी से भावनात्मक लगाव है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईपीएल के 17वें संस्करण में 10 मैचों में 11 विकेट लिए जिससे नई गेंद को स्विंग करने की उनकी क्षमता से बल्लेबाजों को कई तरह की परेशानियां हुई। अब नाइट राइडर्स के साथ वापस आकर वह उस फ्रैंचाइजी में वापस आकर खुश हैं जो परिवार की तरह लगता है। वैभव ने कहा, केकेआर के साथ वापस आना खास था। मैं पिछले चार सीजन से नाइट राइडर्स के साथ हूं और फ्रैंचाइजी के साथ मेरा भावनात्मक लगाव है। यह मेरे अपने परिवार की तरह लगता है। इसलिए जब केकेआर ने मुझे फिर से चुना, तो मुझे उस टीम में वापस जाने से राहत मिली, जिसके साथ मैंने पिछले साल खिताब जीता था। मैं किसी और टीम के लिए नहीं खेलना चाहता था।

27 वर्षीय खिलाड़ी पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रहा है। प्रभावशाली घरेलू सत्र के बाद, वह खेल के सभी चरणों में योगदान देने के लिए दृढ़ है। उन्होंने कहा, मैंने 2024 में पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन किया और मैं इससे आत्मविश्वास लूंगा। हालांकि, मैंने अपनी डेथ बॉलिंग पर काम किया है और मैं खेल के उस चरण में भी जितना संभव हो उतना प्रभावी होना चाहता हूं। मैंने लाल गेंद के क्रिकेट में भी अपने धीमे, यॉर्कर और अन्य विविधताओं पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि मैं खेल के किसी भी चरण में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करने के लिए सफेद गेंद के क्रिकेट में भी यही निष्पादन लाने की कोशिश करूंगा।

पूर्व भारतीय और वर्तमान केकेआर गेंदबाजी कोच भरत अरुण के साथ काम करना पिछले कुछ वर्षों में वैभव के विकास को आकार देने में एक अभिन्न भूमिका निभाई है। अपने कोच के प्रभाव का श्रेय देते हुए उन्होंने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में भरत सर के साथ काम किया है, यह तीसरा वर्ष होगा। जिस तरह से वह अपने अनुभव और सीख साझा करते हैं, उससे मुझे हर साल बेहतर गेंदबाज बनने में मदद मिली है। इसलिए उम्मीद है कि मैं इस साल उनके मार्गदर्शन में और भी बेहतर प्रदर्शन करूंगा और टीम को जीत दिलाने की कोशिश करूंगा।

वैभव ने हर्षित राणा के साथ भी एक शानदार साझेदारी बनाई है, दोनों एक घातक जोड़ी की तरह खेलते हैं। दोनों के बीच मैदान के अंदर और बाहर भी शानदार दोस्ती है और एक बार फिर से साथ आने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह हमारा साथ में तीसरा साल है। हमें शुरू में साथ खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन जब मिला, तो हमने टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया। पिछले साल भी जब हमने ट्रॉफी जीती, तो साझेदारी के तौर पर हमने दोनों छोर से अच्छा काम किया। जब आप साझेदारी में गेंदबाजी करते हैं, तो मैदान के बाहर भी एक अलग रिश्ता बनता है। इस साल उन्हें रिटेन किया गया और मुझे नीलामी में खरीदा गया। ऐसा लगता है कि भाई फिर से साथ आ गए हैं।

इस सीजन में टीम के लिए जिस तरह का दबाव और जिम्मेदारी वहन करेंगे, उसे देखते हुए वैभव ने कहा, प्रशंसकों की अपेक्षाएं होती हैं और उन अपेक्षाओं पर खरा उतरना हमेशा मजेदार होता है। एक बार ट्रॉफी जीतना अद्भुत है, लेकिन असली चुनौती लगातार सीजन जीतना है। यह एक अलग तरह की चुनौती है और ऐसी परिस्थितियों में यह आनंददायक होगा।

वैभव ने नाइट राइडर्स को अन्य टीमों से अलग बनाने वाली बातों और ईडन गार्डन्स में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के अपने अनुभव के बारे में भी बात करते हुए कहा, %कोलकाता में प्रशंसकों से मिलने वाला समर्थन हमारी ताकत है। हम उनके लिए खेलना चाहते हैं और उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना चाहते हैं क्योंकि वे हमें बहुत प्रेरित करते हैं। हमने पिछले सीजन में ट्रॉफी जीती थी और हम इस साल भी ऐसा ही करने की कोशिश करेंगे।

बुमराह के बिना भारत के पास चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण : चोपड़ा

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि अगर जसप्रीत बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी में जगह नहीं बना पाते हैं, तो भारत के पास अपने ग्रुप में सबसे कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण होगा। पीठ की चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय तेज गेंदबाज की उपलब्धता संदिग्ध है। बुमराह को शुरू में आईसीसी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय अनंतिम टीम में चुना गया था, लेकिन बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से उन्होंने क्रिकेट नहीं खेला है। फिलहाल खिलाड़ी की प्रगति के बारे में कोई अपडेट नहीं है।

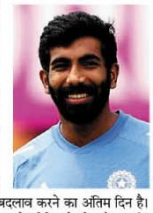

चोपड़ा ने कहा कि हाल के दिनों में भारत के किसी भी तेज गेंदबाज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है और इससे ढ्ढष्ट टूर्नामेंट में टीम मुश्किल में पड़ सकती है। भारत 11 फरवरी को बुमराह पर फैसला करने वाला है, जो टूर्नामेंट के लिए टीम में बदलाव करने का अंतिम दिन है। चोपड़ा ने मौजूदा भारत बनाम इंग्लैंड वनडे सीरीज में टीम के प्रदर्शन के बारे में बात की और कहा कि मोहम्मद शमी ने अभी तक 50 ओवर के प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है। शमी ने चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी की है और उन्होंने केवल कुछ ही मैच खेले हैं।

चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मोहम्मद शमी अपनी वापसी के बाद भी शीर्ष गियर में नहीं आ पाए हैं। उनकी गति में गिरावट आई है। गति के बारे में बात यह है कि यह अलग-अलग गेंदबाजों के लिए अलग-अलग तरीके से काम करती है। भुवनेश्वर कुमार 132 किमी/घंटा की गति से बेहतरीन गेंदबाज हैं। लेकिन अगर मोहम्मद शमी 132 किमी/घंटा की गति से गेंदबाजी करते हैं, तो वे पहले जैसे गेंदबाज नहीं रह जाते।

उर्विल पटेल ने रणजी ट्रॉफी में भी शतक जड़ा, इस सीनियर बल्लेबाज की बराबरी की

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के उर्विल पटेल के लिए यह रिकॉर्ड सीजन रहा है। हीरे के पर्याय माने जाने वाले पालनपुर शहर में क्रिकेट की शुरुआत करने वाले 26 वर्षीय उर्विल पटेल ने दिखाना शुरू कर दिया है कि वह शहर से निकलने वाले सबसे तराशे हुए रत्न क्यों हैं। इस सीजन की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 28 गेंदों पर किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी20 शतक जड़ा, जो दुनिया में दूसरा सबसे तेज शतक है। पिछले सीजन की विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 41 गेंदों पर शतक जड़ा था, जो किसी भारतीय द्वारा बनाया गया दूसरा सबसे तेज शतक था। उर्विल ने रिकॉर्ड बुक में फिर से नाम दर्ज करने करते हुए रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ अपने पहले प्रथम श्रेणी शतक (197 गेंदों पर 140 रन) के साथ श्रेयस अय्यर के बाद एक ही घरेलू सीजन में तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए।

जब राजकोट में तीसरे दिन का खेल शुरू हुआ और गुजरात की बढ़त 44 रन की थी, तो सौराष्ट्र को पता था कि उन्हें उर्विल को जल्द से जल्द

आउट करना होगा। ऐसा लग रहा था कि उर्विल के लिए यह स्थिति उनके आक्रामक खेल को दिखाने के लिए अनुकूल थी। वह 2018 से घरेलू टी20 और लिस्ट ए खेल रहे हैं जो बड़ौदा से शुरुआत करने से पहले गुजरात चले गए। लेकिन रणजी में पदार्पण पिछले सीजन में ही हुआ था, और इस सीजन उन्होंने पहली पसंद के रूप में शुरुआत की। लेकिन कुछ और भी था जिससे उर्विल अभ्यस्त होना चाहते थे।

उर्विल ने कहा, मेरा खेल सफेद गेंद के लिए अधिक अनुकूल है। लेकिन मैं लाल गेंद के खेल को भी महसूस करना चाहता था क्योंकि रणजी ट्रॉफी में बड़ा स्कोर करने की संतुष्टि अलग होती है। मैं जो अनुभव करना चाहता था वह यह था कि जब आपको कम जोखिम उठाना होता है, तो लंबी बल्लेबाजी करना मुश्किल क्यों होता है इसके अलावा मैच की स्थिति ऐसी थी कि मुझे मैदान पर उतरकर बड़ी पारी खेलने की जरूरत थी, जो मैंने किया।

उर्विल ने कहा, आक्रामक क्रिकेट खेलना मेरे लिए स्वाभाविक है। हालांकि, हमें अलग-अलग प्रारूपों में स्विच करना था, इसलिए मुझे सीखना पड़ा कि तीनों के बीच कैसे तालमेल बिठाया जाए। और सिर्फ इसलिए कि मैं लाल गेंद वाला क्रिकेट खेल रहा हूं, मुझे अपने खेल को बहुत ज़्यादा बदलने की जरूरत नहीं है। यह लंबे समय तक खुद को लागू करना सीखने के बारे में था। मैं कम जोखिम ले रहा हूं, इसलिए मुझे पता था कि रन जरूर बनेंगे।

शून्य की हैट्रिक, 5वें कीवी बने टॉम लैथम, लिस्ट में हैं 7 भारतीय के भी नाम

नईदिल्ली (एजेंसी)। ट्राई सीरीज में भी टॉम लैथम का बुरा समय जारी है। लैथम पिछली तीन पारियों से खाता नहीं खोल पाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ बीते दिनों खेले गए मुकाबले में भी वह शून्य पर आऊट हो गए थे। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ जनवरी 2025 में खेले गए आखिरी मुकाबले में भी वह शून्य पर आऊट हो गए थे। अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लाहौर के मैदान पर खेले गए मुकाबले में शून्य पर आऊट होकर वह शून्य की हैट्रिक लगाने वाले न्यूजीलैंड के 5वें बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (वनडे) क्रिकेट में टोनी ब्लेन (1986), डैनी मॉरिसन (1990), रिचर्ड डी ग्रोएन (1994), एडम पारोर (2001) यह रिकॉर्ड को अपने नाम कर चुके हैं।

भारत के भी 7 प्लेयर - सचिन तेंदुलकर भी दिसंबर 1994 से लेकर अक्तूबर 1994 तक खेले गए तीन वनडे में शून्य पर ही आऊट हुए थे। इसके बाद अनिल कुंबले ने मई 1996 में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। साल 2003 में जहीर खान ने यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। इसके बाद 2010 में ईशांत शर्मा ने भी इस अनोखे रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। फिर साल 2017 में जसप्रीत बुमराह तो साल 2023 में सूर्यकुमार यादव ने यह शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया। सूर्यकुमार यादव ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में लगातार तीन मैचों में गोल्डन डक हुए थे।

टॉम लैथम का वनडे करियर - टॉम लैथम ने अपना वनडे डेब्यू 3 फरवरी 2012 को डुनेडिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ किया। वह अब तक 143 वनडे की 132 पारियों में 4,044 रन बना चुके हैं। उनकी बल्लेबाजी औसत लगभग 34.85 रही है जबकि स्ट्राइक रेट~ 86.1 है। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 145 रन हैं जो उन्होंने 25 नवंबर, 2022 को ईडन पार्क, ऑकलैंड में भारत के खिलाफ बनाया था। वह 7 शतक और 15 अर्धशतक~ लगा चुके हैं। सबसे खास बात यह है कि वह वनडे फार्मेट में रिकॉर्ड 15 बार शून्य पर आऊट हो चुके हैं।

इसी साल आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार खत्म कर सकता है दक्षिण अफ्रीका : स्मिथ

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। पिछले साल सभी प्रारूपों में दक्षिण अफ्रीका के शानदार प्रदर्शन से प्रभावित पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को यकीन है कि अपनी मेजबानी में 2027 पुरूष वनडे विश्व कप खेलने से पहले ही वे आईसीसी ट्रॉफी के लिए लंबा चला आ रहा इंतजार खत्म कर देंगे। एसए 20 लीग कमिश्नर स्मिथ ने कहा, 'उम्मीद है कि हम चैम्पियंस ट्रॉफी या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जीतकर इस इंतजार को खत्म कर देंगे। लेकिन अगर दक्षिण अफ्रीका अपनी सरजमीं पर विश्व कप जीतता है तो यह शानदार होगा। महज 22 वर्ष की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बनने के बाद बतौर कप्तान 54 टेस्ट जीत दिलाने वाले इस दिग्गज ने कहा, 'अगले तीन साल में हम स्टेडियमों, पिचों और अपने क्रिकेट इकोसिस्टम को बेहतर करने के प्रयास जारी रखेंगे ताकि 2027 वनडे विश्व कप तक हम प्रबल दावेदार रहें। दक्षिण अफ्रीका ने सेंचुरियन में बॉक्सिंग डे टेस्ट में पाकिस्तान को हराकर डब्ल्यूटीसी फाइनल में प्रवेश किया जहां 11 से 15 जून तक लाडर्स पर उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका पुरूष और महिला टी20 विश्व कप और इस साल की शुरूआत में अंडर 19 महिला विश्व कप में उपविजेता रहा।

स्मिथ ने इन आलोचनाओं को भी खारिज किया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल का दक्षिण अफ्रीका का सफर आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'आजकल क्रिकेट में कोई सफर आसान नहीं होता। शुरू ही से सभी टीमों को पता था कि किसे किससे खेलना है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीतकर क्वालीफाई किया है। सभी को टेस्ट इकोसिस्टम देखना चाहिए कि वह कैसे काम करता है। 'क्लब बनाम देश

की बहस पर स्मिथ का मानना है कि टी20 क्रिकेट का बढ़ना तय है लेकिन सभी सदस्य देशों को मिलकर ऐसा मॉडल बनाना होगा कि बाकी प्रारूप भी सुरक्षित रहें। दक्षिण अफ्रीका के लिए 117 टेस्ट में 9265 रन बना चुके स्मिथ ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि टेस्ट क्रिकेट मजबूत रहे और अगर छह सात देशों में भी रह गया तो काफी प्रतिस्पर्धी होगा और मजबूत भी बना रहेगा।

दुनिया भर में शुरू हो रही फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग के बीच टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व को बचाये रखने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट ने अमेरिका और दूसरे क्षेत्रों में नये दर्शक दिए हैं और अब हम इसे ओलंपिक में भी देखेंगे। इसने काफी दर्शक बनाए हैं। मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट में आखिर में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तीन चार लीग बचेंगी और शायद एक टू टियर सिस्टम। भविष्य में सभी सदस्य देशों को साथ मिलकर एक दूसरे को मजबूत रखना होगा। उन्होंने कहा कि शेड्यूलिंग भी अहम है जिससे राजस्व का प्रवाह बना रहता है अन्यथा व्यावसायिक रूप से टेस्ट क्रिकेट भारी दबाव में आ जाएगा। उन्होंने कहा, 'शेड्यूलिंग से भी राजस्व मॉडल पर फर्क पड़ता है। भारत का उदाहरण लीजिये जो काफी टूर करता है और दूसरे देशों में राजस्व का प्रवाह बना रहता है लेकिन अगर इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश एक दूसरे से ही खेलते रहे और अफ्रीकी या दूसरे देशों से नहीं खेलेंगे तो कठिन हो जाएगा क्योंकि टेस्ट क्रिकेट व्यावसायिक तौर पर दबाव में है। उन्होंने कहा, 'अगर आप देखें कि पैसे का प्रवाह कैसा है और खर्च कितने हैं तो इससे टेस्ट क्रिकेट पर दबाव रहेगा। इसके लिये साथ काम करके ऐसा मॉडल बनाना जरूरी है कि सभी प्रारूप बने रहें और फलते फूलते रहें।